वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

CONTENTS

B. A. PART – I

GENERAL, SUBUSIDIARY AND HONOURS

मांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी रचना (हिन्दी भाषियों के लिए)	 02
2.	हिन्दी रचना (अहिन्दी भाषियों के लिए)	 03
3.	प्रधान हिन्दी	 04
4.	हिन्दी प्रतिष्ठा	 06
5.	संस्कृत प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 07
6.	दर्शनशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, साहयक	 08
7.	भूगोल प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 09
8.	राजनीतिशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 11
9.	इतिहास प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 15
10.	गृहविज्ञान प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 16
11.	प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 18
12.	मनोविज्ञान प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 19
13.	अर्थशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 22
14.	समाजशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 23
15.	English Honours, General Subsidiary	 25
16.	भोजपुरी प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 26
17.	Persian Honours, General, Subsidiary	 28
18.	Urdu Honours, General, Subsidiary, Urdu Composition	 29
19.	प्राकृत प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 31

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा B.A. Part-I

नये सत्र से प्रभावी

सामान्य हिन्दी (रचना-अनिवार्य)

कला/विज्ञान/वाणिज्य (सामान्य एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए)

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

अंक विभाजन :

(क) पाठ्यपुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 3 = 45 अंक

(ख) पाठ्यपुस्तक से व्याख्यात्मक प्रश्न : 10 × 2 = 20 अंक

(ग) व्यावहारिक व्याकरण : = 20 अंक

अध्येतव्य अंश—मुहावरे, शब्द-वाक्य-शुद्धि, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थक शब्द, श्रुति सम भिन्नार्थक शब्द, लिंग-निर्णय।

(घ) **पत्र लेखन**—(आवेदन, कार्यालयीय पत्र अथवा समसामयिक समस्याओं के निवारणार्थ संबन्धित पदाधिकारियों के नाम, राज्य के किसी भी दैनिक पत्र में सम्पादक के माध्यम से प्रेषित पत्र।) = 15 अंक

कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. **काव्यतारा** — सम्पादक डॉ. बद्रीनाथ तिवारी एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित पाठ :

विद्यापति : (i) भलहर-भलहरि भलतुअ कला ..... ओ नारायण ओ सूलपाणि
(ii) जय जय भैरवि असुर भयाउनि .... पुत्र बिसरि जनु माता,
(iii) नंदक नंदन कदंबक तरुतर ..... बन्दह नंद किशोरा,
(iv) देख देख राधा रूप अपार ..... अहो निसि कोर अगोरी।

कबीरदास — साखी – 1-20 तक।

सूरदास — बाल लीला के पद-जसोदा हरि पालने झुलावें, सोभित कर नवनीत लिए सिखवत चलन जसोदा मैया, प्रातः समय दधि मथति जसोदा ..... सूर बलि-जाइ, कजरी को पय पिअहु लाल ..... सो सुखर उन न कहै, मैया कबहि बढ़ैगी चोटी, मैया मैं नहि माखन खायो, खेलन अब मेरी जाय बलैया, गये स्याम ग्वालिनि घर सुने।

तुलसीदास — रामचरितमानस-रामायतन-अयोध्याकाण्ड-दोहा सं.- 125 से 131 तक।

बिहारी — सतसई-सार 1-20 दोहे तक।

माखन लाल चतुर्वेदी—कविता-नाश का त्यौहार, गंगा मांग रही है मस्तक, पुष्प की अभिलाषा।

जय शंकर 'प्रसाद'—बीती विभावरी जाग री, ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे-धीरे।

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'—सरस्वती-वन्दना, भिक्षुक, संध्या सुन्दरी।

सुमित्रानन्दन पंत — प्रथम रश्मि, नौका विहार।

महादेवी वर्मा — कौन पहुँचा देगा उस पार, पंथ होने दो अपरिचित, प्राण रहने दो अकेला, पुष्प-सा कली के रूप शैशव में अहो सूखे सुमन।

रामधारी सिंह 'दिनकर'—किसको नमन करूँ।

अज्ञेय — साँप, सागर के किनारे।

नागार्जुन — कालिदास, हिम कुसुमों का चंचरीक।

मुक्तिबोध — दुरतारा।

भवानी प्रसाद मिश्र— मंगल वर्षा।

धूमिल — गाँव।

2. गद्य संचय — सम्पादक–डॉ. राम विनोद सिंह

सम्पूर्ण-संकलित अंश।

3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना—

डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

■

स्नातक खण्ड - 1

हिन्दी-रचना अनिवार्य (अहिन्दी भाषियों के लिए).

कला/विज्ञान/वाणिज्य

(सामान्य एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए)

समय : $1\frac{1}{2}$ घंटे] [पूर्णांक : 50

अंक विभाजन :

(क) वर्णनात्मक प्रश्न-काव्य से	:	10 अंक
(ख) वर्णनात्मक प्रश्न-गद्य से	:	10 अंक
(ग) व्याकरण	:	10 अंक
(घ) दिये गये शब्दों से अर्थपूर्ण वाक्य लेखन	:	05 अंक
(ङ) प्रकृति, पर्व, सामाजिक स्थिति, विज्ञान एवं राष्ट्र विषयक निबंध-लेखन।	:	15 अंक
		कुल = 50 अंक

निर्धारित ग्रन्थ :

1. **निबन्ध श्री** : सम्पादक-डॉ. परशुराम सिंह, श्री कृष्ण प्रकाशन, कतीरा, आरा। पाठसंख्या-प्रारम्भ से 10 पाठ तक।

2. **काव्य वाटिका** : सम्पादक-प्रोफेसर डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र 'शिव', जय-भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्धारित पाठ : कबीरदास साखी-1 से 10 तक।

साखी : 'प्रेम न बाड़ी उपजै', 'पोथी पढ़ि-पढ़ि', 'लाली मेरे लाल', 'जब मैं था', 'कहत सुनत', 'छिनही चढ़ै', 'पिया चाहै', 'गुरु धोबी', 'गुरु गोविन्द, 'तेरा साईं', 'पद-रहनानहिं देस बिराना है'।

3. **व्याकरण** :

रचनामानस : प्रोफेसर रामेश्वरनाथ तिवारी।

पठित अंश : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया-विशेषण, शब्द और शब्दार्थ, लिंग-निर्णय, मुहावरे, विपरीतार्थक शब्द।

4. **हिन्दी निबन्ध** :

ग्रंथ : निबंध भास्कर-डॉ. वचन देव कुमार, भारतीय भवन, पटना।

■

स्नातक खण्ड - 1

प्रधान हिन्दी

(कला के वैकल्पिक विषय के रूप में सहायक एवं सामान्य छात्रों के लिए)

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यपुस्तकों से तीन प्रश्न	:	15 × 3 = 45 अंक
(ख) कवि अथवा लेखक परिचय—दो प्रश्न	:	10 × 2 = 20 अंक
(ग) सप्रसंग व्याख्या— (काव्य एवं नाटक से) दो प्रश्न	:	10 × 2 = 20 अंक
(घ) छंद, अलंकार, रस, परिचय एवं उदाहरण	:	5 × 3 = 15 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रन्थ :

1. **काव्य-रसनिधि :** सम्पादक डॉ. बद्रीनाथ तिवारी, जय भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्धारित पाठ :

विद्यापति : विरह— 'सखि हे बालम जितब विदेसे', 'मधुबन मोहन गेलरे', 'लोचन धाए फेदाएल', 'के पतिआ लए जाएत रे', 'चानन भेल विषम सर रे।'.

कबीरदास : प्रारम्भिक—20 दोहे।

1. 'चकई बिछुरी रैनिकी', 2. 'बासुरी सुख नाँ रैनि सुख', 3. 'बिरह भुवंगम तन बसै', 4. 'अँखियन तौ झाँई परी', 5. कै बिरहिन कौ मीच दै', 6. 'परवत-परवत मै फिरा', 7. 'पानी ही ते हिम भया', 8. 'आया था संसार में', 9. 'जब मैं था तब हरि नहीं', 10. 'कागद केरी नौरी', 11. 'मना मनोरथ छाड़ि दे।', 12. 'जहाँ न चींटी चढ़ि सकै', 13. 'माया मुई न मन मुवा', 14. 'मन मथुरा दिल द्वारिका', 15. 'जाके मुँह माथा नहीं', 16. 'मरते-मरते जग मुवा', 17. 'यह तन जारौं मसि करौं', 18. 'गुरु गोविंद दोउ', 19. 'पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा', 20. 'जल बीच कुम्भ, कुम्भ बीच जल है।'

सूरदास : पद-1. हमारे हरि हरित की लकरी, 2. साकी सीख सुनै ब्रज कोरे ?, 3. ब्रजजन सकल स्याम व्रतधारी, 4. कोट ब्रज बाँचत बाहिनं पाती, 5. बिन गोपाल बैरिन भई कुजैं, 6. संदेसनि मधुवन कूप भरें, 7. उर में माखन चोर गड़े, 8. ऊधो मत नहि हाँथ हमारे, 9. ऊधो मन माने की बात, 10. मधुकर! हम न होहि वे बेली।

तुलसीदास : रामचरितमानस से—नाम वंदना।

बिहारी : प्रारम्भिक—संकलित 20 दोहे—

1. मेरी भव बाधा हरौ, 2. सीस मुकुट कटि काछनी, 3. मोर मुकुट की चंद्रिकनी, 4. सोहत ओढ़े पीत पटु, 5. रनित भृंग घंटावली, 6. तो पर वारौं उरबसी, 7. अलि इन लोचन को कछु, 8. इन दुखिया अँखियान, 9. कहत सबै दिए, 10. तौ लगि या मन सदन में, 11. बतरस लालच लाल की, 12. तजि तीरथ हरि राधिका, 13. किती न गोकुलकुलवधु, 14. अधर धरत हरि के परत, 15. कहत सबै बेंदी दिये, 16. नासा मोरि नचाय दृग, 17. चिरंजीवी जोरी जुरै, 18. मकराकृति गोपाल के, 19. कागज पर लिखत न बनत, 20. करले चूमि चढ़ाय सिर।

भारतेंदु हरिश्चन्द्र	:	यमुना-वर्णन।
माखन लाल चतुर्वेदी	:	जवानी
मैथिली शरण गुप्त	:	सखि, ने मुझसे कहकर जाते।
जयशंकर 'प्रसाद'	:	अरुण यह मधुमय देश हमारा।
निराला	:	विधवा, स्नेहनिर्झर।
पंत	:	मौन निमंत्रण, द्रुत झरो।
महादेवी वर्मा	:	दूर के संगीत सा वह कौन है! मैं नीर भरी दुःख की बदली, धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ वसंत रजनी।
जानकी बल्लभ शास्त्री	:	किसने बाँसुरी बजाई, मेघ गीत।
हरिवंश राय बच्चन	:	तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाये, स्वप्न में तुम हो तुम्हीं हो जागरण में।
रामधारी सिंह 'दिनकर'	:	'कुरुक्षेत्र' से युधिष्ठिर का पश्चाताप।

2\. प्रतिनिधि कहानियाँ : सम्पादक—डॉ॰ राम प्यारे तिवारी एवं डॉ॰ नीरज सिंह।

निर्धारित पाठ : कफन—प्रेमचन्द, पुरस्कार—जयशंकर 'प्रसाद', ध्रुवयात्रा—जैनेन्द्र, परदा—यशपाल, परमात्मा का कुत्ता—मोहन राकेश, वापसी—उषा प्रियवदा, तबै एकला, चलो रे- फणीश्वरनाथ रेणु।

3\. ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर 'प्रसाद'

(i) छन्द परिचय : दोहा, चौपाई, रोला, उल्लाला, मतगयंद, मालिनी, शिखरिणी, मंदाक्रान्ता, कवित्त, सवैया, छप्पय, कुण्डलियाँ।

(ii) अलंकार परिचय : उपमा, रूपक, अपह्नुति, श्लेष, यमक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, विशेषोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, विभावना, प्रतीत, तुल्योगिता, दीपक।

(iii) रस तथा उसके भेद : परिचय।

अभिस्तावित ग्रन्थ :

(i) अलंकार, मुक्तावली—प्रोफेसर देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारतीय भवन, पटना।
(ii) छन्द प्रकाश—डॉ॰ यदुनंदन शास्त्री।
(iii) काव्य शास्त्र—डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
(iv) काव्यशास्त्र आचरण—डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी।
(v) काव्य के रूप—डॉ॰ गुलाब राय।

■

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

त्रि-वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा में प्रथम-वर्ष में प्रथम एवं द्वितीय, द्वितीय वर्ष में तृतीय तथा चतुर्थ एवं तृतीय वर्ष से पंचम से लेकर अष्टम पत्र अर्थात् कुल मिलाकर हिन्दी प्रतिष्ठा स्नातक का परीक्षाफल संयुक्त रूप से मानक प्रतिशत के आधार पर हिन्दी-स्नातक प्रतिष्ठा में उत्तीर्णता का द्योतक होगा। साथ ही हिन्दी-रचना प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष तथा सहायक विषय के स्वरूप में प्रधान हिन्दी के पत्र प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए अलग से अपना मापदण्ड रखते है, तृतीय वर्ष में हिन्दी रचना के स्थान पर सामान्य अध्ययन है।

हिन्दी प्रतिष्ठा

प्रथम पत्र

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

निर्धारित पाठ्यांश :

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास—आदिकाल तथा भक्तिकाल**

(क) इतिहास ग्रंथ से दो प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य : 15 × 2 = 30 अंक

(ख) इतिहास के पठित अंश के किन्हीं दो कवियों अथवा कृतियों का परिचयात्मक अध्ययन : 10 × 2 = 20 अंक

2. **भक्तिकाव्य-संग्रह-सम्पादक डॉ॰ नन्द किशोर तिवारी**

प्रश्न-आधार

(i) आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 1 = 15 अंक

(ii) सप्रसंग व्याख्या : 10 × 2 = 20 अंक

(iii) वस्तुनिष्ठ प्रश्न अथवा टिप्पणी-लेखन (इतिहास के पठित अंश से) : 5 × 3 = 15 अंक

कुल = 50 अंक

अध्ययन हेतु निर्धारित पाठ :

विद्यापति, जायसी, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, मीरा, केशव-दास, नन्द-दास, रसखान।

द्वितीय पत्र

गद्य साहित्य

(उपन्यास, नाटक एवं कहानी)

समय : तीन घंटे]

[पूर्णांक : 100

निर्धारित पाठ्यांश :

1. अंक विभाजन

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 3 = 45 अंक

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न : 10 × 3 = 30 अंक

(ग) साहित्य-विधा-परिचय : 5 × 2 = 10 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 15 × 1 = 15 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

(क) **चित्रलेखा**—भगवतीशरण वर्मा।

(ख) **अजातशत्रु**—जयशंकर 'प्रसाद'।

(ग) **कथान्तर**—डॉ॰ राम विनोद सिंह।

निर्धारित पाठ :

उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, जयदोल, रसप्रिय, अमृतसर आ गया।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास—डॉ॰ शिव नारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।

2. **हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास**—डॉ॰ दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली।
3. **कहानी :** नई कहानी डॉ॰ नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
4. **नाटककार जयशंकर 'प्रसाद' :** जयनाथ नलिन।
5. **अजातशत्रु : एक समीक्षा**—डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी, विनोद प्रकाशन, पटना।
6. **प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन**—डॉ॰ जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
7. **हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन**—गणेशन।
8. **कहानी आन्दोलन की भूमिका**—डॉ॰ बलराज पाण्डेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।

स्नातक खण्ड - 1 संस्कृत (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समय : तीन घंटे] **[पूर्णांक : 100**

महाकाव्य और गीतिकाव्य

निर्धारित पुस्तकें :

1. मेघदूतम्—पर्वमेघ।
2. किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग मात्र)
3. रघुवंशम्—त्रयोदश सर्ग मात्र।
4. कुमार संभवम् (पञ्चम सर्ग मात्र)।

आलोचनात्मक प्रश्न 4 : 13× 4 = 52 अंक, व्याख्या 2 : 10 × 2 = 20 अंक

अनुवाद—2 प्रत्येक से एक-एक अंक : 7 × 4 = 28 अंक = 100 अंक।

स्नातक खण्ड - 1 संस्कृत (प्रतिष्ठा)

द्वितीय पत्र

समय : तीन घंटे] **[पूर्णांक : 100**

काव्य, इतिहास, व्याकरण :

1. (काव्य)—सौमित्रीसुन्दरीचरितम् (चतुर्थ एवं पंचम सर्ग) 20 अंक।

प्रणेता—पं॰ भवानोदत्त शर्मा

प्रकाशक—डॉ॰ उमेशदत्त पाण्डेय, स. वि. एच. डी. जैन कॉलेज, आरा।

आलोचनात्मक प्रश्न—1, 12 अंक, श्लोक का अनुवाद—1, 08 अंक।

2. इतिहास—रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, नाटक, गद्यकाव्य, चम्पू काव्यशास्त्र तथा स्रोत आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 2 = 30 अंक, टिप्पणी – चार अंक—5 × 4 = 20 अंक

3. **व्याकरण :** कारक प्रकरणम् (सिद्धान्त कौमुदी)—30 अंक

सहायक ग्रन्थम्, इतिहास के लिए :

(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास—नवीन संस्करण, आचार्य बलदेव उपाध्याय।

(ख) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन—डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी।

(ग) संस्कृत साहित्य की रूपरेखा—पाण्डे एवं व्यास।

स्नातक खंड-1 संस्कृत (सामान्य एवं सहायक) (सबसीडियरी)

प्रथम पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. (क) गद्य—शिवराज विजय (प्रथम निःश्वास)—20 अंक

अंक विभाजन = एक प्रश्न 12 अंक, एक अनुवाद 8 अंक

(ख) पद्य—मेघदूत, पूर्वमेघ 40 श्लोक तक 30 अंक

अंक विभाजन—एक प्रश्न 12 अंक, एक अनुवाद 8 अंक एक व्याख्या 10 अंक

(ग) नाटक—(मालविकाग्निमित्रम्)—30 अंक

अंक विभाजन—एक प्रश्न—12 अंक, एक अनुवाद—8 अंक एक व्याख्या—10 अंक

2. (क) वाक्य-रचना (कारक प्रक्रिया पर आधारित) 10 अंक

(ख) संस्कृत में पत्र लेखन एक 10 अंक।

स्नातक खंड-1 दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. भारतीय दर्शन का आधारभूत रूप
2. आस्तिक और नास्तिक की परिभाषा
3. चार्वाक—ज्ञानशास्त्र (Epistemology) नीतिशास्त्र (Ethics) सत्व विद्या (Ontology)
4. जैन—द्रव्य, जीव, बन्धन, मुक्ति, स्याद्वाद
5. बुद्ध—चार आदर्श सत्य
6. न्याय—ज्ञान का स्रोत, ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण
7. वैषेशिक—सात श्रेणियाँ
8. सांख्य—संतकर्मवाद, उत्पत्ति, पुरुष और प्रकृति, बन्धन एवं मुक्ति
9. योग—अष्टाग मार्ग
10. मीमांसा—अपूर्व
11. वेदान्त—(A) शंकर, ब्राह्मण, विश्व, माया और आत्मा।
12. रामानुज—ब्रह्म और शंकर के मायावाद का खंडन

दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

तत्व मीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा :

1. **दर्शन का स्वरूप**—दर्शन का धर्म और विज्ञान से संबंध।
2. **तत्वमीमांसा सिद्धान्त**—भौतिकवाद, प्रत्ययवाद, अनुभववाद या तटस्थवाद, एकात्मवाद, द्वैतवाद, अनेकवाद।
3. **ज्ञान मीमांसा सिद्धान्त**—बुद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद, वस्तुवाद और प्रत्ययवाद।
4. **सृष्टिवाद और विकासवाद**—डार्बिन का विकास सिद्धान्त।
5. **ईश्वर संबंधी सिद्धान्त**—अनेकेश्वरवाद, केवल निमितेश्वरवाद सर्वेश्वरवाद और ईश्वरवाद।

स्नातक खंड-I दर्शनशास्त्र (सामान्य)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्रथम-पत्र : भारतीय दर्शन

1. भारतीय दर्शन का आधारभूत रूप
2. आस्तिक और नास्तिक की परिभाषा
3. चार्वाक—ज्ञानशास्त्र (Epistemology) नीतिशास्त्र (Ethics) सत्त्व विद्या (Ontology)
4. जैन—द्रव्य, जीव, बन्धन, मुक्ति, स्यादवाद
5. वृद्ध—चार आदर्श सत्य
6. न्याय—ज्ञान का स्रोत, ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण
7. वैषेशिक—सात श्रेणियाँ
8. सांख्य—सतकर्मवाद, उत्पत्ति, पुरुष और प्रकृति, बन्धन एवं मुक्ति
9. योग—अष्टांग मार्ग (10) मीमांसा—अपूर्व
10. वेदान्त (A) शंकर, ब्राह्मण, विश्व, माया और आत्मा।
11. रामानुज—ब्रह्म और शंकर के मायावाद का खंडन।

स्नातक खंड-I दर्शनशास्त्र (सहायक)

भारतीय दर्शन

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. भारतीय दर्शन का मूलभूत विशेषताएँ।
2. आस्तिक और नास्तिक।
3. **चार्वाक**—ज्ञानशास्त्र और सत्व क्रिया।
4. **वृद्ध**—चार आदर्श साम।
5. **जैन**—स्याद्वाद, जीव, बन्धन और मुक्ति।
6. **सांख्य**—सत्कर्मवाद और विकास का सिद्धान्त।
7. **योग**—योग का अष्टांग मार्ग एवं ईश्वर का विचार।
8. **न्याय**—ज्ञान का स्रोत।
9. **वैशेषिक**—सात श्रेणियाँ।
10. **शंकर**—ब्रह्म सिद्धान्त, आत्मा एवं विश्व संबंधी विचार।
11. **रामानुज**—ब्रह्म और ब्रह्मवाद का खंडन।

स्नातक खंड-I भूगोल (प्रतिष्ठा)

समय : 3 घंटा] [पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम पाँच यूनिट से विभक्त है। प्रत्येक यूनिट में से दो प्रश्न निर्धारित है। प्रत्येक यूनिट में कम-से-कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल पाँच प्रश्नों का उत्तर छात्रों को देना है।

प्रथम-पत्र

भौतिक भूगोल

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

यूनिट 1. तारामंडल की उत्पत्ति Laplase Kant, Jeons Jeffery, Chamberlin और Moviten के सिद्धान्त पृथ्वी की आंतरिक बनावट। भूसतोल अथवा भूसतुलन पर प्रैट और एरी के विचार।

यूनिट 2. पर्वत की बनावट के संबंध में कोवर और होम्स का सिद्धान्त। वेगनर का महाद्विपीय प्रभाव सिद्धान्त। प्लेट विवर्तनिकी। वलय और भ्रशन द्वारा उत्पन्न स्थलाकृतियाँ।

यूनिट 3. सामान्य अपरदन चक्र, स्वल्प अति शुष्क व ऊसर, हिमनदीय, कार्स्ट एवं ज्वालामुखी स्थलाकृति।

यूनिट 4. ायुमंडल का संगठन एवं संरचना, वायराशियों का वर्गीकरण, थानवेट तथा कोपन का जलवायु-वर्गीकरण।

यूनिट 5. महासागरीय जल की लवणता, महाद्विपीय मग्न तट, ढाल तथा गंभीर सागरीय मैदान का निर्माण एवं विशेषताएँ। आन्ध्र तथा हिन्द महासागर के मितल उच्चावच, महासागरीय निक्षेप, प्रवाल भित्ति।

ग्रन्थ : भौतिक भूगोल—सविन्द्र सिंह।

भूगोल (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 75**

एशिया-प्रादेशिक अध्ययन

इस पत्र में पाँच यूनिट है, प्रत्येक यूनिट से दो प्रश्न निर्धारित है। छात्रों को प्रत्येक यूनिट से कम-से-कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए पाँच प्रश्नों का उत्तर देना है।

यूनिट 1. संरचना, प्राकृतिक बनावट, जलवायु और प्राकृतिक वनस्पति।

यूनिट 2. खनिज एवं शक्ति संसाधन, जनसंख्या और उसकी समस्याएँ कृषी जलवायु क्षेत्र।

यूनिट 3. चीन—धरातलीय स्वरूप, कृषि, खनिज, औद्योगिक विकास, जनसंख्या

यूनिट 4. जापान—कृषि, मत्स्य, औद्योगिक विकास और क्षेत्र, जनसंख्या

यूनिट 5. भू-आकृति, जलवायु, कृषि उद्योग एवं जनसंख्या—नेपाल, बंगलादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका एवं इराक।

एशिया का भूगोल—मेमोरीया।

भूगोल प्रायोगिक

(प्रतिष्ठा) पत्र IB & IIB

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 50**

पाठ्यक्रम में चार यूनिट है। प्रत्येक यूनिट में एक प्रश्न निर्धारित है। सभी प्रश्न के उत्तर दें।

Unit 1. Enlargement and reduction of Maps, cartograms—Bar, Tie, Dot, Bandgraph. 10 Marks

Unit 2. Interpretation of topographical Maps and watch map. 10 marks

Unit 3. Projection—cylindrical : equal area, Equidistant zenithal equal area, Equidistant conical ore, standard and two standard parallels. 15 Marks

Unit 4. Record of Practical work and Viva-voce. 15 Marks

भूगोल (सामान्य एवं सहायक)

प्रथम-पत्र

भौतिक और आर्थिक भूगोल

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 75**

इस पत्र में 5 यूनिट है। प्रत्येक से 2 प्रश्न निर्धारित है। छात्रों को प्रत्येक से एक प्रश्न का उत्तर देना है।

यूनिट 1. भूसतोल अथवा भूसंतुलन, महाद्वीपीय सिद्धान्त, कोवर एवं होम का पर्वत निर्माण, सिद्धान्त, भूगर्भ की संरचना।

यूनिट 2. शुष्क एवं ऊसर, हिमानी कृत ज्वालामुखी, कार्स्ट स्थलाकृति, सामान्य अपरदन चक्र।

यूनिट 3. महासागरीय जल की लवणता, महासागरीय निक्षेप, प्रवाल भित्ति और प्रवाल द्वीप, कोपेन के जलवायु वर्गीकरण। जलवायु परिवर्तन का साक्ष्य, वायुराशियाँ।

यूनिट 4. कृषि—व्यावसायिक फसल, जीविका एवं दुग्ध उत्पादन। खनिज—कोयला, लोहा, पेट्रोलियम, इनका बँटवारा एवं उत्पादन।

यूनिट 5. उद्योग—लोहा एवं इस्पात उद्योग, सूती वस्त्र एवं चीनी उद्योग।

व्यापारिक मार्ग—उत्तरी अटलांटिक जलमार्ग, स्वेज नहर मार्ग।

भूगोल प्रायोगिक (सामान्य एवं सहायक)

PAPER-IB

Time : 3 Hours] [Full Marks : 25

There will be three units. One Questions from each unit will be set. Students will have to answer three questions.

Unit 1. Enlargement and reduction of maps. Cartograms—Compound bar, Proportionate, Pie-dot and Bandgraph. 10 Marks

Unit 2. Interpretation of Topographical maps and weather maps. 10 Marks

Unit 3. Record of Practical works & Viva. 05 Marks

स्नातक खंड-I राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम पत्र

राजनीतिशास्त्र के सिद्धान्त

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

(क) राजनीति विज्ञान : प्रकृति और क्षेत्र

1. राजनीति क्या है ?
2. राजनीति की उदार और मार्क्सवादी विचारधारा
3. परम्परागत राजनीति शास्त्र—प्रकृति और क्षेत्र।
4. आधुनिक राजनीति विज्ञान—प्रकृति और क्षेत्र।
5. राजनीति विज्ञान की बाह्य अनुशासनीय (outerdisciplinary) उपागम—अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।
6. राजनीति विज्ञान के अध्ययन की प्रणाली।

(ख) राज्य :

7. परिभाषा और तत्त्व।
8. राज्य की प्रकृति।
9. साध्य लक्ष्य और विवाद।
10. आधुनिक राष्ट्र का उत्थान पतन।

    राज्य के कार्य—उदारवाद, समाजवाद और लोक कल्याणकारी राज्य।

(ग) संप्रभुता (Sovereignty)

11. जॉन ऑस्टीन की विचारधारा के विशेष संदर्भ में अद्वैतवाद।
12. लास्की और मेकिवर की विचारधारा के विशेष संदर्भ में बहुलवाद।

(घ) राजनैतिक विचारधारा :

13. कानून।

14. नकारात्मक और सकारात्मक के विशेष संदर्भ में स्वतन्त्रता की उदारवादी और मार्क्सवादी विचारधारा।
15. समानता की धारणा—समानता का न्यायिक, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिकआयाम अधिकार और समानता में संबंध।
16. अधिकार—उदारवादी और मार्क्सवादी विचार के विशेष संदर्भ में अधिकार और अधिकार के सम्बन्ध में लास्की का सिद्धान्त।
17. न्याय—कानूनी, राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के संदर्भ में। स्वतन्त्रता, समानता तथा न्याय के मध्य संबंध।

(ङ) प्रजातंत्र (Democracy) :

18. प्रजातंत्र—शास्त्रीय : अनेकतावादी विचारधारा के विशेष संदर्भ में प्रजातंत्र।
19. राजनीतिक दल।
20. दबाव डालने वाला समूह (Pressure Group A)
21. जनमत और प्रतिनिधित्व की प्रणाली

(च) धारणाएँ और सामान्य विचार (Approaches and Concepts) :

22. व्यवहार
23. डेविड ईस्टन का राजनीतिक व्यवस्था सिद्धान्त
24. आमण्ड का संरचनात्मक प्रकार्यवाद उपागम
25. शक्ति, सत्ता औचित्यपूर्णता और राजनीतिक संस्कृति।

(छ) राजनीतिक अनुग्रह और सिद्धान्त (Political obligation and Theories) :

26. व्यक्तिवाद, 27. आदर्शवाद, 28. मार्क्सवाद, 29. प्रजातांत्रिक समाजवाद, 30. फासीवाद, 31. गाँधीवाद।

सहायक पुस्तकें :

1. राजनीतिक सिद्धान्त—डॉ. गाँधीजी राय
2. राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त—आशीर्वादम्।

द्वितीय पत्र

तुलनात्मक सरकार और राजनीतिक

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

(यू० के०, यू० एस० ए०, फ्रांस, स्वीटजरलैंड और रूस के विशेष संदर्भ में)

1. तुलनात्मक सरकार और राजनीति की प्रकृति और सीमा।
2. तुलनात्मक प्रणाली के सिद्धान्त।
3. संविधान पद्धति।
4. राजनीति प्रणाली और राजनीतिक प्रकिया।
5. तुलनात्मक राजनीति की उपागम।
6. एकात्मक एवं संघात्मक पद्धति।
7. संसदीय एवं अध्यक्षात्मक पद्धति।
8. अधिकार के वर्गीकरण का सिद्धान्त।
9. व्यवस्थापिका।

10. कार्यपालक प्रणाली।
11. न्याय प्रणाली।
12. संविधान में संशोधन की प्रणालियाँ।
13. दबाव समूह।
14. राजनीतिक दल एवं दलीय प्रणाली।

सहायक पुस्तकें :

1. तुलनात्मक राजनीति—पुखराज जैन
2. तुलनात्मक शासन और राजनीति—डॉ॰ गाँधीजी राय

स्नातक खंड-I राजनीति विज्ञान (सामान्य)
राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

(क) राजनीति विज्ञान की प्रकृति एवं क्षेत्र :

1. राजनीति क्या है ?
2. राजनीति की उदार और मार्क्सवादी विचारधारा।
3. परम्परागत राजनीति विज्ञान—प्रकृति और क्षेत्र।
4. आधुनिक राजनीति विज्ञान—प्रकृति और क्षेत्र।
5. राजनीतिक विज्ञान के अध्ययन में अनुशासनात्मक पहुँच और उसका अन्य सामाजिक विज्ञानों में सम्बन्ध।
6. राजनीतिक विज्ञान की अध्ययन प्रणाली।

(ख) राज्य (State) :

7. राज्य की परिभाषा एवं तत्व।
8. राज्य की प्रकृति।
9. साधन—उद्देश्य, विवादास्पदता।
10. राज्य के कार्य—उदारवादिता, सामाजिकता और समाज कल्याणकारी राज्य।

(ग) संप्रभुता (Sovereignty) और बहुलवाद (Pluralism)

11. आस्टिन विचारधारा के विशेष संदर्भ में संप्रभुता।
12. लास्की और मैकआईवर के विशेष संदर्भ में अनेकता बहुलवाद (Pluralism)

(घ) राजनैतिक विचारधारा (Political ideas)

13. कानून।
14. **स्वाधीनता (Liberty)**—नकारात्मक और सकारात्मक स्वाधीनता के संदर्भ में। स्वाधीनता की मार्क्सवादी धारणा।
15. **समानता**—समानता का कानूनी, राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिमाण (Dimension), स्वाधीनता और समानता में सम्बन्ध।
16. **अधिकार**—उदार मार्क्सवादी अधिकार के लास्की के सिद्धान्त के विशेष सन्दर्भ में।
17. **न्याय**—कानूनी, राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के संदर्भ में।

(ङ) प्रजातंत्र (Democracy)

18. शासीय अनेकता के विशेष सन्दर्भ में प्रजातंत्र, प्रजातंत्र के सम्बन्ध में लोक समूह (Elitist) और मार्क्सवादी विचारधारा।

19. राजनैतिक दल।

20. दवाव डालनेवाले समूह।

21. चुनाव और प्रतिनिधित्व की प्रणाली।

(च) उपागम और अवधारणा (Approaches and Concepts) :

22. व्यवहार। 23. शक्ति, अधिकार एव यथार्थता।

24. मार्क्सवादी। 25. गाँधीवादी।

26. समाजवाद।

स्नातक खंड-I राजनीति विज्ञान (सहायक)

राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

(क) राजनीति विज्ञान की प्रकृति और क्षेत्र :

1. राजनीति क्या है ?

2. परम्परावादी राजनीति शास्त्र—प्रकृति एवं क्षेत्र।

3. आधुनिक राजनीति विज्ञान, प्रकृति और क्षेत्र।

4. राजनीति विज्ञान को अन्तर्अनुशासनीय पद्धति एवं अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध।

5. राजनीति विज्ञान के अध्ययन की मुख्य पद्धति।

(ख) राज्य :

6. परिभाषा एवं तत्व।

7. राज्य की प्रकृति।

8. साध्य-साधन विवाद।

9. राज्य के कार्य—उदारवाद, समाजवाद और लोककल्याणकारी राज्य।

(ग) संप्रभुता और बहुलवाद :

10. जान ऑस्टीन की विचारधारा के विशेष संदर्भ में ब्रह्मवाद।

11. जे. लॉस्की एवं आर. एम. मेकआईवर के विचारधारा के विशेष सन्दर्भ में अनेकतावाद।

(घ) राजनीतिक विचारधारा :

12. कानून।

13. नकारात्मक और सकारात्मक के विशेष संदर्भ में स्वतंत्रता को उदारवादी और मार्क्सवादी विचारधारा।

14. समानता—न्यायिक, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक परिणाम, अधिकार और समानता के सम्बन्ध।

15. अधिकार—उदारवादी और मार्क्सवादी विचार के विशेष संदर्भ में लॉस्की का सिद्धान्त।

16. न्याय—कानूनी, राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के संदर्भ में।

(ङ) प्रजातंत्र :

17. शास्त्रीय, अनेकतावादी, लोक समूहवादी और मार्क्सवादी विचारधारा के विशेष संदर्भ में।

18. राजनीतिक दल।

19. दवाब डालने वाला समूह।

20. गाँधीवाद।

B.A.-I इतिहास (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

भारत का इतिहास (पूर्व से 550 AD तक)

1. भारत में सभ्यता की शुरूआत—पूरा पाषाण युग, मध्य पाषाणकाल, नवपाषाण युग और ताम्र पाषाण युग।
2. प्राचीन भारत के इतिहास का साहित्यिक और पुरातात्त्विक श्रोत।
3. हड़प्पा सभ्यता का उदय, स्वरूप, विशेषताएँ शहरों के प्रारूप, सभ्यता के पतन के कारण।
4. वैदिक सभ्यता—ऋग्वैदिक शासन, राज्य, अर्थव्यवस्था और धर्म, बाद के वैदिक सभ्यता में बदलाव।
5. छठी शताब्दी ई॰ पू॰ भारत का राजनैतिक स्थिति, मगध की प्रभुता के क्रमिक विकास और मेसोडोनिया का आक्रमण।
6. भारत में छठी शताब्दी बी॰सी॰ में धार्मिक सुधार आंदोलन, जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का उदय भारतीय इतिहास और संस्कृति में जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का योगदान।
7. मौर्यवंश—उत्पत्ति, चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक की उपलब्धियाँ, विदेशी और धार्मिक नीति, बाद के प्रशासनिक सुधार, मौर्य वंश का पतन।
8. पुष्यमित्र शुंग की उपलब्धियों या उसके सांस्कृतिक विकास (देन)।
9. शकों की भूमिका और योगदान।
10. कुषाण वंश, कनिष्क-प्रथम की उपलब्धियाँ तथा पतन।
11. गुप्त वंश—इतिहास, चन्द्रगुप्त प्रथम, समुन्द्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, स्कंदगुप्त, गुप्त वंश का पतन, गुप्त काल में प्रशासनिक और सांस्कृतिक सुधार।

स्नातक-खंड-1

इतिहास (प्रतिष्ठा) द्वितीय-पत्र

मध्यकालीन यूरोप का इतिहास

1. रोमन साम्राज्य का पतन—कारण और परिणाम।
2. शार्लमेन की उपलब्धियाँ।
3. सामन्तवाद—उत्पत्ति के कारण, स्वरूप, विशेषताएँ और पतन के कारण।
4. भौगोलिक खोज—प्रकृति और महत्त्व।
5. धर्मयुद्ध का स्वरूप और प्रभाव।
6. पुनर्जागरण—कारण, स्वरूप और महत्त्व।
7. यूरोप में राष्ट्रीय राज्यों का उदय।
8. मध्य यूरोप में शहर और व्यवसाय का विकास।
9. धर्म सुधार के कारण, प्रभाव और स्वरूप।
10. संसद का गठन, इंग्लैंड में राजा का संसद ट्यूडर काल तक।
11. मध्यकालीन यूरोप में विज्ञान और तकनीकी का विकास।
12. मध्यकालीन यूरोप के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की विशेषताएँ।

स्नातक खण्ड-1

इतिहास (सहायक और सामान्य)

(प्राचीन काल में 1206 AD तक)

1. प्राचीन भारतीय इतिहास का श्रोत।
2. सिंधु घाटी सभ्यता—नगरों का प्रारूप, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक कारण और पतन।
3. पूर्व वैदिक काल में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति।
4. बाद के वैदिक युग में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति में बदलाव।
5. मगध की उत्पत्ति और 16 महाजनपद।
6. सिकन्दर का भारत पर आक्रमण के कारण, परिणाम और स्वरूप।
7. जैन धर्म और बौद्ध धर्म का उदय, महावीर और बुद्ध में जीवन तथा सिद्धांत।
8. मौर्य वंश—चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक के जीवन और उपलब्धियाँ, कलिंग युद्ध, अशोक का धर्म, मौर्य वंश के पतन के कारण।
9. कुषाण और सातवाहन वंश, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
10. गुप्त वंश—समुन्द्रगुप्त, चन्द्रगुप्त प्रथम, स्वर्णकालीन युग में रूप में गुप्त वंश।
11. हर्षवर्धन की उपलब्धियाँ।
12. सिंध पर अरब का आक्रमण।
13. पल्वों का सांस्कृतिक योगदान।
14. मुहम्मद गजनवी और गौरी के आक्रमण, कारण, परिणाम तथा स्वरूप, तुर्कों के भाव में सफलता के कारण।
15. भक्ति आंदोलन का स्वरूप और महत्व।

स्नातक खंड-I गृह विज्ञान (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

ग्रुप 'ए' : आहार एवं पोषण

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. **पोषण**—रचना, वर्गीकरण, पोषण की कमी से दिखाई देने वाले चिह्ण, खुराक, कार्बोहाइड्रेट्स के दैनिक उपभोग, वसा।
2. **आहार**—वर्गीकरण, अनाज, दाल, सब्जियाँ, फल, दूध और दूध से बने पदार्थ, वसाएँ और तेल, माँस, मछली, अंडा का पोषणमान।
3. **कैलोरी**—परिभाषा, कैलोरी को प्रभावित करने वाले कारक।
4. **संतुलित भोजन**—गर्भावस्था, स्तनपान, बाल्यावस्था, किशोरों एवं वृद्धावस्था के लिए आहार योजना।
5. **भोजन पकाने की विधियाँ**—पोषक शक्ति पर इनके प्रभाव।

ग्रुप 'बी'

1. **मांसपेशियाँ**—बनावट और कार्य।
2. **पाचन प्रक्रिया**—दाँत, पेट, छोटी और बड़ी आँत, एन्जाइम (enzime), अवशोषण।
3. **गुर्दा**—बनावट और कार्य।
4. **संचालन प्रक्रिया**—ऊष्मा, रक्त निर्माण, रक्त की कोषिकाएँ, रक्त संचालन।

गृह विज्ञान (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

ग्रुप 'ए' : मातृकला एवं बाल विकास

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. **गर्भावस्था**—संतति जन्म से पूर्व एवं जन्म के पश्चात माँ की देखभाल।
2. परिवार नियोजन।
3. **आहार**—स्तनपान, कृत्रिम पोषण एवं पूरक पोषण, स्तनपान छुड़ाना तथा स्तर प्याजन के पश्चात शिशु का आहार।

ग्रुप 'बी'

1. **शिशु**—0 से 1 वर्ष की आयु के शिशु का शारीरिक, भावात्मक, सामाजिक और भाषिक विकास।
2. **शिशु रोग**—डायरिया, निर्जलीकरण (O.R.S.), पोलियो, छोटी माता, गलसुआ, कुकुर खाँसी, यक्ष्मा, रोहिणी (गले का रोग), रोग मुक्ति।
3. बालक के विकास से पूर्व के वर्ष 2 से 5 और 6 से 11 वर्ष तक के शिशु का शारीरिक, सामाजिक संवेगात्मक, बौद्धिक एवं व्यक्तिगत विकास।
4. विद्यालय काल में सामान्य व्यवहार, समस्या एवं सामंजस्य।

तृतीय-पत्र

प्रायोगिक

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. गर्भवती महिलाओं की आहार योजना एवं 5 वर्षीय बच्चों के लिए दुग्धीय प्रक्रिया, किशोर, कार्यालय कर्मचारी और मजदूर।
2. **पाक कला**—पुलाव, भरी पुड़ी, पकौड़ा, सैंडविच, फ्रूट सलाद, वेजीटेबल कटलट, कोफ्ता, सादा केक, वेरियल बर्फी, आमलेट, अंडे का तरल पदार्थ, चाय और कॉफी।
3. **मातृकला**—0 से 1 वर्ष की आयु के शिशु के वजन एवं लम्बाई का चार्ट, शिशु स्नान, बाल वस्त्र एवं बाल साहित्य का अध्ययन एवं निरोग तालिका।

स्नातक खंड-I गृह विज्ञान (सामान्य)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

ग्रुप 'ए'

(क) आहार और पौष्टिकता

1. **पौष्टिकता**—संगठन, वर्गीकरण, कार्य, कार्बोहाइड्रेट्स की कमी से दिखाई देने वाले चिह्न, स्रोत चर्बी, प्रोटीन, विटामिन, खनिज और जल।
2. भोजन बनाने की विधि—प्रकार, इनके लाभ तथा हानियाँ।
3. अन्न का भंडारण।
4. आहार की बरबादी—भोजन विषाक्तता।

ग्रुप 'बी'

1. गृह व्यवस्था की धारणा का महत्व।
2. परिवार की विभिन्न गतिविधियों के लिए कमरे की योजना।
3. शक्ति व्यवस्थापन—कार्य का सरलीकरण।
4. परिश्रम बचत, उपकरण एवं उनके उपयोग।

गृह विज्ञान प्रायोगिक (PRACTICAL)

1. गृह व्यवस्था—रंग, धातुओं की साप्ताहिक सफाई।
2. पाक कला—दही बड़ा, पोलाव, भरी पराठा, कस्टर्ड, आमलेट करी, मालपुआ, हलवा।

स्नातक खंड-I गृह विज्ञान (सहायक)

ग्रुप 'ए' : आहार एवं पोषण

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. **पोषण**—रचना, वर्गीकरण, कार्बोहाइड्रेट्स के कार्य एवं स्रोत, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज एवं पानी।
2. **आहार**—अनाज का वर्गीकरण एवं दाल, शाग-सब्जियाँ, फल, दूध और दुग्ध पदार्थ, माँस, मछली और अंडे।
3. **संतुलित भोजन**—महत्त्व, किशोरों, गर्भवती स्त्री एवं स्तनपानीय माता के लिए आहार योजना।
4. **भोजन पकाने की विधियाँ**—प्रकार, लाभ एवं हानियाँ।

ग्रुप 'बी' : गृह प्रबन्ध

1. **कमरे की योजना**—घरेलू साज-सज्जा एवं रंग का महत्व।
2. **घर की सफाई**—घरेलू उपकरणों की दैनिक, साप्ताहिक और मौसमी सफाई।
3. **घरेलू अर्थशास्त्र**—बजट, लेखा रचना, बचत तथा व्यय।

गृह विज्ञान प्रायोगिक (PRACTICAL)

1. **पाक कला**—वेजीटेबल कटलेट, केक, सैंडविच, पोलाव, भरी पुरी, वेजीटेबल-करी, कस्टर्ड।
2. **गृह-प्रबन्ध**—रंगचक्र, धातु और चमड़े की सफाई।

स्नातक खंड-I प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(सिन्धु घाटी की सभ्यता से 1200 A.D. तक)

निर्धारित अध्याय :

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धु घाटी की सभ्यता (नगर योजना, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थिति), वैदिक युग (सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थिति)।

छठी शताब्दी में उत्तरी भारत की राजनैतिक परिस्थिति।

मगध साम्राज्य से नन्द तक का उत्थान।

परसीयन और मेसीडोनियन आक्रमण।

मौर्य साम्राज्य :

चन्द्रगुप्त मौर्य का जीवनवृत्त एवं उपलब्धि।

अशोक का कलिंग युद्ध, धम्म और इसका प्रचार।

मौर्य साम्राज्य का पतन—शुंगवंश, सातवाहन, कनिष्क की उपलब्धि।

गुप्त साम्राज्य :

समुद्रगुप्त एवं चन्द्रगुप्त द्वितीय, गुप्त साम्राज्य का पतन।

हर्षवर्धन की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

पुलिकन द्वितीय की उपलब्धि।

राष्ट्रकूट की उपलब्धि, गोविन्द तृतीय और राष्ट्रकूट का उत्तरी आक्रमण।

राजाराज प्रथम और राजेन्द्र चोल की उपलब्धि।

प्राचीन भारतीय इतिहास

द्वितीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास (आदिकाल से 647 ई० तक)

ग्रुप 'ए'

सामाजिक इतिहास :

सामाजिक इतिहास के स्रोत, वर्ण एवं जाति व्यवस्था, आश्रम प्रणाली, संस्कार, महिलाओं का क्षति, पुत्रों के प्रकार, गुरुकुल व्यवस्था, शिक्षक और छात्र संबंध, शिक्षा, उद्देश्य और आदर्श दास प्रथा, पृश्यता।

शिक्षण संस्थाएँ—नालन्दा, विक्रमशिला एवं तक्षशीला।

ग्रुप 'बी'

आर्थिक इतिहास

आर्थिक इतिहास के स्रोत, कर, कृषि, संघ, व्यापार और उद्योग, वाणिज्य, जमीन का स्वामित्व।

प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति

स्नातक खंड-I इतिहास (सामान्य एवं सहायक)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

(प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास : सिन्धु घाटी की सभ्यता से 647 ई० तक)

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धु घाटी सभ्यता (लार योजना, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक परिस्थिति), वैदिक युग (सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक परिस्थिति), छह शताब्दी ईसा पूर्व उत्तरी भारत का राजनीतिक स्थिति, मगध साम्राज्य के नन्द तक का उत्थान, परसिया और मर्सिडोनिया का आक्रमण।

मौर्य साम्राज्य—चन्द्रगुप्त मौर्य का जीवन काल और उपलब्धि, अशोक का कलिंग युद्ध, साम्राज्य का विस्तार, धर्म और इसका प्रचार, मौर्य साम्राज्य का पतन, शुंग वंश, सप्तवाहन, कनिष्क का राज्यकाल और उपलब्धि।

गुप्त वंश—समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त, स्कन्धगुप्त, गुप्तवंश का पतन।

हर्षवर्द्धन की उपलब्धि, हर्षवर्द्धन के साम्राज्य का विस्तार, भारत पर हूणों का आक्रमण।

स्नातक खंड-I मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

सामान्य मनोविज्ञान

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्रत्येक अध्याय से एक प्रश्न पूछे जायेंगे। पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

1. **प्रणाली**—निरीक्षण, लाभ और सीमाएँ।
   प्रयोग—चर (Variables)—लाभ और सीमाएँ।
2. **तंत्रिका तंत्र तथा स्नायुमंडल**—विभाग, केन्द्रीय स्वचालित, मानव मस्तिष्क की बनावट और कार्य, कार्य के अध्ययन की प्रणाली, वल्कुटीय (cortical) कार्य के सिद्धान्त, केन्द्रित (localisation) और सामूहिक कार्य।

3. **बोध (Perception)**—आवरण और निर्धारण, गेस्टाल्ट (Gestalt) के सिद्धान्त और व्यावहारिक व्यक्तिगत तथा सामाजिक तत्वों के कार्य तथा बोध का दायरा।
4. **सीखना**—सीखने में सीखने की भूमिका, सीखने के प्रभाव (curve) का सिद्धान्त, सम्पर्क सूत्र, समझदारी (insigus) और स्थितिपरक, शास्त्रीय और यात्रक।
5. **स्मरण और विस्मरण**—प्रकृति (Elebanghans and Bartlett) इलीबीगस और बर्टलेट के विचार धारणा शक्ति के तत्व, बीती हुई घटना पर कार्य करना और रुकावट, विस्मरण के सिद्धान्त और प्रकृति।
6. **चिन्तन और उससे संबंधित धारणा**—समस्या समाधान, चिन्तन में संकल्प (set) के भाग भाषा और विचार, केन्द्रीय और परिधीय (घेरा हुआ) सर्जनात्मक चिन्तन के सिद्धान्त।
7. **संवेग (Emotion)**—प्रकृति, संवेग की अभिव्यक्ति (Convert and overt) परिवर्तन और प्रकार A.N.S. की भूमिका, वृहद मस्तिष्कीय वल्क (cerebral cortex) हाइपोथैलेमस (Hypothalamus) सिद्धान्त, जेम्स लॉजे, केनन वार्ड का क्रियाशीलन सिद्धान्त।
8. **नियत कर्तव्य (Motivation)**—नियत कर्तव्य और उससे संबंधित धारणा, जरूरत, लक्ष्य और उत्प्रेरण, जैविक तथा सामाजिक नियत कर्तव्य, प्रेरणाओं की माप।
9. **बुद्धि**—प्रकृति, सिद्धान्त, बुद्धि का माप, बुद्धि परीक्षण का लाभ सृजनात्मकता (creativity)।
10. **व्यक्तित्व**—प्रकृति, प्रकार और उनकी पहुँच, निर्धारण—व्यक्तितव का जैविक और सामाजिक माप।

मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

असामान्य मनोविज्ञान

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्रत्येक पाठ से एक-एक प्रश्न चुने जायेंगे। पाँच प्रश्नों के उत्तर देने है।

1. विषमता (Abnormality) के बारे में विभिन्न विचार, मनोरोग निदान की संक्षिप्त कहानी।
2. मन के आकारात्मक (Topographical) एवं गत्यात्मक (Dunmaic) पहलू (Aspects)।
3. दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ—दिमागी, उलझन और विभिन्न तकनीक, मनोलैंगिक (psychosexual) विकास।
4. **स्वप्न**—स्वप्न के कार्य, फ्रायड (Freud), जग (Jung) और एडलर के सिद्धान्त।
5. **पागलपन** (Neuroses)—पागलपन और मनोविकार (Psychosis) में भेद, चिन्ता (Anxiety) मन स्ताप, मनोग्रस्तता, बाध्यता मनः स्ताप, हिस्टीरिया, मनोस्नायु शैथिल्य (Neurotic depression), नैदानिक (Clinical Picture) एवं कारण।
6. मनोविक्षिप्तता (Psychoses) मानसिक उन्माद (Paranoial), झकीपन (mariac), खिन्नता (Depression) और दिमाग का सृजन (Schizophenia), प्रकार, नैदानिक स्वरूप और कारण।
7. मानसिक विकृतियाँ (Psychopathic disorders), प्रकार, नैदानिक स्वरूप एवं डायनेमिक्स (Dynamics)
8. मनोदैहिक विकास (Psychogomatic disorders), प्रकार, नैदानिक स्वरूप और डायनेमिक्स (Dynamics)।
9. मनोचिकित्सी (Psychotherapy), मनोविश्लेषण, उद्देश्य और उपयोग, समूह और व्यावहारिक चिकित्सा।
10. मानसिक रुकावट (Retardation), परिभाषा (Terminology), शैयाग्रस्त रोगी का वर्गीकरण का कारण और पुनर्स्थापन।

स्नातक खंड-I मनोविज्ञान (सामान्य)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सामान्य मनोविज्ञान—प्रत्येक पाठ से एक प्रश्न निर्धारित किये जायेंगे। पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने है।

1. **प्रणाली**—निरीक्षण—लाभ एवं सीमाएँ।
   परीक्षण—परिवर्त्य या चर (variables), लाभ एवं सीमाएँ।
2. **नाड़ी मंडल**—प्रकार, केन्द्रीय और स्वतः चालित नाड़ी मंडल, मस्तिष्क की बनावट और कार्य प्रणाली तथा मस्तिष्क की कार्य प्रणाली को अध्ययन करने का तरीका।
3. **प्रत्यक्षीकरण**—विशेषताएँ, वैयक्तिक एवं सामाजिक कारणों को कार्यकलाप, ज्ञान संबंधी संगठन चिंतन का दायरा।
4. **सीखना**—सीखने पर प्रकृति का प्रभाव, सीखने का चुनाव सिद्धान्त, सम्पर्क, समझदारी और स्थितिपरक शास्त्रीय और यान्त्रिक सिद्धान्त।
5. **स्मरण और विस्मरण**—प्रकृति एवं प्रक्रिया, विस्मरण की प्रकृति एवं भूलने के कारण।
6. **चिन्तन**—चिन्तन और संबंधित तत्व, समस्या समाधान, भाषा और चिन्तन, प्रत्यय (concept) का निर्माण।
7. **संवेग**—प्रकृति, संवेग में शारीरिक परिवर्तन, स्वतंत्र रूप से नाड़ी मंडल के संचालन का कर्तव्य एवं हाईपोथेलेमस, जेम्स लैंग और कैनन बार्ड का सिद्धान्त।
8. **प्रेरणा**—प्रेरणा एवं संबंधित तत्व आवश्यकता (Need), प्रणोदन (Drive) और प्रोत्साहित, जैविक और सामाजिक प्रेरणा।
9. **बुद्धि**—प्रकृति, बुद्धि का माप, बुद्धि परीक्षण का उपयोग या व्यवहार।
10. **व्यक्तित्व**—प्रकृति, किस्म, शीलगुण, निर्धारक, जैविक तथा सामाजिक माप, साक्षात्कार तथा स्वयं को उपस्थिति करने की तकनीक।

स्नातक खंड-I मनोविज्ञान (सहायक)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सामान्य मनोविज्ञान—सभी पाठ से एक-एक प्रश्न चुनकर दस प्रश्न चुने जायेंगे—जिसमें से पाँच प्रश्नों का उत्तर देना है।

1. **विषय वस्तु एवं प्रणाली**—परिचय, निरीक्षण एवं परीक्षण—गुण एवं दोष।
2. **नाड़ी मंडल**—प्रकार, संधिस्थल, संपूर्ण या बिल्कुल नहीं का नियम, मस्तिष्क (Brain) की बनावट एवं कार्य।
3. **प्रत्यक्षीकरण**—प्रकृति, विशेषताएँ और प्रक्रिया, जेस्टाल्टवादी विचार।
4. **सीखना**—प्रकृति, घुमाव सिद्धान्त, प्रयोग (Trial) और भूल (Error) का सिद्धान्त, सूक्ष्म और शास्त्रीय संबंधी सिद्धान्त।
5. **स्मरण एवं विस्मरण**—प्रकृति एवं प्रकिया, विस्मरण की प्रकृति एवं भूलने के कारण।
6. **चिन्तन**—प्रकृति एवं प्रक्रिया, चिन्तन एवं कल्पना, रचनात्मक चिन्तन।
7. **संवेग**—प्रकृति शारीरिक परिवर्तन, जेम्स-लॉजे एवं कैनन बार्ड का सिद्धान्त।
8. **प्रेरणा**—प्रकृति, प्रकार, Sociogenic & Biogenic motives.
9. **बुद्धि**—प्रकृति एवं बुद्धि, परीक्षण या माप।
10. **व्यक्तित्व**—प्रकृति, प्रकार, शीलगुण, निर्धारक—जैविक और सामाजिक।

स्नातक खंड-I अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

[पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटे]

माइक्रो (व्यष्टि) अर्थशास्त्र

1. अर्थशास्त्र की प्रकृति और सीमा, आर्थिक नियम, व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र, स्टैटिक और डाइनैनिक अर्थशास्त्र।
2. **उपभोक्ता का माइक्रो सिद्धान्त**—उपयोगितावादी विश्लेषण, उदासीन वक्र विश्लेषण, माँग का उपभोक्ताओं की बचत।
3. लागत (Cost) और राजस्व (Revenue) की धारणा, लागत घुमाव और आय घुमाव का विश्लेषण।
4. **उत्पादन प्रक्रिया**—बचत (Return) का नियम, तुल्यता की मात्रा (ISO-quantity)
5. **मूल्य (Price) का सिद्धान्त**—पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण, एकाधिकार (monopoly) और अपूर्ण प्रतियोगिता।
6. **वितरण (Distribution)**—वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त, लगान—रिकार्डो और आधुनिक सिद्धान्त, मजदूरी (Wages)—मजदूरी की मांग और आपूर्ति सिदान्त, सामूहिक मोलभाव के अन्तर्गत मजदूरी का निर्धारण, ब्याज (Interest)—ब्याज का शास्त्रीय और अपेक्षाकृत तरलता का सिद्धान्त, लाभ (profit)—नाइट (Knight's) और शूपीटर (Schumpeture) का लाभ-सिद्धान्त।

अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

मेक्रो (समष्टि) अर्थशास्त्र

[पूर्णांक : 100

समय : घंटे]

1. **मुद्रा (Money)**—आर्थिक व्यवस्था में मुद्रा की भूमिका, मुद्रा का मूल्य, आदान-प्रदान और मुद्रा परिमाण सिद्धान्त का नकद-शेष स्वरूप (Cash balance), आय-व्यय सिद्धान्त, स्फीतिजनक अंतर, लागत वृद्धि स्फीति और माँग प्रेरित स्फीति मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के साथ मौद्रिक नीति के उद्देश्य।
2. **राष्ट्रीय भाव**—आय निर्धारण के सिद्धान्त, प्रभावकारी माँग का केन्सियन (Keynesian) सिद्धान्त उपभोग किया, विनियोग (Investment) प्रक्रिया।
3. **बैंकिंग (Banking)**—व्यावसायिक बैंकों के सिद्धान्त, साख निर्माण, केन्द्रीय बैंक का कार्य, साख नियंत्रण के तरीके।
4. **अन्तराष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली**—स्वर्णमौन (Gold Standard), IMF (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष), IBRD, IFD (अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम), IDA (अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ) और W.T.O.
5. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार**—आर्थिक विकास में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के परम्परावादी एवं आधुनिक सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ, भुगतान संतुलन एक प्रतिकूल भुगतान संतुलन को सही करने के तरीके।

स्नातक खंड-I अर्थशास्त्र (सामान्य)

MICRO ECONOICS

समय : 3 घंटे]

[पूर्णांक : 100

1. अर्थशास्त्र की प्रकृति और सीमा, आर्थिक नियम, व्यष्टि (Micro) और समष्टि (Macro) अर्थशास्त्र।

2. उपयोगितावादी विश्लेषण और उपभोक्ता के व्यवहार का तटस्थ घुमाव का विश्लेषण (Indifference Curve Analysis), माँग का नियम, माँग का लोच, उपभोक्ता की बचत।
3. प्रतिफल के नियम (Laws of Returns), जनसंख्या के सिद्धान्त।
4. लागत एवं राजस्व की धारणा, लागत घुमाव और आय घुमाव का विश्लेषण।
5. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण।
6. वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त।
   लगान—रिकार्डियन और आधुनिक सिद्धान्त।
   मजदूरी—मजदूरी की माँग और पूर्ति सिद्धान्त, सामूहिक सौदेबाजी के अन्तर्गत मजदूरी का निर्धारण।
   ब्याज—ब्याज को शास्त्रीय और ब्याज दर की तरलता का अधिमात्र सिद्धान्त।
   लाभ—नाइट और शपोटर का लाभ सिद्धान्त।

स्नातक खंड-I अर्थशास्त्र (सहायक)

माइक्रो अर्थशास्त्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र।
2. उपयोगिता विश्लेषण, माँग का नियम, माँग की लोच।
3. प्रतिफल के नियम, जनसंख्या के सिद्धांत, लागत विश्लेषण।
4. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार के अन्तर्गत लागत।
5. **राष्ट्रीय आय**—वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त।
   लगान—रिकार्डियन सिद्धान्त।
   मजदूरी—मजदूरी की माँग और पूर्ति संबंधी सिद्धान्त।
   ब्याज—शास्त्रीय और ब्याज दर की तरलता का अधिमान सिद्धान्त।
6. आर्थिक व्यवस्था में मुद्रा की भूमिका।
7. आदान-प्रदान एवं मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त का नगद शेष स्वरूप।
8. मुद्रा स्फीति—कोर्स और उपचार।
9. व्यावसायिक और केन्द्रीय बैंकों के कार्य।
10. IMF, IBRD के उद्देश्य एवं कार्य।
11. कर निर्धारण के सिद्धान्त।
12. **लोकखर्च (Public expenditure)**—इसके प्रभाव एवं विकास के कारण।
13. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त।
14. मुक्त व्यापार एवं संरक्षण।

स्नातक खंड-I समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समाजशास्त्र के सिद्धान्त

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. समाजशास्त्र की प्रकृति और सीमा, अन्य सामाजिक विज्ञान में इसके सम्बन्ध—राजनीति अर्थशास्त्र, मानवशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र का उत्थान तथा विकास।
2. सामाजिक समूह (क) परिभाषा, वर्गीकरण (ख) सन्दर्भ (reference) समूह-विचार, परिस्थिति मानवीय-आचरण का प्रभाव।
3. **समाजिक रचना**—विचार और तत्व।
4. **सामाजिक प्रणाली**—कार्य, अकार्य, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव।
5. **संस्कृति**—विचार और तत्त्व, सांस्कृतिक धरोहर।
6. **सामाजिक नियंत्रण**—विचार, मेकानिज्म और ऐजेन्सियाँ।

आधुनिक परिवार के कार्य और समस्याएँ।

7. **परिवार**—परिभाषा, प्रकार, आधुनिक परिवार के कार्य और समस्याएँ।
8. **सामाजिक परिवर्तन**—विचारधारा, तत्व, सीमा रेखा को निर्धारण (demarcation) तक को और सांस्कृतिक तत्व और सामाजिक परिवर्तन की मार्क्सवादी विचारधारा।
9. **सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त**—विकासवादी (evolutionary), चक्रीय (cyclic) और द्वन्द्वा (conflict) सिद्धान्त।
10. सामाजिक तहों का अलगाव (stratification), विचारधारा, आधार और प्रकार,जाति और।
11. **सामाजिक अस्थिरता (mobility)**—परिभाषा, प्रकार और क्रमबद्ध (serial), अस्थिरता भारतीय सोसाइटी के संदर्भ में।

सहायक पुस्तकें :

1. समाजशास्त्र—जी. के. अग्रवाल।
2. समाजशास्त्र—गुप्ता और शर्मा।

समाज शास्त्र प्रतिष्ठा

भारतीय समाज और संस्कृति

द्वितीय-पत्र

भारतीय समाज एवं संस्कृति अवधारणा एवं आचरण

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. हिन्दी समाज की रूपरेखा, समस्याएँ, विवाह, वर्णाश्रम, संयुक्त परिवार, पुरुषार्थ, कर्म और सरकार।
2. भारतीय जाति प्रणाली—विचारधारा, व्युत्पत्ति, अनोखापन (characteristic) जाति में परिवर्तन, औद्योगिकरण की दृष्टि से जाति और वर्ण, भारतीय प्रणाली में शहरीकरण, सांस्कृतिक और पाश्चात्यता।
3. मुस्लिम परिवार, विवाह, महिलाओं का दर्जा, तलाक।
4. भारतीय समाज पर इस्लाम और पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव।
5. ग्रामवासी—प्रकृति, अनोखापन, ग्राम पंचायत—इसके अतीत और वर्तमान और भविष्य की रूपरेखा, पंचायती राज, उद्देश्य, संगठन और कार्य।
6. अतीत, वर्तमान में भारतीय समाज में महिलाओं का दर्जा।

स्नातक खंड-I समाजशास्त्र (सहायक एवं सामान्य)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

समाजशास्त्र के सिद्धांत

1. **परिभाषा और सीमा**—अन्य सामाजिक विज्ञान से सम्बन्ध।
2. **सामाजिक रूप**—अर्थ, आचरण और तत्त्व।
3. **सामाजिक समूह**—अवधारणा, आचरण और वर्गीकरण।
4. **सामाजिक संगठन**—अवधारणा, आचरण, तत्व-सामाजिक संगठन और बिखराव।
5. **संस्कृति**—अवधारणा, तत्व, संस्कृति और सभ्यता।
6. **सामाजिक परिवर्तन**—अवधारणा, आचरण और जैविक तकनीकी तत्व।
7. **परिवार**—प्रकृति, आचरण और कार्य के प्रकार।
8. **सामाजिक प्रणाली**—अवधारणा, आचरण और वर्गीकरण।
9. **सामाजिक नियंत्रण**—प्रकृति, सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता।
10. जाति और वर्ग।

समाजशास्त्र के सिद्धान्त—जी. के. अग्रवाल, समाजशास्त्र—गुप्ता एवं शर्मा।

B.A. PART-I ENGLISH HONOURS

PAPER-I

B. A. Hons. English course shall be three year course with compulsory privisons requirements for three exams to be conducted each year namely Degree I Exam, Degree II Exam, Degree III (Final) Exams as specified here under :

B. A. Hons. Part I-Exams.

Students admitted to this course shall be required to take exams in first two papers namely English Hons. Paper I & English Hons. Paper II. Exams in both papers shall be of 100 marks and of three hours duration.

PAPER - I

Course content :

1. History of English Literature from Elizabethan to Victorian Age.
2. History of English Language

Scheme of Exam :

1. History of Literature Two essay type questions out of six choices	—	2 × 25 = 50 marks
2. History of Language Two short notes out of four choices	—	2 × 15 = 30 marks
3. Ten objective type questions multiple choice type on History of Lit./History of Lnaguage	—	10 × 2 = 20 marks
		Total = 100 marks.

Books Recommended :

1. Ifor Evans — History of English Literature
2. Emile Legouis — History of English Literature
3. Compton Rickett — History of English Literature
4. Otto Jesperson — Growth and Structure of English Language
5. A. C. Bough — A History of English Language

PAPER - II

Course content :

1. Chaucer — Prologue to Canterbury Tales
2. Donne — Death be not Proud, Go and Catch a Falling Star, The Sun Rising
3. Milton — Lycidas
4. Pope — Rape of the Lock
5. Keats — The Eve of St. Agnes
6. Arnold — The Scholar Gipsy / Thyrsis

Scheme of Exams :

1. The message for explanation and four choices	— 2 × 10 = 20 marks
2. Three critical questions out of six choices	— 3 × 20 = 60 marks
3. Rhetoric (Terms) Objective Type	— 2 × 5 = 10 marks
4. Prosody	— 1 × 10 = 10 marks
	Total = 100 marks

Books Recommended :

1. M. Boulton — Anatomy of Poetry
2. Cleanth Brooks — Understanding Poetry

B. A. PART-I ENGLISH GENERAL COURSE

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

1. New Golden Treasury—Motilal Banarsidas, Patna
   Pieces prescribed same as prescribed for Subsidiary Course
2. Communicative Grammar—Notions of Time, Articles, Verbs,Use of introductory "it" & "then", comparison
3. Correspondence

Scheme of Exams :

1.	Tw passage for explanation out of four choices —	2 × 10 = 20 marks
2.	Two critical questions out of four choices—	2 × 20 = 40 marks
3.	Two questions on Grammar out of four choices—	2 × 15 = 30 marks
4.	Business Letter —	1 × 10 = 10 marks
		Total = 100 marks

B. A. PART-I ENGLISH SUBSIDIARY

Course content :

1. New Golden Treasury — Motilal Banarsi Das Patna

Poems prescribed :

- Herbert — Love
- Milton — On His Blindness
- Blake — The Tiger
- Pope — A Little Learning
- Wordsworth — The World is too much
- Keats — Ode to a Nightingals
- Tennyson — Break Break Break
- Auden — Look Stranger

2. Shakespeare—Julius Ceasar
3. Business correspondence
4. Correction of Sentences

Scheme of Exams :

1.	Two passages for explanation out of four choices	— 2 × 10 = 20 marks
2.	Two practical questions out of four choices	— 2 × 20 = 40 marks
3.	Two business letters	— 2 × 15 = 30 marks
4.	Five sentences for correction	— 5 × 2 = 10 marks
		Total = 100 marks

स्नातक खंड-I अनुषांगिक भोजपुरी

भोजपुरी बी. ए. (प्रतिष्ठा) (भोजपुरी) (सबसिडियरी) के विधार्थियन के खातिर जेकर अन्य विषय में प्रतिष्ठा (ऑनर्स) बी ओह लोग खातिर आनुसंगिक विषय के रूप में बी. ए. प्रथम खंड में एक पत्र और बी. ए. द्वितीय खंड 2 में दोसर पत्र होई। हर पत्र सौ-सौ अंक के होई। परीक्षा के अवधि तीन घंटा होई।

बी॰ ए॰ खंड-I भोजपुरी (सामान्य एवं सहायक)

अंक विभाजन :

निर्धारित पाठ्यपुस्तकन से आलोचनात्मक प्रश्न	20 × 3 = 60 अंक
सप्रसंग व्याख्या	10 × 3 = 30 अंक
अपठित पद्य के अर्थ	10 अंक
	कुल 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. अंजुरीभर गीत (कविता संग्रह)—गणेश दत्त किरण।
   प्रकाशक—पश्चिम बंगाल भोजपुरी परिषद (प्रथम पाँच कविताएँ)
   अथवा, रूक जा बदरा (गीत—कथा-मधुकर सिंह, चेतना प्रकाशन, धरहरा, आरा।
2. **गरावन अबहीं मरल नइखे**—कृष्णानंद कृष्ण।
   (कहानी संग्रह)—भोजपुरी संस्थान, पटना-23 (प्रथम पाँच कहानी)
   अथवा, असपालतन (कहानी संग्रह)—मिथिलेश्वर, रेणु, प्रकाशन, महाराजा हाता, आरा।

एह में खंड 1 आ खंड 2 में 50-50 (पचास-पचास) अंक के भोजपुरी पढ़े के होई। परीक्षा के अवाध डेढ़ घंटा होई।

बी॰ ए॰ खंड-I स्नातक भोजपुरी

अंक विभाजन :

निर्धारित पाठ्पुस्तक से परिचयात्मक प्रश्न एवं व्याख्या	20 अंक
निबंध	20 अंक
मुहावरा कहावत	10 अंक
	कुल 50 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. सीता के लाल (खंड काव्य)—कुंज बिहारी कुजन।
   अथवा, फांसी (कविता संग्रह)—डॉ॰ चन्द्रधर पाण्डेय (कमल), भोजपुरी प्रकाशन, ग्राम एवं पोस्ट—आशा पडरी।
2. डागा बाज गइल (कहानी संग्रह)—अविनाश चन्द्र विद्यार्थी।
   प्रकाश—अतुल बन्धु, शिवा जी पथ, दरियापुर, पटना-1 अथवा, **क्वाछ**—डॉ॰ नर्वदेश्वर राय।

स्नातक खंड-I भोजपुरी (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

त्रिवर्षीय स्नातक (प्रतिष्ठा) में कुल मिला के आठ पत्र होई—प्रथम खंड (पार्ट-1) में दू पत्र, द्वितीय खंड (पार्ट-2) में दू पत्र या अन्तिम तृतीय खंड (पार्ट-3) में चार पत्र होई। हर पत्र 100-100 अंक के होई परीक्षा तीन घंटा के होई।

निर्धारित ग्रंथ :

1. कविता संग्रह—संपादक : प्रो॰ रामेश्वर नाथ तिवारी, प्रो. गदाधर सिंह
2. निबन्ध संग्रह—संपादक : प्रो॰ रामेश्वर नाथ तिवारी
3. रेडियो नाटक भोजपुरी—डॉ॰ गुलाब चन्द्र प्रसाद (अभय)

स्नातक खंड-I भोजपुरी (प्रतिष्ठा)

कथा साहित्य

द्वितीय पत्र

निर्धारित ग्रंथ :

1. कहानी संग्रह—सम्पादक : प्रो॰ रामेश्वर नाथ तिवारी, सम्पादक : मधुकर सिंह।
2. करूप कन्या (उपन्यास)—सत्य नारयण सिंह।

अथवा, राख भउर आग (उपन्यास)—डॉ॰ अरूण मोहन भारवि, अरुणोदय प्रकाशन, शारदा सदन, बक्सर।

3. रावन उवाच (उपन्यास)—गणेश दत्त किरण, भोजपुरी अकादमी, पटना-1

अथवा, महेन्द्र मिथिर—राम नाथ पाण्डेय।

B. A. PART-I PERSIAN HONOURS

PAPER-I

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Books Prescribed : (Poetry)

1. Nasabe-Jadeed Farsi Published by Jaiyed Press, Delhi

   The following pules only.

   (a) Hafiz (All Ghazals)

   (b) Ameer Khusro (All Ghazals)

   (c) Quasid-e-Manu Chchri :

   (i) Dar Madho Dabeer Sultan Masood Ghaznavi

   (ii) Dar Modhe Ali bin Imran

   (d) Qaseeda-e-Qaani (First)

   (e) Rubaiyat-e-Khaiyam (First to fifteenth ony)

   (f) Shahryar

   (g) Bahar

   (h) Rumi (nala-Nai, Rikayet Baggal-o-Tail)

B.A. PART-I PERSIAN HONOURS

PAPER-II

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

PROSE

Books Prescribed :

1. Nasab jadeede farsi (Published by Jaiyed Press, Delhi)

   The following pieces are prescribed :

   (a) Zindagi-e-Man

   (b) Sarzamine Hind

   (c) Sarguzasht-e-Haji Baba Asfahani (First three gupters only)

   (d) Jahangirnama

   (e) Dastaan-e-Kotah—(i) Khud Kushi, (ii) Mah-e-Man, (iii) Azan-e-Maghrib, (iv) Janayet-e-Man.

B.A. PART-I PERSIAN GENERAL & SUBSIDIARY

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Distribution of Marks :

1.	Translation of Persian text into Urud	— 25 Marks
2.	Critical questions	— 30 Marks
3.	Explanation	— 20 Marks
4.	Unseen verses for translation into Urdu	— 10 Marks
5.	Composition	— 15 Marks

Book Prescribed for Study :

Nasab-e-Jadid-e-Farsi, Published by Jayed Press, Balimaran, Delhi.

The following pieces are prescribed :

1. Hafiz (First ten ghazals only)
2. Amir Khusro (First ten ghazals only)
3. Rubayiyat-e-Khayam (First 25 Rubayiyat only)
4. The following Poems—(i) Maktabi Hafiz, (ii) Parwane Dar Atish, (iii) Mah-e-Kalisa, (iv) Bahar-e-Tauba Shikan, (v) Barsang-e-Mazaram.

B. A. PART-I URDU HONOURS

PAPER-I

DASTAN AND NOVEL

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

This paper consist of two important Urdu genres i.e. Dastan and Novel. The objectives of this paper is to introduce these genres to the students, their principles, their cultural and historical importance, analytical study of the text.

Books Prescribed :

1. Bagh-o-Bahar : Meer Amman Dehlavi
2. Taubatun Nusooh : Nazir Ahmad
3. Hasrat-e-Taameer : Akhtar Urainvi

PAPER-II

GHAZAL AND NAZM

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

This paper consists of two important Urdu poetry genres i.e. Ghazal and Nazm. The topic will be as follows.

Ghazal as a genre, its historical and cultural background, its short history and analytical study of the text.

Nazm as a genre, its evolution, critical and analytical study of the text.

Books Prescribed :

1. **Intekhab-e-Kalam-eMeer (1st 20 Ghazals) : Maulvi Abdul Haque**
2. **Motala-e-Rasikh (1st 20 Ghazals) : Dr. S. Haseen Ahmad**
3. **Bal-e-Jibreel : Allama Iqbal**
   Zauq-o-Shauq, Masjid-Qartaba, Lenin Khuda Ke Huzoor Mein, Farmen-e-Khuda, Jibreel-o-Iblis, Farishton Ka Geet)
4. **Dast-e-Saba : Faiz Ahmad Faiz**

B.A. PART-I
SUBSIDIARY URDU

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Distribution of Marks :

(a) Critical Question	:	2 × 25 = 50
(b) Explanation	:	1 × 25 = 25
(c) Objective	:	1 × 25 = 25
		Total = 100

The aim and object of this paper is to make the students acquainted with the famous four prose genres with relative texts. At least Ten questions containing all the prescribed genres, books and their authors, will be asked in this paper.The students have to answer any FOUR questions of 25 marks each.

Subject Matter : The definition & sturcture and evolutin of Novel, short story, Drama and Inshaiya.

Books Prescribed :

1. Rustam Sohrab	:	Agha Hashr Kashmiri
2. Umra-o-Jan Ada	:	M. H. Ruswa
3. Wardaat	:	Premchand
4. Mazameen-e-Petras	:	Petras, Bukhari

B.A. PART-I
URDU COMPOSITION
(Arts, Science & Commerce)

Time : 1.30 Hours] [Full Marks : 50

Distribution of Marks :

(a) Objective (10 Question)	:	1 × 10 = 10
(b) Critical Questions	:	1 × 20 = 20
(c) Essay	:	1 × 20 = 20
		Total = 50

The paper will consist of three questions with alternative, one objective of 10 marks, one critical questions from prescribed books of 20 marks and one essay of 20 marks. The students will have to answer all the questions within frame of time.

Books Prescribed :

1. **Adbiyat** : Published by Aiwan-e-Adab, Patna

Prose :

(a) Rasmo-Riwaj : Sir Syed Ahmad Khan

(b) Urdu Hindi : Shiblee Nomani

(c) Swan : Prem Chand

(d) Mahshar : Akhtar Urain

(e) Mirza-ke-khatoot Meer Mehdi Ke Nam : Mirza Ghalib

Poetry :

(a) Jalwaye Darbar Delhi—By Akbar Allahabadi

(b) Khak-e-Hindi—By Brij Narain Chakrabarti

(c) Haqeeqat-e-Husn—By Dr. Iqbaal
(d) Mazdoor Talib Ilm—By Ahsan Bin Danish
(e) Payam—By Jamil Mazhari

स्नातक खंड-I प्राकृत (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्राकृत साहित्य का इतिहास और ऐतिहासिक शिलालेख

(A) प्राकृत साहित्य का इतिहास :

प्राकृत भाषा की उत्पत्ति-विकास—अर्ध मागधी आगम, शौरसेनी आगम, महाराष्ट्री प्राकृत तथा सट्टक साहित्य का सामान्य परिचय। आचार्य कुन्द कुन्द, नेमिचन्द सिद्धान्त चक्रवर्ती, शिवार्य, यति वृषभ, डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री का जीवन समय एवं कर्तव्य।

(B) प्राकृत शिलालेख :

अशोक स्तंभ लेख 1, 2, 3, 4 एवं 7 कक्कुक शिलालेख
अंक निर्धारण—निर्धारित पाठ में अनुवाद (दो)
आलोचनात्मक प्रश्न (एक)
कहायणय अट्ठग—चाणक्क-चंद्रगुत्त कटआणगं नामक पाठ पठनीय।
सम्पादक—डॉ॰ राजाराम जैन एवं डॉ॰ चन्द्रदेव राय।
अंक-निर्धारण—व्याख्यात्मक प्रश्न—8 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न—7 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. प्राकृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री
2. प्राकृत साहित्य का इतिहास—डॉ॰ जगदीश चन्द्र जैन
3. प्राकृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास—डॉ॰ सी॰ डी॰ राय
4. प्राचीन प्राकृत अभिलेख माला—डॉ॰ हरेन्द्र प्रसाद सिंह
5. प्राच्य भारतीय ज्ञान विज्ञान के महामेरू—आचार्य कुन्दकुन्द, प्रो॰ डॉ॰ राजा राम जैन एवं डॉ॰ विद्यावती जैन।
6. भारतीय लिपि एवं अभिलेख—डॉ॰ चितरंजन प्रसाद सिन्हा।

स्नातक खंड-I प्राकृत (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

ANCIENT PRAKRIT POETRY & GRAMMAR

सेतुबन्धु महाकाव्य—(प्रथम आश्वास)	... 45
गउउवहा महाकाव्य—(कवि प्रशंसा मात्र)	... 25
व्याकरण—संधि तस्या कारक (आचार्य हेमचन्द्र के सूत्र के आधार पर)	... 30
Marks alloted—Explanation (Two)	... 25
Translation from prescribed lesson (Two)	... 15
Critical question (Two)	... 30
Explanation three sutra from prescribed Grammar Portion	... 30

सहायक ग्रन्थ :

1. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डॉ॰ नामचन्द्र शास्त्री
2. सेतु बन्धु महाकाव्य—संपादक : डॉ॰ राजा राम जैन।
3. सेतुबन्धु महाकाव्य का आलोचनात्मक प्रतिशीलन—डॉ॰ रामजी राय, प्राकृत शोध संस्थान, वैशाली 1987
4. गउउवहो महाकाव्य—डॉ॰ मिथिलेश कुमारी मिश्र
5. गाउउवहो महाकाव्य—संपादक : श्री हृषिवेश तिवारी।

6. वाक् पतिराज की लोकानुभूति—डॉ. कमल चन्द्र सौगानी, राजस्थान प्राकृत भारती—जयपुर प्रकाशन।
7. प्राकृत व्याकरण—श्री आत्माराम जैन, मॉडेल स्कूल, 29 डी. कमला नगर, देहली-7
8. सिद्ध हेमशब्दानुशासन—डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री।

स्नातक खंड-I प्राकृत (सहायक)

Theree shall be one paper in B.A. Part-I Subsidiary course. The Paper shall be of three hours duration and shall carry 100 marks.

Paper-I History of Poetry, Prakrit Literature and Grammar

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

(A) भविष्यदत्त काव्यं (प्रथम 100 गाथाएँ)—महेश्वर सूरिकृत। ... 40

Marks alloted

Explanations (Two) ... 12

Translation from prescribed lesson (Two) ... 8

Critical Questions (Two) ... 20

(B) **History of Prakrit Literature :**

अर्ध मागधी आगम साहित्य—(सामान्य परिचय)

शौरसेनी आरण साहित्य—(सामान्य परिचय)

महाराष्ट्री प्राकृत साहित्य—(सामान्य परिचय)

प्राकृत शिलालेखी साहित्य—(सामान्य परिचय)

कुन्दकुन्द, नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती, स्वामी कीर्तिकेय, समन्तभद, स्वयंभू, पुष्पदत्त नेमिचन्द शास्त्री, हरिभद्र का सामान्य परिचय।

(C) Gramamr (कारक)

सहायक ग्रन्थ

प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

प्राकृत साहित्य का इतिहास—डॉ. जगदीश चन्द्र जैन।

भविष्यदत्त कव्वं—सम्पादक : डॉ. राजाराम जैन।

सरल प्राकृत व्याकरण—डॉ. राजाराम जैन।

प्राकृत व्याकरण एवं रचना—डॉ. चन्द्रदेव एवं डॉ. रामजी राय।

प्राच्य भारतीय ज्ञान विज्ञान के महामेरू—आचार्य कुन्दकुन्द, डॉ. राजाराम जैन एवं डॉ. विद्यावती जैन।

प्राचीन प्राकृत अभिलेख माला—डॉ. हरेन्द्र प्रसाद सिंह।

स्नातक खंड-I प्राकृत (सामान्य)

Here shall one paper in B.A., Part-I General Course. The paper shall be of three hours duration I shall carry 100 Marks.

PAPER-I

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

कुमारपाल चरित (प्रथम सर्ग पूर्वार्ध)—टाचार्य हेमचन्द्र कृत

भावस्सदत्त कव्वं—(100 गाथाएँ)—महेश्वर सूरिकृत ... 40

Marks alloted—Explanations (Two) ... 60

Translation from prescribed lesson (Two) ... 30

Critical questions (Two) ... 20

Short Notes (Two) ... 30

सहायक ग्रन्थ : ... 20

कुमारपाल चरिय—आचार्य हेमचन्द्र

भविष्यदत्त कव्वं—संपादक : डॉ. राजाराम जैन

कुमारपाल चरिय—संपादक : डॉ. राजाराम जैन

भविसयत कहा तथा अपभ्रंश कथा काव्य—डॉ. देवेन्द्र कुमार शास्त्री

■■■

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

CONTENTS

B. A. PART – II

GENERAL, SUBUSIDIARY AND HONOURS

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी रचना (हिन्दी भाषियों के लिए)	 02
2.	हिन्दी रचना (अहिन्दी भाषियों के लिए)	 02
3.	प्रधान हिन्दी, हिन्दी प्रतिष्ठा	 03
4.	English Honours, Subsidiary, General	 05
5.	संस्कृत प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 07
6.	प्राकृत प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 08
7.	Urdu Composition, Honours, Subsidiary & General	 09
8.	Persian Honours, Subsidiary & General	 12
9.	इतिहास प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 13
10.	राजनीति प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 15
11.	मनोविज्ञान प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 17
12.	समाजशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 19
13.	अर्थशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 21
14.	गृह विज्ञान प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 23
15.	दर्शनशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 25
16.	प्राचीन भारत प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 26
17.	श्रम एवं समाज कल्याण, प्रतिष्ठा सामान्य, सहायक	 28
18.	भूगोल प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 31

■■■

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा B.A. Part-II

नवीनतम सत्र से प्रभावी

सामान्य हिन्दी (रचना-अनिवार्य)

कला/विज्ञान/वाणिज्य (सामान्य एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए)

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) पाठ्यपुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 3 = 30 अंक

(ख) पाठ्यपुस्तक से व्याख्यात्मक प्रश्न : 10 × 2 = 20 अंक

(ग) निबंध - (सामाजिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं सामाजिक विषयों पर आधारित) : = 20 अंक

(घ) व्याकरण, संवाद लेखन अपठित गद्यांश पर आधारित : = 15 अंक

(ङ) पत्र लेखन/सारांश एवं टिप्पण = 15 अंक

कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. अमर वीर चरित—कलक्टर सिंह केसरी।
2. प्रतिनिधि एकांकी—सम्पादक—डॉ. वीरेन्द्र सिंह।

निर्धारित एकांकी—

(i) पृथ्वीराज की आँखें—डॉ. राम कुमार वर्मा।
(ii) तौलिए—उपेन्द्रनाथ अश्क।
(iii) स्ट्राइक—भुवनेश्वर।
(iv) रीढ़ की हड्डी—जगदीश चन्द्र माथुर।
(v) नीली झील—धर्मवीर भारती।
(vi) [illegible]—देवेन्द्रनाथ शर्मा।
(vii) बेकारी का इलाज—रामेश्वर सिंह 'कश्यप'।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना—डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
2. हिन्दी व्याकरण—डॉ. [illegible] तिवारी।
3. राजभाषा निबंध—[illegible] संस्करण।

स्नातक खण्ड - 2

(कला/विज्ञान/वाणिज्य)

हिन्दी रचना (अहिन्दी भाषियों के लिए)

समय : 1½ घंटे] [पूर्णांक : 50

अंक विभाजन :

1. पाठ्य पुस्तक से परिचयात्मक प्रश्न—(दो कविता का अर्थ एवं भाव परिचय) : 10 × 2 = 20 अंक

2. निबंध - सामाजिक, राष्ट्रीय, पर्व-त्योहार, समसामयिक विज्ञान एवं प्रकृति चित्रण पर आधारित। : 15 × 1 = 15 अंक
3. व्याकरण—विपरीतार्थक शब्द, अर्थ युक्त वाक्य—प्रयोग तथा लिंग-निर्णय, वाक्य संशोधन, मुहावरे। : = 15 अंक

कुल = 50 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. पद्य संग्रह : सम्पादक : प्रोफेसर रामेश्वर नाथ तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
   निर्धारित पाठ : कबीर, रहीम, मैथिली शरण गुप्त, बच्चन, दिनकर।

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना—डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
2. राजकीय निबंध—सुधीर संस्करण।

स्नातक खण्ड - 2

प्रधान हिन्दी

सबसिडियरी (अनुषंगिक) एवं सामान्य छात्रों के लिए

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 3 = 45 अंक

(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : 10 × 3 = 30 अंक

(ग) काव्य अथवा हिन्दी गद्य साहित्य की विधाओं पर परिचयात्मक लघुत्तरी प्रश्न : 5 × 3 = 15 अंक

(घ) छंद, अलंकार, रस (दो-दो-एक) : = 10 अंक

कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. गबन—प्रेमचन्द।
2. रश्मिरथी—रामधारी सिंह 'दिनकर'।
3. सिन्दूर की होली—लक्ष्मी नारायण मिश्र।

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग—डॉ. राम विलास शर्मा।
2. हिन्दी उपन्यास—डॉ. रामदरश मिश्र।
3. हिन्दी नाटक—डॉ. बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. अलंकार मुक्तावली—प्रोफेसर देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारती भवन, पटना।
5. छंद प्रकाश—रघुनन्दन शास्त्री।
6. छंद अलंकार और रस—(काव्यशास्त्र : [illegible])।

स्नातक खण्ड - 2

हिन्दी प्रतिष्ठा

तृतीय पत्र

(हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्य-रीतिकाल से द्विवेदी युग तक)

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

अंक विभाजन :

1. इतिहास से आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 2 = 30 अंक

2.	काव्य से आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 × 2 = 30 अंक
3.	सप्रसंग व्याख्या	:	10 × 2 = 20 अंक
4.	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित लघुत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न—		
	5 प्रश्न लघुत्तरी	:	5 × 2 = 10 अंक
	10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
			कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास :** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (रीतिकाल से द्विवेदी युग तक)।
2. **रीतिकाव्य**—सम्पादक—डॉ. बद्रीनाथ तिवारी एवं डॉ. नन्दजी दूबे।

पाठ्यांश—

केशवदास	—	रामचन्द्रिका	—	मंगलाचरण, सीतास्वयंवर
		रसिक प्रिया	—	छंद - 10 अंक
		कवि प्रिया	—	ऋतुवर्णन - 7 छंद
बिहारी	—	भक्ति	—	6 दोहे
		संयोग श्रृंगार	—	20 दोहे
		वियोग श्रृंगार	—	10 दोहे
		प्रकृति	—	10 दोहे
		नीति	—	10 दोहे
		मतिराम	—	प्रारम्भ से 20 छंद
भूषण	—	शिवाजी प्रशस्ति	—	15 छंद
		सेनापति	—	गंगा महात्म्य
		देव	—	रूप तरंग श्रृंगार वर्णन
		पद्माकर	—	10 छंद
		घनानन्द	—	10 छंद
		द्रुत पाठ हेतु	—	घाघ, ठाकुर, आलम, रत्नाकर, भिखारी, दास

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य—आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
2. हिन्दी साहित्य का अतीत—भाग-2, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
3. रीतिकाव्य की भूमिका—डॉ. नगेन्द्र।
4. रीति साहित्य—डॉ. भगीरथ मिश्र।
5. भारतेन्दु-युग—डॉ. राम विलास शर्मा।
6. साहित्यिक निबंध—डॉ. त्रिभुवन सिंह।
7. साहित्यिक निबंध—डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त।
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण—डॉ. राम विलास शर्मा।
9. बिहारी की वाग्विभूति—आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

स्नातक खण्ड - 2

हिन्दी प्रतिष्ठा

चतुर्थ पत्र

नाटक, निबंध और समीक्षा

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

1.	आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 × 3 = 45 अंक
2.	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	10 × 3 = 30 अंक
3.	लघुत्तरी एवं टिप्पणी परक प्रश्न	:	5 × 2 = 10 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (हिन्दी समीक्षा के विकास पर आधारित प्रश्न)	:	15 × 1 = 15 अंक
			कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. **चन्द्रगुप्त नाटक**—जयशंकर प्रसाद।
2. **श्रेष्ठ ललित निबंध**—सम्पादक—डॉ. नन्दजी दूबे, जयभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।
   निर्धारित पाठ : 3. मैं धोबी हूँ—शिवपूजन सहाय, 4. शिरीष के फूल-हजारी प्रसाद द्विवेदी; 5. शेविंग : एक कला-भुवनेश्वर नाथ मिश्र 'माधव', 6. रत्न-नलिन विलोचन शर्मा, 7. जेब-प्रभाकर माचवे, 8. दाढ़ी—देवेन्द्र नाथ शर्मा, 9. भोर का आह्वान-विद्या निवास मिश्र, 10. कैक्टस-धर्मवीर भारती, 11. मान जा मेरे मन-रामेश्वर सिंह कश्यप, 12. मेरी शादी-नन्दु जी दूबे।
   द्रुत पाठ हेतु लेखक परिचय : पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र, बालमुकुन्द गुप्त, माखन लाल चतुर्वेदी, सरदार पूर्ण सिंह, रामचन्द्र शुक्ल, अज्ञेय, डॉ. नगेन्द्र बेढब बनारसी, डॉ. राम विलास शर्मा, यशपाल जैन, भगवतशरण उपाध्याय, कुबेरनाथ राय।
3. **समीक्षात्मक निबंध**—सम्पादक—डॉ. दीनानाथ सिंह, अनुपम प्रकाशन, पटना।
   निर्धारित पाठ—प्रारम्भ के चार पाठ।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. **हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास :** डॉ. दशरथ ओझा।
2. **हिन्दी नाटक :** डा. बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. **हिन्दी गद्य विन्यास और विकास :** डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. **आधुनिक साहित्यिक निबंध :** डॉ. त्रिभुवन सिंह।

B. A. PART-II : ENGLISH : HONOURS

PAPER-III

Time : 3 Hours] [Full Marks : 50

Course Content :

1. Marlow - Edward II
2. Shakespeare - Macbeth
3. Ben Jonson - Alchemist
4. Congeve - The way of the world
5. Sheidan - The Rivals

Scheme of Exams :

1. Two passages for explanation out of four choices — 2 × 10 = 20 marks
2. Three critical questions out of six choices — 3 × 20 = 60 marks
3. Ten objective type questions on the History of drama / concepts of dramatic writing — 10 × 2 = 20 marks

Total = 100 marks

Books Recommended :

1. Nicoll — British Drama
2. M. Boulton — Anatomy of Drama

ENGLISH (HONS.) PAPER-IV

Course Content :

1. Swift — The Battle of Books
2. Fielding — Tom Jones
3. Jane Austen — Emma
4. Dickens — A Tale of Two Cities
5. Hardy — Mayor of Casterbridge

Scheme of Exams :

1. Two passages for explanation out of four choices — 2 × 10 = 20 marks
2. Three practical questions out of six choices — 3 × 20 = 60 marks
3. Ten objective type questions on the History of the Name concepts of the Novel — 1 × 2 = 20 marks

Total = 100 marks

Books Recommended :

1. Alter Allen — The English Novel
2. Drama Neill — A Short History of the English Novel
3. R. Leavis — The Great Tradition

B.A. PART–II ENGLISH (SUBSIDIARY)

Course Content :

1. Specimen of English Prose (Orient Longman)
2. Animal Farm — George Orwell
3. Reading Comprehension
4. Precis-writing
5. Correction of Sentences

Scheme of Exams :

1. Two critical questins out of four choices — 2 × 25 = 50 marks
2. One passage for Reading Comprehension — 1 × 20 = 20 marks
3. One Passage for Precis-Writing — 1 × 20 = 20 marks
4. Five sentences for correction — 5 × 2 = 10 marks

Total = 100 marks

B.A. II ENGLISH (GENERAL)

Course Content :

1. Shakespeare — Julius Ceasbr
2. Communicative Grammar — Use of Demonstratives, Determiners & Quantifiers, Use of Exclamations & Interrogatives, Adjective & Adverb
3. Report-writing

Scheme of Exams :

1. One passage for explanation out of two choices — 1 × 15 = 15 marks
2. One critical question out of two choices — 1 × 25 = 25 marks
3. Ten objective type questions on grammar Multiple Choice Type — 10 × 4 = 40 marks
4. Report Writing — 1 × 20 = 20 Marks

Total = 100 marks

बी॰ए॰ पार्ट-II संस्कृत प्रतिष्ठा

तृतीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. कादम्बरी—शुकनासोपदेश—बाणभट्ट।
2. शिवराज विजय—प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास—पं॰ अम्बिका दत्त व्यास।
3. दश कुमार चरित—(दण्डी) पूर्वपीठिका का पंचम उच्छ्वास मात्र।

आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक से एक-एक)—15 × 3 = 45 अंक

व्याख्या केवल गद्यांश से—2—12½ × 2 = 25 अंक

अनुवाद (प्रत्येक से एक-एक)—10 × 3 = 30 अंक

चतुर्थ-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

व्याकरण-नाटक

1. नाटक—(क) अभिज्ञानशाकुन्तलम्—60 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न—दो—14 × 2 = 28 अंक
   अनुवाद—दो—6 × 2 = 12 अंक
   संस्कृत में व्याख्या—10 × 2 = 20 अंक
   (ख) दरिद्र चारुदत्तम—20 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न—दो—12 अंक
   अनुवाद—एक—6 अंक
2. व्याकरण—स्त्री प्रत्यय प्रकरण सिद्धान्त कौमुदी
   सूत्र व्याख्या—तीन—4 × 3 = 12 अंक
   पुल्लिंग से स्त्रीलिंग—2 × 4 = 8 अंक

बी॰ ए॰ पार्ट-II संस्कृत सब्सिडियरी

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. इतिहास—रामायण, पुराण, नाटक, गद्य-काव्य, कथा साहित्य, गीतिकाव्य—40 अंक
   अंक विभाजन—दो प्रश्न—12 × 2 = 24 अंक
   टिप्पणी—4 × 4 = 16 अंक
2. अनुवाद—(क) संस्कृत से हिन्दी अथवा अंग्रेजी—20 अंक
   (ख) हिन्दी से संस्कृत—20 अंक
3. व्याकरण—कारक प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)—20 अंक
   अंक विभाजन—सूत्र व्याख्या—दो—10 × 2 = 20 अंक
   चार विभक्ति निर्णय—10 अंक

सहायक ग्रन्थ सूची :

1. इतिहास—संस्कृत साहित्य का इतिहास (नवीन संस्करण)—बलदेव उपाध्याय।
2. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा—चन्द्रशेखर पाण्डेय एवं नानुराम व्यास
3. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन—डॉ॰ कपिल देव द्विवेदी।

बी॰ ए॰ पार्ट-II संस्कृत सामान्य

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. इतिहास—रामायण, पुराण, नाटक गद्यकाव्य, कथा साहित्य, गीतिकाव्य—40 अंक।

अंकों का विभाजन :

दो प्रश्न—12 × 2 = 24 अंक

टिप्पणी—4 × 4 = 16 अंक

2. अनुवाद—कारक प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)—20 अंक
   (ख) हिन्दी से संस्कृत—20 अंक।
3. व्याकरण—कारक प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)—20 अंक
   अंक विभाजन—सूत्र व्याख्या—दो—5 × 2 = 10 अंक
   चार विभक्ति का निर्णय—10 अंक

सहायक ग्रन्थ सूची :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (नवीन संस्करण)—बलदेव उपाध्याय।
2. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा—चन्द्रशेखर पाण्डेय और नानूराम व्यास।
3. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन—डॉ. कपिल देव द्विवेदी।

B.A. PART-II, PRAKRIT HONOURS COURSE

There shall be two papers in B.A. Part-II Honours course; each paper shall be of three hours duration and shall carry 100 marks.

PAPER-III

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

DRAMA

1. कर्पूरमंजरी—कविराज शेखर कृत—50 अंक
2. मैथिली कल्याण नाटक—सीता विनीता वार्तालाप—25 अंक
3. सुभद्रा नाटिका—सुभद्रा पत्र लेखन—25 अंक

Marks Alloted :

1. Explanation (two)—40 Marks
2. Translation from Prescribed Lesson (two)—20 Marks
3. Critical questions (three)—40 Marks

सहायक ग्रन्थ :

1. कर्पूरमंजरी—चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
2. कर्पूरमंजरी—डॉ. सुदर्शन लाल जैन।
3. मध्यकालीन जैन सट्टक नाटक—डॉ. राजाराम जैन।
4. कणवार हरितालल—डॉ. के. एल. जैन, प्राकृत शोध संस्थान, वैशाली।

PAPER-IV

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

POETRY

1. कंसवहो—प्रथम सर्ग—40 अंक
2. जोगसार—योगीन्द्र देवकृत—60 अंक

Marks Allotted :

1. Explanations (two)—40 Marks
2. Translation from Prescribed lesson (two)—20 Marks
3. Critical questions (two)—40 Marks

सहायक ग्रन्थ :

1. प्राकृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
2. कंसवहो—प्रो. डॉ. ए. एन. उपाध्याय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. कंसवहो—सम्पादक, डॉ. हरेन्द्र प्रसाद सिंह
4. कंसवहो—डॉ. केदार नाथ ब्रह्मचारी
5. जोगसार—डॉ. कमलेश कुमार जैन, गणेश वर्णी संस्थान, वाराणसी।

B.A. PART-II, PRAKRIT SUBSIDIARY COURSE

Three shall be one paper in B.A. Part-II Subsidiary course. The paper shall be of three hours duration and shall carry 100 marks.

PAPER-II

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

PROSE AND GRAMMAR

गद्य : कहाणय अट्ठग—संपादक : डॉ. राजाराम जैन एवं डॉ. चन्द्रशेखर राय—80 अंक

स्वीकृत पाठ : पाटलिपुत्र राय कुमारो मूलदेवो रोउलम्मियो करकंडु राया सोलवद्दचरिये एवं बारवई विणासो।

व्याकरण : समास—20 अंक।

Marks Alloted :

Explanations (two)—30 Marks

Translation from prescribed lesson—20 Marks

Critical questions (two)—30 Marks

Grammar—20 Marks

सहायक ग्रन्थ :

कहाणय अट्ठग—संपादक : डॉ. राजाराम जैन एवं डॉ. चन्द्रदेव राय

प्राकृत प्रबोध—डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

सरल प्राकृत व्याकरण—डॉ. राजाराम जैन।

प्राकृत व्याकरण एवं रचना—डॉ. चन्द्रदेव एवं डॉ. राम जी राय।

B.A. PART-II PRAKRIT GENERAL COURSE

There shall be one paper in B.A. Part-II General course. The paper shall be of three hours duration and shall carry 100 marks.

PAPER-II

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

PROSE AND GRAMMAR

गद्य : कहाणय अट्ठग—संपादक : डॉ. राजाराम जैन एवं डॉ. चन्द्रदेव राय—75 अंक

स्वीकृत पाठ : पाटलिपुत्र राय कुमारो मूलदेवो, रोउलम्मियो करकंडु राया सोलवद्दचरिये एवं बारवई विणासो।

व्याकरण : कारक एवं समास—25 अंक।

Marks Alloted :

Explanations (two)—30 Marks

Translation from prescribed lesson—20 Marks

Critical questions (two)—25 Marks

Grammar from Prescribed course—25 Marks

सहायक ग्रन्थ :

कहाणय अट्ठग—संपादक : डॉ. राजाराम जैन एवं डॉ. चन्द्रदेव राय

प्राकृत प्रबोध—डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

सरल प्राकृत व्याकरण—डॉ. राजाराम जैन।

प्राकृत व्याकरण एवं रचना—डॉ. चन्द्रदेव एवं डॉ. राम जी राय।

B.A. PART-II

URDU COMPOSITION

(Arts, Science & Commerce)

Time : 1.30 Hours] [Full Marks : 50

Distribution of Marks :

(a) Objective (10 questions)	:	1 × 10 = 10
(b) Critical Questions	:	1 × 20 = 20
(c) Essay	:	1 × 20 = 20
		Total = 50

The paper will consist of 3 questions with alternative, one objective of 10 marks one critical questions from prescribed text and one letter/application/reporting of 20 marks.

Books Prescribed :

1. Adbiyat : Published by Aiwan-e-Adab Patna

Poetry :

(a) Jab Karbala Mein	:	Meer Anis
(b) Shaheen	:	Eqbal
(c) O Des Se Aanewale	:	Akhtar Shirani
(d) Do Ishque	:	Faiz
(e) Bharat Mata	:	Jamil Mazhari

PART-II

SUBSIDIARY URDU

Time : 3 Hours — Full Marks : 100

Distribution of Marks :

(a) Critical Question	:	2 × 25 = 50
(b) Explanation	:	1 × 25 = 25
(c) Objective	:	1 × 25 = 25
		Total : 100

The object of this paper is to make the students acquinted with three poetical genres with relative texts. At least 10 questions containing all the prescribed genres, books and their authors, will be asked in this paper. The students will have to answer any FOUR questions of 25 marks each.

Area of Study : The definition, structure & evolution of Ghazal, Masnavi and Nazm and comparative study of their forms.

Books Prescribed :

1. Intekhab-e-Kalam-e-Meer (edited) : M. A. Haque

The following five ghazals and two mathnavis Ghazal —

(a) Ulti Ho Gayien Sab Tadbirein

(b) Marind-e-Shama Majlise-Shab

(c) Jis Sar Ko Ghroor

(d) Hamare Age Tera Jab

(e) Kya main bhi Preeshaniya

Masnavi :

(a) Duniya

(b) Ghar Ka Hal

2. Ashar-e-Nazeer Published byAiwan-e-Urdu

(a) Barsat Ki Baharein

(b) Muflisee

(c) Shab-e-Barat

(d) Banjara Nama

(e) Kalyug

3. Bale-Jibraeel — Eqbal

(a) Saqui Nama

(b) Lenin Khuda Ke Huzoor Mein

(c) Farishton Ka Geet

(d) Farman-e-Khuda

(e) Deen-o-sayasat

4. Fikr-e-Jamil — Jamil Mazhari

(First 10 ghazals)

B.A. PART-II

URDU (HONS.)

Paper-III

AFSANA & DRAMA

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours — Full Marks : 100

This paper consists of two important genres of fiction, i.e. Afsana & Drama. The objective of this paper to introduce those genres to students, with reference of texts.

Books Prescribed :

1. Kahani Ka Roop (edited) — by A. W. Ashrafi
   (Prem Chand, Bedi, Mintu, Ismat, Sohail, Akhtar Orainvi, Ahmad Yusuf, Shafaque)
2. Anar Kali — Imteyaz Ali Taj
3. Parda-e-Ghaflat — S. Abid Hussain

Paper-IV

MASNAVI & MARSIYA

The Examiner is requested to set EIGHT question, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours

Full Marks : 100

This paper consists of two important genres of poetry, i.e., Masnavi & Marsiya. The objective of this paper to make students acquainted with the form, concept, evolution of them with special reference of the prescribed books.

Books Prescribed :

1. Rooh-e-Anis (first 3 Marsiyees) : Masood Husain Rizvi Adib
2. Ilhan-e-Jamil (first 2 Marsi) : Jamil Mazhari
3. Sehrul Bayan : Meer Hasan
4. Urdu Ki Do Masnaviyan (edited) : Dr. S. Haseen Ahmad

B.A. PART-II PERSIAN (HONS.)

PAPER-III

Time : 3 Hours]

[Full Marks : 100

1. Paragraph writing on subjects of topical interest—25 Marks
2. Sentence writing of an Unseen Simple Persian Passage into Persian—25 Marks
3. Composition (use of modern idiom and Phrases)—25 Marks
4. Translation of a Passage of English or Urdu into Persian—25 Marks

PAPER-IV

Classical Poetry :

Text—80 Marks, Prosody—20 Marks

Time : 3 Hours]

Books Prescribed:

[Full Marks : 100

1. Intekhab-e-ghazaliat Navi—Published by Aiwan (First to fifteenth ghazal kshir only)—30 Marks
2. Intekhab az Gasard-e-Zaheer—25 Marks
   The followin quassaids only—
   (a) Sapeeda dani chu, shudan Mohram-e-Sarai suroor
   (b) Izad Chakargah-e-falakra Nigar Kard
   (c) Chu Bar Zameen Taliya Shah ghost Ashkar
   (d) Sharhe ghame tu Luzzate shadi bajan Dehed
   (e) Sahar Chu toft Za daryae Khawarram souher
3. Masnavi pas che Bayed kard Ali Aqwam-e-Sharque—By Dr. Md. Eqbal—25 Marks
4. Umool Arooz—By M.A. Majeed—20 Marks

B.A. PART-II, PERSIAN SUBSIDIARY COURSE

Time : 3 Hours]

[Full Marks : 100

The distribution of Marks will be as follows—

1. Translation from Persian text into Urdu—25 Marks
2. Critical questions—30 Marks
3. Explanations—20 Marks
4. Unseen Prose passage for Translation into Urdu—10 Marks

The following text book is prescribed :

1. Nasabeadeede Farsi Published by Tayed Press, Delhi

The following places are prescribed :

1. Zinadgi-e-man
2. Sarzamin-e-Hind
3. Janangirriama
4. Dastan-e-Kotah
   (a) Khana-e-podari
   (b) Januyate Man
   (c) Azan-e-Maghrib
   (d) Idi
   (e) Khudkushi

B.A. PART-II, PERSIAN GENERAL COURSE

Time : 3 Hours]

[Full Marks : 100

1. Unseen Persian Passage for translation into Urdu—15 Marks
2. Paragraph writing—20 Marks
3. Use of current Idioms & Phrases—15 Marks
4. Translation of Urdu passages into Persian—30 Marks
5. General study of Indian—History, Geography, Culture & Literature—20 Marks

Book Prescribed :

1. Iras sadyo ke ine men—By Prof. Amrit Lal Ishrat

स्नातक खण्ड – II

पत्र – III इतिहास (प्रतिष्ठा)

पूर्व मध्यकालीन भारत (6th-13th early A.D.)

1. वर्द्धनों और मौखरियों का उत्थान।
2. हर्षवर्द्धन का सैन्य सुधार, प्रशासन और सांस्कृतिक योगदान।
3. कन्नौज पर आधिपत्य के लिए त्रिकोणात्मक संघर्ष।
4. पाल वंश - धर्मपाल, देवपाल, पालों के सांस्कृतिक योगदान।
5. गुर्जरों प्रतिहारों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
6. राष्ट्रकूटों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
7. पल्लवों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
8. चोलवंश चोल साम्राज्य की उत्पत्ति और विस्तार चोलों के सैन्य संगठन, स्वशासन, प्रशासन की विशेषताएँ।
9. राजपूतों की उत्पत्ति।
10. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण, स्वरूप और महत्व।
11. तुर्कों का भारत पर आक्रमण, स्वरूप और महत्व।
12. भारत में भक्ति आन्दोलन - अलवार और नयनार।
13. भू-दान का प्रारम्भ और सामन्तवादी राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवस्था।

स्नातक खंड-II इतिहास (प्रतिष्ठा) चतुर्थ-पत्र

आधुनिक यूरोप (1789-1945)

निर्धारित अध्याय :

1. पुरातन व्यवस्था, 2. फ्रांस की राज्यक्रांति-कारण, परिणाम एवं महत्व, 3. नेपोलियन बोनापार्ट-उदय, फ्रांस, इटली और जर्मनी में उसकी देनें, पतन के कारण, 4. वियना सम्मेलन और यूरोपीय व्यवस्था, 5. फ्रांसीसी क्रान्तियाँ-1830 ई. की फरवरी क्रांति और 1848 ई. की जुलाई क्रांति, कारण और परिणाम, 6. क्रीमिया युद्ध-कारण और परिणाम, 7. लुई नेपोलियन तृतीय : विदेश नीति, 8. जार अलेक्जेन्डर-II मुक्तिदाता, 9. प्रथम विश्व युद्ध : कारण और परिणाम, 10. वर्साय सन्धि (1919), 11. राष्ट्रसंघ : गठन, कार्य और विफलता के कारण, 12. आर्थिक संकट (1929-30), 13. इटली में मुसोलिनी का उदय, 14. जर्मनी में हिटलर का उदय, 15. द्वितीय विश्वयुद्ध-कारण और परिणाम, 16. संयुक्त राष्ट्रसंघ-जन्म, गठन और कार्य।

ग्रन्थ-संदर्भ :

1. आधुनिक यूरोप का इतिहास-डा. दीनानाथ शर्मा
2. आधुनिक यूरोप-बैजेश्वर राय

स्नातक खण्ड – II

पत्र – II इतिहास (सामान्य और सहायक)

भारत का इतिहास (1206-1857)

1. बलबन की उपलब्धियाँ।
2. अलाउद्दीन खिलजी की उपलब्धियाँ।
3. मुहम्मद-बिन-तुगलक की उपलब्धियाँ।
4. दिल्ली सल्तनत के अन्तर्गत शासन, कला स्थापत्य कला एवं साहित्य।
5. बाबर द्वारा मुगल साम्राज्य की स्थापना।
6. हुमायूँ और शेरशाह के बीच संघर्ष।
7. अकबर की धार्मिक नीति एवं राष्ट्रीय सम्राट का दावा।
8. मुगल साम्राज्य के पतन के लिए औरंगजेब का उत्तरदायित्व।
9. मुगलकालीन समाज, अर्थव्यवस्था, कला एवं साहित्य।
10. मराठों का उत्थान शिवाजी तक और सिक्ख का उत्थान गुरुगोविन्द सिंह तक।
11. भारत में यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों का आगमन।
12. पलासी और बक्सर युद्ध के कारण, प्रकृति और महत्व।
13. आंग्ल-मैसूर संबंध टीपू सुल्तान तक।
14. विलियम बैंटिक के सुधार, अंग्रेजी शिक्षा का विस्तार।
15. 1857 ई. के विद्रोह, कारण, स्वरूप और प्रभाव।

स्नातक खंड-II राजनीतिकशास्त्र (सामान्य)

तुलनात्मक शासन एवं राजनीति (अमेरिका, इंगलैंड, रूस, फ्रांस, स्वीटजरलैंड)

(क) तुलनात्मक शासन एवं राजनीति के सिद्धान्त—1. प्रकृति एवं क्षेत्र, 2. राजनीति प्रणाली एवं प्रक्रिया, 3. तुलनात्मक राजनीति की पहुँच।

(ख) इंगलैण्ड—1. इंगलैण्ड की राजनीतिक परम्परा, 2. लोकतंत्रीय सरकार, राजतंत्र, मंत्री परिषद् एवं संसद, 3. कानून के नियम, 4. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह।

(ग) अमेरिका—1. अमेरिका की राजनीतिक परम्परा, 2. संघीय प्रणाली, 3. मौलिक अधिकार, 4. संघीय सरकार, राष्ट्रपति, कांग्रेस एवं सर्वोच्च न्यायालय, 5. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह।

(घ) सोवियत रूस—1. सोवियत क्रान्ति विरासत, 2. सोवियत संघीय प्रणाली, 3. मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य, 4. संवैधानिक निर्णय सर्वोच्च सोवियत राष्ट्रपति या मंत्रिमंडल संघ एवं न्याय, 5. कम्युनिस्ट पार्टी, 6. सोवियत प्रजातंत्र।

(ङ) फ्रांस—1. फ्रांस की राजनैतिक परम्परा, 2. पंचम गणतंत्र की मुख्य विशेषताएं, 3. कार्यपालक राष्ट्रपति, मंत्रिपरिषद, 4. विधान मंडल, 5. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह।

(च) स्वीटजरलैंड—1. स्वीस राजनैतिक परम्परा, 2. संघीय प्रणाली, 3. संघीय विधान, 4. संघीय न्याय, 5. प्रजातंत्र।

पुस्तकें :

1. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति—वीरकेश्वर प्रसाद सिंह।
2. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति—गाँधी जी राय।

स्नातक खंड-II राजनीतिशास्त्र (सहायक)

विश्व के प्रमुख संविधान-इंग्लैंड, अमेरिका, भारत

(क) इंगलैण्ड—1. इंगलैण्ड की राजनैतिक परम्परा, 2. संसदीय सरकार, राजतंत्र, मंत्री परिषद एवं संसद, 3. कानून एवं न्याय प्रणाली, 4. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह।

(ख) अमेरिका—1. अमेरिका की राजनैतिक परम्परा, 2. संघीय प्रणाली, 3. मौलिक अधिकार, 4. संघीय सरकार, राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय की कांग्रेस, 5. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह।

(ग) भारत—1. मुख्य लक्षण, इसके सामाजिक, आर्थिक, दार्शनिक आधार, 2. मौलिक अधिकार, 3. राज्य नीति के मुख्य सिद्धान्त, 4. संघ एवं राज्य सम्बन्ध, 5. संघीय विधान, 6. लोकसभा, 7. सर्वोच्च न्यायालय, 8. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह, 9. धार्मिक एवं राष्ट्रीय एकीकरण।

सहायक पुस्तकें :

1. विश्व के प्रमुख संविधान—वीरकेश्वर प्रसाद सिंह।
2. भारतीय शासन प्रणाली—गाँधी जी राय।
3. प्रमुख राष्ट्रों के संविधान—गाँधी जी राय।

स्नातक खंड-II राजनीति शास्त्र (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र

भारतीय राजनीति व्यवस्था

(अ) भारतीय राजनीति की व्यवस्था की विशेषताएँ :

1. संविधान सभा एवं भारतीय राजनीति उपलब्धि
2. भारतीय संविधान के दार्शनिक, सामाजिक, आर्थिक तत्व
3. प्रस्तावना
4. मूलभूत अधिकार एवं कर्तव्य
5. राजनीति के निर्देशक तत्व

(ब) सरकारी व्यवस्था—बनावट एवं कार्य :

1. केन्द्रीय सरकार, वैधानिक, न्यायिक, संवैधानिक
2. राज्य सरकार, वैधानिक, न्यायिक, संवैधानिक
3. संविधान संशोधन के रूप
4. लोक सेवा आयोग
5. निर्वाचन आयोग—संगठन अधिकार एवं कार्य।

(स) भारतीय राजनीति—

1. स्वरूप एवं प्रवृत्ति
2. आधार एवं निर्धारण—जातीयता, धार्मिकता, साम्प्रदायिकता, नवीनता एवं पौराणिकता
3. भारतीय राजनैतिक दल
4. दबाव समूह
5. कर्तव्यच्युत
6. मत व्यवहार

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय शासन प्रणाली—गाँधी जी राय
2. भारतीय राजनीति एवं शासन—पुखराज जैन

चतुर्थ-पत्र

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

(द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अर्थ, विकास, स्वरूप, क्षेत्र
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के स्रोत
3. दार्शनिक दृष्टिकोण—मारगेन्थू का यथार्थवादी दृष्टिकोण और आदर्शवादी सिद्धान्त
4. निर्णयीकरण उपागम और नीति नियोजन (Decision making Approach and Policy planning)
5. भारतीय विदेश नीति
6. अमेरिका की विदेश नीति।
7. रशियन विदेश नीति।
8. साम्यवादी चीन की विदेश नीति।
9. अमेरिका से भारत का संबंध।
10. सोवियत रूस से भारत का संबंध।

11. चीन से भारत का संबंध।
12. भारत एवं उसके पड़ोसियों का संबंध विशेषकर पाकिस्तान, बंगलादेश, श्रीलंका, नेपाल के संबंध में।
13. संयुक्त राष्ट्रसंघ—उद्देश्य, संगठन एवं महत्व।
14. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन

सहायक पुस्तकें :

1. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति—फाड़िया
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति—गाँधी जी राय, भारतीय भवन, पटना
3. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन—गाँधी जी राय, जानकी प्रकाशन, पटना
4. अन्तर्राष्ट्रीय संबंध—डॉ. दीनानाथ वर्मा।

स्नातक खंड-II मनोविज्ञान (सहायक)

द्वितीय-पत्र

(असामान्य मनोविज्ञान)

खंड (क)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 50

प्रत्येक अध्याय से एक प्रश्न पूछे जायेंगे। तीन प्रश्नों का उत्तर देना है—

1. सामान्य तथा असामान्य में अन्तर, असमानता के विभिन्न विचार।
2. अचेतन—प्रकृति उपाह, अहं, पराह।
3. दैनिक जीवन में मनोविकृतियाँ एवं मनोरचनाएँ, दमन, उदात्तीकरण, दुवत्याभास प्रक्षेपण।
4. स्वप्न—मनोरचनाएँ एवं इच्छापूर्ति, स्वप्न का सिद्धान्त।
5. स्नायु विकृति एवं मन स्नायु विकृतियों में अन्तर—उन्माद मनोग्रन्थि बाध्यता, मनोस्नायु विकृति दुर्बलता एवं लक्षण।
6. मनोचिकित्सा—अर्थ, प्रयोग, मूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें :

1. असामान्य मनोविज्ञान—सिन्हा एवं मिश्रा
2. असामान्य मनोविज्ञान—नगीना प्रसाद।

खंड (ख) मनोविज्ञान प्रायोगिक

समय : 4 घंटे] [पूर्णांक : 50

सांख्यिकी—10, टेस्ट—10, प्रयोग—20, नोटबुक प्रयोग एवं टेस्ट—10

सांख्यिकी 10—आवृत्ति, वितरण तालिका बनाना एवं आवृत्ति बहुभुज, मध्यमान, मध्यांक, प्रमाणिक विचलन।

परीक्षण 10—कोई ब्लाक डिजाइन परीक्षण, पास एलोंग परीक्षण, धन रचना परीक्षण।

प्रयोग 20—परीक्षार्थी को दो सेट में एक प्रयोग को करना अनिवार्य है।

1. मौखिक, सीखना साधारण पुर्नजन्म विधि एवं क्रमिक सीखना।
2. संवेदी पेशीय सीखना—दर्पन, आरेखन कार्डर, क्रमबद्ध प्रयोग।
3. मूलर लायर, भ्रम मात्रा की माप, औसत त्रुटि विधि द्वारा।
4. प्रत्य विज्ञान परीक्षण।

नोट बुक—10 अंक

स्नातक खंड-II मनोविज्ञान (सामान्य)

द्वितीय पत्र

असामान्य मनोविज्ञान

खंड (क)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 50

प्रत्येक अध्याय से एक प्रश्न पूछे जायेंगे। 8 में से 4 प्रश्नों का उत्तर अनिवार्य है।

1. असामान्य मनोविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास, असामानता के विभिन्न विचार, असामानता के विशिष्ट लक्षण।
2. आकारात्मक एवं गत्यात्मक दृष्टिकोण, दैनिक जीवन का मनोविज्ञान
3. मनोलैंगिक विकास।
4. मानसिक संघर्ष एवं बचाव मनोरचनाएँ, स्वप्न क्रिया, फ्रायड एवं युंग का स्वप्न विचार।
5. मनः स्नायु विकृतियाँ—मनः स्नायु विकृतियों एवं मनोविकृतियों में अंतर। मनोग्रस्ति बाध्यता एवं मनः स्नायु विकृतियाँ। उन्माद दुर्बलता एवं लक्षण।
6. मनोविकृतियाँ—स्थिर व्यामोह एवं मनोविदलिता, दुर्बलता एवं लक्षण।
7. मनोचिकित्सा—अर्थ एवं व्यवहार, मनोविश्लेषण चिकित्सा बोध।

खंड (ख)

समय : 1 घंटा] [पूर्णांक : 50

परीक्षण

परीक्षण—बुद्धि परीक्षण—शाब्दिक मोहसिन—बिहार परीक्षण का सामान्य बुद्धि परीक्षण, क्रियात्मक अलेक्जेन्डर पट्टी का क्रियात्मक परीक्षण।

सहायक पुस्तकें :

सुलेमान नगीना—असामान्य मनोविज्ञान

आर. पी. सिन्हा एवं मिश्रा—असामान्य मनोविज्ञान।

स्नातक खंड-II मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा) तृतीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

शोध अध्ययन पद्धति

प्रत्येक अध्याय से एक प्रश्न पूछा जायेगा। पाँच प्रश्नों का उत्तर अनिवार्य है। प्रत्येक खंड से 3 से अधिक का उत्तर न दें।

खंड (क) : मनोवैज्ञानिक शोध

1. मनोवैज्ञानिक शोध की प्रकृति एवं क्रम, एक शोध विवरणी लखें।
2. प्राकल्पना—प्राकल्पना एवं समस्याएँ, प्राकल्पना के स्रोत, गुड की प्राकल्पना विशेषताएँ।
3. साक्षात्कार—अर्थ, साक्षात्कार अनुसूची, मनोवैज्ञानिक शोध का दूल की तरह साक्षात्कार का मान, साक्षात्कार में भूल का भूल स्रोत।
4. निरीक्षण एवं प्रयोग—निरीक्षण—अर्थ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ। परीक्षण—मौखिक परीक्षण, प्रयोगशाला एवं परीक्षण, उपलब्धियाँ तथा सीमाएँ।
5. निर्देशन—अर्थ, दैव निदर्शन, विचार निर्देशन, वर्गीकृत निदर्शन, निदर्शन प्रविधि।

खंड (ख) : सांख्यिकी

1. आवृत्ति विवरण—रेखाचित्र आवृत्ति, बहुभुज-स्तम्भाकृति, सञ्चयी प्रतिशत वक्र।
2. केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, विचलनशीलता, मध्यमान, बहुलक, मध्यांक चतुर्थांश विचलन, प्रामाणिक विचलन।

3. सामान्य सम्भावना वक्र एवं उपयोग, विकृत विचलन एवं कुकुदता।
4. विचलनशीलता के दो मध्यमान में भेद, संयुक्त प्रामाणिक विचलन एवं विचलन गुणांक।
5. सहसम्बन्ध—उत्पत्ति विधि एवं कोटि अन्तर विधि।

चतुर्थ-पत्र

(प्रयोग एवं परीक्षण)

समय : 4 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्रयोग—60 अंक

प्रयोग में दो प्रयोग करना अनिवार्य है।

1. मौखिक सीखना—साधारण पुनः निर्माण विधि एवं विशेष सीखना, पूर्वाभास एवं अनुबोधन विधि, युग्मित सहचर सीखना।
2. संवेदी पेशीय सीखना—धनात्मक अन्तरण एवं अद्वितीय बाधा।
3. मूलर लायर भ्रम का माप, औसत त्रुटि विधि द्वारा।
4. अवधान विस्तृति एवं अवधान विभक्तता।
5. प्रत्यास्मरण एवं अभिज्ञान।

खंड (ग) : नोट बुक

परीक्षण—10 अंक टेस्ट—10 अंक

1. परीक्षार्थी उपर्युक्त परीक्षण करें एवंनोट बुक में रिपोर्ट की तैयारी कर परीक्षण के समय जरूर पेश करें।
2. विद्यार्थी उपर्युक्त बुद्धि परीक्षण हल करें।

सहायक पुस्तकें :

मनोविज्ञान में प्रयोग एवं परीक्षण—आर. आर. पी. सिन्हा।

स्नातक खंड-II समाजशास्त्र (सामान्य)

प्रथम-पत्र

भारतीय सामाजिक संस्कृति

1. भारतीय सामाजिक संस्थाएँ—एक परीक्षण—विवाह वर्णाश्रम, संयुक्त परिवार, पुरुषार्थ कर्म।
2. स्त्रियों का स्थान, वैदिक, मध्य एवं आधुनिक समय में।
3. मुस्लिम परिवार एवं विवाह, मुस्लिम स्त्रियों की स्थिति, तलाक।
4. भारतीय जाति व्यवस्था, जाति प्रथा की विशेषताएँ। जाति एवं वर्ण।

स्नातक खंड-II समाजशास्त्र (सहायक)

द्वितीय-पत्र

सामाजिक मानवशास्त्र

1. मानवशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र, इसके विभाग एवं अन्य सामाजिक विज्ञान के साथ सम्बन्ध।
2. पूर्व स्टोनकाल एवं न्यू स्टोनकाल का पूर्व इतिहास, उनके सांस्कृतिक विकास।
3. विवाह, परिवार एवं नातदारी।
4. धर्म एवं जादू—धर्म की उत्पत्ति की परिभाषा एवं अर्थ धर्म-जादू में अंतर।
5. आदिम अर्थव्यवस्था का स्वरूप, आदिम अर्थव्यवस्था में बदलाव एवं विशेषताएँ।
6. टोटमएवं टोटमवाद की विशेषताएँ।
7. युगुह (युवा संगठन)—संरचना एवं प्रकार्य।
8. भारत में जनजातीय समस्याएँ एवं जनजातीय कल्याण।

9. बिहार एवं झारखण्ड जनजातियाँ—मुंडा, उराँव, संथाल उनके सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं धार्मिक जीवन

सहायक पुस्तकें :

1. सामाजिक मानवशास्त्र की रूपरेखा—रवीन्द्रनाथ मुखर्जी।
2. सामाजिक मानवशास्त्र—जी. के. अग्रवाल।

स्नातक खंड-II समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र

सामाजिक मानवशास्त्र (SOCIAL ANTHROPOLOGY)

1. Social Anthropology (सामाजिक मानवशास्त्र) : Nature and Scope of Social Anthropology, Its relation with other social sciences, i.e. Sociology, History, Economics and Psychology.
2. Race (प्रजाति) : Definition determinants and Classification, racial elements in Indian Population.
3. Social Organization (सामाजिक संगठन) : Family, Marriage Kinship, Youth Organization, Modes of acquiring mates.
4. Economic Organization (आर्थिक संगठन) : Definition, Characteristics and Stages of development.
5. Religion and Magic (धर्म एवं जादू) : Definition, importance, distinction between magic and religion, origin of religion.
6. Primitive Law and Justice (आदिम कानून एवं न्याय व्यवस्था)
7. Tribal Problems and Welfare (जनजातीय समस्याएँ एवं कल्याण कार्यक्रम)
8. Bihar and Jharkhand Tribes (बिहार एवं झारखंड जनजातियाँ) : Munda, Oraon and Santhal, their social, economic, political and religious life.
9. Impact of Industrialization and Urbanization on Bihar tribes (बिहार एवं झारखंड की जनजातियों पर औद्योगिकीकरण एवं नगरीकरण का प्रभाव)

सहायक पुस्तकें :

1.	Majumdar and Madan	: Races and Cultures of India
2.	Piddington	: Social Anthropology
3.	Sachchidananda	: Culture change in Bihar tribal
4.	Ziyauddin Ahmad	: Bihar Ke Adibasi
5.	रमेश श्रीवास्तव	: सामाजिक मानव विज्ञान
6.	रविन्द्र नाथ मुखर्जी	: सामाजिक मानवशास्त्र
7.	गुप्ता एवं शर्मा	: सामाजिक मानवशास्त्र

स्नातक खंड-II समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा)

चतुर्थ-पत्र

सामाजिक शोध

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण—धारणा, सामाजिक शोध एवं सामाजिक सर्वेक्षण में भिन्नताएँ।
2. वैज्ञानिक पद्धति—अर्थ एवं विशेषताएँ।

3. परिकल्पना, विशेषताएँ, प्रकार, सीमाएँ, महत्व।
4. सामग्री की पद्धति—(क) अवलोकन, (ख) व्यक्तिगत अध्ययन, (ग) साक्षात्कार।
5. निर्देशन—धारणा, प्रकार, प्रबलता एवं विश्वसनीयता, निर्देशन।
6. टूल—(क) प्रश्नावली एवं अनुसूची, (ख) निर्माण—लिकर्ट बोगार्डस सोसियोमेट्री।
7. शोध प्रारूप—अन्वेषणात्मक एवं वर्णनात्मक शोध प्रारूप।

सहायक पुस्तकें :

1. सामाजिक अनुसंधान और सर्वेक्षण—रवीन्द्रनाथ मुखर्जी।
2. सामाजिक शोध—जी. के. अग्रवाल।

स्नातक खंड-II अर्थशास्त्र (सामान्य)

प्रथम-पत्र

मैक्रो अर्थशास्त्र (Macro Economics)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. मैक्रो अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं महत्व, राष्ट्रीय आय लेखा।
2. मुद्रा—विकसित एवं अर्धविकसित, अर्थशास्त्र, में मुद्रा का स्वरूप, मुद्रा का मूल्य, निर्देशांक का परिमाण सिद्धान्त, बचत एवं विनियोग सिद्धान्त, मुद्रास्फीति, वस्तुनिष्ठ मौद्रिक नीति।
3. बैंकिंग—शाखा बैंकिंग एवं ईकाई बैंकिंग, साख का निर्माण, साधनों के वितरण। केन्द्रीय बैंकिंग, साख नियंत्रण के सिद्धान्त, भारतीय मुद्रा बाजार।
4. I.M.F. एवं I.B.R.D. का वस्तुस्थिति एवं कार्य।
5. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में तुलनात्मक लागत सिद्धांत। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ, भुगतान संतुलन एवं भुगतान को दूर करने के उपाय।
6. स्वतंत्र व्यापार बनाम संरक्षण।

सहायक पुस्तकें :

1. मैक्रो अर्थशास्त्र—एल. एम. राय।
2. मुद्रा एवं मौद्रिक संस्थाएँ—एल. एस. राय।

स्नातक खंड-II अर्थशास्त्र (सहायक)

द्वितीय-पत्र

भारतीय अर्थशास्त्र एवं नियोजन

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. योजना—आवश्यकता एवं उद्देश्य।
2. योजना के प्रकार—पूँजीवाद, समाजवाद एवं मिश्रित आर्थिक योजना, इन्डकसेट एवं डायरेक्टर द्वारा योजना।
3. भारतीय अर्थशास्त्र की विशेषताएँ।
4. दरिद्रता, बेरोजगारी एवं उनका उन्मूलन।
5. जनसंख्या—रूप एवं विकास, जनसंख्या नीति।
6. कृषि—कृषि के पिछड़ेपन के कारण, कृषि विकास के नये स्रोत, हरित क्रांति।
7. भूमि सुधार—जोत का सीमा निर्धारण, सहकारी कृषि, चकबन्दी।
8. कृषि—साख, सहकारी-व्यावसायिक बैंक, ग्रामीण बैंक, NABARD
9. 1956, 1977, 1980, 1990 और 1991 की नई आर्थिक नीति।
10. वृहत् उद्योग—लोहा एवं इस्पात, सीमेंट, चीनी, जूट एवं कपड़ा।

11. लघु उद्योग, महत्व, समस्या एवं पंचवर्षीय योजना में विकास की माप।
12. भारत का वैदेशिक व्यापार—संकल्प एवं रचनात्मक।
13. भारत की नवीं एवं दसवीं पंचवर्षीय योजना।
14. यातायात—रेल और सड़क, महत्व और समस्याएँ।

सहायक पुस्तकें :

1. आर्थिक, नियोजन एवं भारतीय अर्थव्यवस्था—एल. एन. राय।
2. भारतीय अर्थव्यवस्था—रूद्रदत्त एवं सुन्दरम्।

स्नातक खंड-II अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र

भारत की आर्थिक समस्याएँ (स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. भारतीय अर्थशास्त्र की मूल विशेषताएँ, भारतीय राष्ट्रीय आय एवं प्रगति के नियम।
2. भारतीय जनसंख्या का आकार एवं विकास, जनसंख्या नीति व कार्यक्रम।
3. कृषि उत्पादकता—आर्थिक विकास में कृषि की भूमिका, उत्पादकता के नियम।
4. भूमि सुधार की आवश्यकता, जमींदारी उन्मूलन, जोतों का सीमा निर्धारण, जोतों के आधार एवं उत्पादकता, सहकारी एवं एकत्रित कृषि।
5. साख—साख के साधन, सहकारी साख नियम, भूमि विकास बैंक, राष्ट्रीयता, व्यावसायिक बैंक, लोक बैंक नियम, ग्रामीण बैंक, NABARD.
6. कृषि मजदूरी, मजदूरी एवं स्तर, न्यूनतम मजदूरी की अवस्था एवं पूर्ण करना।
7. उद्योग—1948, 1956 एवं 1991 की औद्योगिक नीति, भारत में आर्थिक विकास की भूमिका सार्वजनिक क्षेत्र में।
   निम्नांकित उद्योग—लोह एवं इस्पात, चीनी, सूती वस्त्र एवं सिमेन्ट, जूट।
8. लघु उद्योग—आर्थिक विकास में महत्व, नई आर्थिक नीति, लघु उद्योग की समस्याएँ एवं समाधान, पंचवर्षीय योजना में लघु उद्योग।
9. औद्योगिक वित्त—वित्त के साधन, औद्योगिक वित्त निगम (IFC), (SFC) भारत का औद्योगिक विकास बैंक (IDBI), कार्य।
10. औद्योगिक श्रम—भारत में श्रमिक संघ आन्दोलन, श्रम कल्याण कार्य एवं कार्यशीलता की माप एवं सामाजिक सुरक्षा माप।
11. विदेशी व्यापार—झुकाव, भारत के वैदेशिक व्यापार की संरचना एवं सुझाव।
12. यातायात—पंचवर्षीय योजना में रेलवे और इसकी समस्याएँ एवं विकास और महत्व, रेल एवं सड़क स्पर्धा और समन्वयता-समन्वय।
13. बेरोजगारी—कारण एवं प्रकार, पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत बेरोजगारी योजना।
14. दरिद्रता—कारण एवं गरीबी उन्मूलन—पंचवर्षीय योजनाओं में विकास।
15. भारत में 9वीं और 10वीं योजना।

स्नातक खंड-II अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)

चतुर्थ-पत्र

लोक वित्त एवं लोक अर्थशास्त्र—लोक अर्थशास्त्र की प्रकृति

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. लोक वित्त—अधिकतम सामाजिक लाभ की परिभाषा, मूल्य एवं लाभ कराधान की परिभाषा, कर देय क्षमता के सिद्धान्त, करभाव की समस्या एवं प्रभाव।
2. कराधान के प्रकार, प्रत्यक्ष एवं परोक्ष कर, अनुपाती कर एवं प्रगतिशील कर।

3. लोक व्यय—लोक व्यय के विकास, लोक व्यय के प्रभाव।
4. लोक ऋण—लोक ऋण के प्रकार, बोझ, लोक ऋण के तरीके।
5. संघीय वित्त व्यवस्था के सिद्धान्त (Recommendation of 11th & 12th Finance Commision)
6. लोक उपक्रम—लोक उपक्रम का उद्देश्य, लोक उपक्रम के प्रकार, प्रबन्ध के प्रकार, लोक उपक्रमों की मूल्य नीति, लाभप्रद एवं उत्तरदायित्व लोक उपक्रम, भारत में उपक्रमों की कार्यशीलता।
7. बेरोजगारी एवं सम्पूर्ण रोजगार।

सहायक पुस्तकें :

भारत में लोक उद्योग—बी. एन. त्रिपाठी।

राजस्व के सिद्धान्त—डॉ. सुमन।

राजस्व के सिद्धान्त—एल. एन. राय।

स्नातक खंड-II गृह विज्ञान (सामान्य)

अंक विभाजन—(क) वस्त्र एवं परिधान, (ख) बाल विकास, (ग) पारिवारिक।

Theory—75 अंक, Practical—25 अंक

दोनों खंडों से कम-से-कम दो प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड (अ) : वस्त्र एवं परिधान

1. तन्तुओं का वर्गीकरण।
2. सूत का निर्माण एवं बुनाई।
3. सूती, सिल्क, ऊन एवं रासायनिक विशेषताएँ।
4. परिसज्जा देने की विधि।
5. भारत की निर्यातित वस्तुएँ।
6. परिधान, रख-रखाव एवं संरक्षण।

खंड (ब) : बाल विकास

1. जन्मजात बच्चों का जन्म से 1 वर्ष तक भारत में शारीरिक, संवेगात्मक, सामाजिक विकास, बाल्यावस्था से आदत छुड़ाना।
2. दूध छुड़ाना, स्तनपान छुड़ाना, कृत्रिम पौष्टिक भोजन से सम्बन्ध, लाभ-हानि, ठोस आहार का परिचय।
3. बाल्य विद्यालय वर्ष, शारीरिक, संवेगात्मक एवं बुद्धि विकास।
4. खेल—सिद्धांत एवं प्रमुखता।
5. विद्यालय अवस्था—बच्चों का शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास 6 से 12 वर्ष तक।
6. यौवन—यौवन एवं अपराध की समस्याएँ।

प्रायोगिक—प्रारूप कटाई, सिलाई, स्कर्ट, कुर्ती, ब्लाउज, पैजामा, 12 वर्ष के लिए कुर्ता कटाई तकिया कवर—2 पीस।

स्नातक खंड-II गृह विज्ञान (सहायक)

द्वितीय-पत्र

(क) वस्त्र कला एवं परिधान, (ख) पारिवारिक संबंध।

1. तन्तुओं का वर्गीकरण।
2. सूत का निर्माण, बुनाई एवं परिसज्जा।

3. सूती सिल्क, ऊन एवं रासायनिक विशेषताएँ।
4. परिधान का रख-रखाव एवं संरक्षण।
5. घरेलू ड्राई क्लीनिंग—दाग-धब्बा छुड़ाना।

खंड (ख) : पारिवारिक सम्बन्ध

1. परिवार—मूल कार्य, संयुक्त एवं मूल परिवार, उसके लाभ एवं हानि।
2. विवाह—प्रकार, कार्य, नैतिक विवाह में एकीकरण।
3. माता-पिता एवं बच्चों का सम्बन्ध, विभिन्न सम्बन्धी एकलकीय-अविभावकीय।
4. भारतीय समाज में वृद्ध की जगह, वृद्ध की सामाजिक, आर्थिक एकीकरण की समस्या।

प्रायोगिक—प्रारूप, कटाई, साड़ी की सिलाई, पेटीकोट, ब्लाउज, चूड़ीदार एवं जनानी कुर्ता, इम्ब्राइडरी, तकिया खोल 4 पीस।

स्नातक खंड-II गृह विज्ञान (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

पथ्य आहार

1. रोगी की सुरक्षा का तरीका।
2. संतुलित पथ्य का रूपान्तर, तरल एवं हल्का पथ्य।
3. पथ्य की तैयारी, तालन-पोषण के नियोजन एवं गणना, प्रत्येक अवस्था का निर्देश।
4. उच्च तापमान इकाई एवं निम्न तापमान इकाई; खाद्य, निम्न माप, उच्च माप।
5. ताप टाईफड।
6. उच्च ताप, खाद्य-अपच।
7. कार्बोहाइड्रेट—अवरोध, आहार, मधुमेह, मैलीटोस।
8. सोडियम अवरोध आहार—हृदय रोग।
9. कोमल आहार—अल्सर।
10. संतुलित आहार—यकृत।
11. खाद्य कमी—कमजोरी (एलरजी)

स्नातक खंड-II गृह विज्ञान (प्रतिष्ठा)

चतुर्थ-पत्र

गृह व्यवस्था

1. गृह व्यवस्था के सिद्धांत, मूल्य लक्ष्य एवं स्तर, व्यवस्था स्वरूप, योजना निर्देशन, निर्णय प्रक्रिया, स्वरूप, अच्छी गृह व्यवस्था का स्तर।
2. परिवार की विभिन्न जरूरतों के लिए रूम की योजना।
3. किरायेदार बनाम मालिक।
4. घर के कार्य।
5. गृह व्यवस्था के साधन—प्रतिदिन, साप्ताहिक एवं घर का ऋतु सफाई, द्रव्य की सफाई, ग्लास, क्रॉकरी, लकड़ी एवं अन्य की सफाई।
6. अन्तर्सज्जा—निर्णय का रूप, सज्जा के सिद्धान्त, रंग, छत की विभिन्न प्रकार की सजावट।
7. फर्नीचर की सफाई—चुनाव के प्रकार, फर्नीचर की खरीद, फर्नीचर की देखभाल।
8. धन व्यवस्थापन—परिवार के प्रकार, बजट, लेखा-जोखा, बचत, खर्च।

सहायक पुस्तकें :

गृह व्यवस्था—श्रीमती कान्ति पाण्डे।

गृह विज्ञान प्रायोगिक

1. रोगी की आहार योजना का Theory पेपर में समायोजन।
2. घरेलू उपकरण की सफाई।
3. विभिन्न कमरों में फर्नीचर व्यवस्था का आकार।
4. विभिन्न रूपों में फूल व्यवस्था।
5. साधारण इलेक्ट्रिक सामानों की मरम्मत, आइरन के फ्यूज प्लग की मरम्मत।

स्नातक खंड-II दर्शनशास्त्र (सामान्य)

तत्व मीमांसा एवं ज्ञान मीमांसा

द्वितीय-पत्र

[पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटे]

1. दर्शनशास्त्र की प्रकृति, विज्ञान एवं धर्म से सम्बन्ध।
2. तत्व विज्ञान के सिद्धान्त—बुद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद, वस्तुवाद, प्रत्ययवाद।
3. ईश्वरवाद के सिद्धान्त—अनेकेश्वरवाद, केवल निमित्तेश्वरवाद, निमित्तोपादानेश्वरवाद, ईश्वरवाद।
4. सृष्टिवाद एवं विकासवाद, विकास का डार्विन सिद्धान्त।
5. सत्यता का सिद्धांत—संवादितावाद एवं सामंजस्यवाद, व्यवहारिकतावाद।
6. कार्यकारण प्रभाव—एरिस्टोटल, मिलहून।

सहायक पुस्तकें :

1. दर्शनशास्त्र की रूपरेखा—राजेन्द्र प्रसाद।
2. तत्व विज्ञान—ऐ. के. वर्मा।

स्नातक खंड-II दर्शनशास्त्र (सहायक)

द्वितीय-पत्र

तत्व विज्ञान एवं नीतिशास्त्र

[पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटे]

1. दर्शनशास्त्र की प्रकृति।
2. ज्ञान के साधन सम्बन्धी सिद्धान्त, अनुभववाद, समीक्षावाद।
3. तत्व सम्बन्धी मत का सिद्धान्त, भौतिकवाद, प्रत्ययवाद।
4. ईश्वर एवं विश्व के सम्बन्ध सम्बन्धी सिद्धान्त।
5. नीतिशास्त्र की प्रकृति।
6. नैतिक एवं अनैतिक सक्रियता।
7. नैतिक निर्णय की प्रकृति एवं वस्तु नैतिक मान्यताएँ।
8. नैतिकता के स्वीकृत तथ्य।
9. नैतिक सिद्धान्त—सुखवाद, पूर्णतावाद, कठोरतावाद।

सहायक पुस्तकें :

1. दर्शनशास्त्र की रूपरेखा—राजेन्द्र प्रसाद।
2. आचारशास्त्र—ए. के. वर्मा।

स्नातक खंड-II दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र

नीतिशास्त्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. नीतिशास्त्र का स्वरूप।
2. नैतिक प्रत्यय—उचित एवं शुभ कर्तव्य—दायित्व।
3. नैतिक तथा नीति शून्य कर्म।
4. नैतिक कर्म का विश्लेषण।
5. नैतिकता की आवश्यकता।
6. नैतिक मान्यता के स्वरूप।
7. नैतिक प्रायोजन के विषय—प्रयोजन, अभिप्राय।
8. नैतिकता का मापदंड—बाह्य नियम, बुद्धिवाद, अन्त प्रज्ञावाद, आत्मपूर्णतावाद।
9. दंड के सिद्धान्त—प्रतिकारवाद, सुधारवाद तथा अन्य।
10. भारतीय नीति दर्शन—पुरुषार्थ, गीता की नीति।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. आचारशास्त्र—ए. के. वर्मा, 2. नीतिशास्त्र—बी. एन. सिंह।

स्नातक खंड-II दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

चतुर्थ-पत्र

पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. देकार्त सिद्धान्त, आत्मा का स्वरूप, ईश्वर गुण, विस्तार तर्क, विश्व द्रव्य विचार तथा मन और शरीर सम्बन्ध।
2. स्पिनोजा—विस्थापन, द्रव्य विचार गुण, प्रयास तथा मन और शरीर सम्बन्ध।
3. लाईब निट्ज—मोनाडस, ईश्वर, पूर्व स्थापित सामंजस्य।
4. लोक जन्मजात प्रत्ययों का खंडन, सरल तथा मिश्रित प्रत्यय, द्रव्य विचार, मूल, गुण एवंअगुण।
5. बर्कले—मत का खंडन, सत्ता अनुभवमूलक है।
6. ह्यूम—संस्कार तथा प्रत्यय, कार्य कारण तथा सन्देहवाद।
7. कान्ट—धारणा, ज्ञान की रचना, सन्देहवाद, समय तथा दूरी, पदार्थ, घटनाएँ तथा परात्पता।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. बद्रीनाथ सिंह—पाश्चात्य दर्शन।
2. ए. के. वर्मा—पाश्चात्य दर्शन।
3. वाई मसीह—पाश्चात्य दर्शन।

स्नातक खंड-II प्राचीन भारत एवं एशियाई अध्ययन (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र

दक्षिणी पूर्वी एशिया का सांस्कृतिक इतिहास (प्रथम शताब्दी से 1500 ए. डी.)

पाठ्य—सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, कला एवं संस्कृति, भाषा एवं साहित्य कम्बोडिया (चम्पा एवं श्याम), इण्डोनेशिया (जावा एवं सुमात्रा)।

सहायक पुस्तकें :

1. दक्षिण पूर्वी एशिया में भारतीय संस्कृति—सत्यकेतु विद्यालंकार
2. दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति—आर. एन. पाण्डेय।

अथवा—भारतीय कला, संस्कृति एवं पुरातत्व।

पाठ्य—भारतीय कला का इतिहास, मौर्य कला, शुंग कला, गंधार कला, मथुरा कला, अजन्ता पेंटिंग, संस्कृति, अशोक स्तंभ, साँची स्तूप, भरहुत-स्तूप, भाजा एवं कार्ले गुफाएँ, गुप्ता मन्दिर, ओरियन मन्दिर (लिंगराज कामार्क), खजुराहो मन्दि (खिंडारिक महादेव मन्दिर), एलोरा मन्दिर (कैलाश नाथ), पल्लव संस्कृति (महाबलीपुरम रथ), चौला मन्दिर (वृहदेश्वर)।

पुरातत्व—पुरातत्व से परिचय, भारतीय पुरातत्व का इतिहास, जगह की व्याख्या।

एथ्नोलोजिकी का सिद्धान्त।

सहायक पुस्तकें : प्राचीन भारतीय संस्कृति और कला—राजकिशोर प्रसाद।

स्नातक खंड-II प्राचीन भारत एवं एशियाई अध्ययन (प्रतिष्ठा)

चतुर्थ-पत्र

प्राचीन भारतीय राजनीति

(वैदिक युग से 647 ए. डी. तक)

धारणा : राज्य की उत्पत्ति सप्तांग सिद्धान्त, राज्य के कार्य एवं धारणा।

राजतंत्र की उत्पत्ति, सभा एवं समिति, प्रजातंत्र, प्रजातंत्र का दृढ़ एवं कमजोर विन्दु एवं विशेषताएँ।

ग्राम प्रशासन—शहरी प्रशासन, राज्य का मंडल सिद्धांत, कराधान, आय व्यय।

सहायक पुस्तकें :

1. प्राचीन भारतीय शासन पद्धति—अलतेकर
2. प्राचीन भारतीय राजनीति तथा शासन व्यवस्था—राधाकृष्ण चौधरी
3. प्राचीन भारत में राजनीति शासन व्यवस्था—सत्यकेतु विद्यालंकार।

स्नातक खंड-II प्राचीन भारत का सामाजिक तथा आर्थिक इतिहास (सामान्य)

(आरम्भ से 647 ए. डी.)

द्वितीय-पत्र

खंड (क) : सामाजिक इतिहास

सामाजिक इतिहास की धारणा, वर्ण तथा जाति-व्यवस्था, आश्रम-प्रथा, संस्कार, विवाह, स्त्रियों की स्थिति, पुत्र के प्रकार, गुरुकुल प्रथा, अध्यापक तथा विद्यार्थी का सम्बन्ध, शिक्षा, छुआछूत, शैक्षणिक संस्थान—नालन्दा, तक्षशिला, विक्रमशिला।

खंड (ख) : आर्थिक इतिहास

पाठ्य—कराधान, कृषि, गिल्ड्स, व्यापार तथा औद्योगिक वाणिज्य भूमि का अधिकार, आर्थिक इतिहास की धारणा।

सहायक पुस्तकें :

1. प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति—अलतेकर
2. प्राचीन भारत का आर्थिक इतिहास—राधाकृष्ण चौधरी
3. प्राचीन भारत का धार्मिक, सामाजिक तथा आर्थिक इतिहास—सत्यकेतु विद्यालंकार
4. प्राचीन भारतीय संस्कृति—विनोदचन्द्र पाण्डेय।

स्नातक खंड-II प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास (सहायक)
(हिन्दु सभ्यता से 647 ए० डी०)
द्वितीय-पत्र

खंड (क) सामाजिक इतिहास

पाठ्य—सामाजिक इतिहास की धारणा, संस्कृति, वर्ण तथा आश्रम।

विवाह—स्त्रियों की स्थिति, सुरक्षा, छुआछूत, पुत्र के प्रकार।

शिक्षा—प्राचीन भारत की शैक्षणिक संस्थाएँ (नालन्दा, विक्रमशिला, तक्षशिला विश्वविद्यालय।

खंड (ख) आर्थिक इतिहास

कराधान, कृषि, शिल्प, व्यापार तथा वाणिज्य, भूमि का अधिकार।

नोट—ऐतिहासिक जगहों की यात्रा सिलेबस का एक अंग है।

स्नातक खंड-II श्रम एवं समाज कल्याण (सामान्य)
L.S.W. (LABOUR & SOCIAL WELFARE)

This Paper will consist of 100 Marks.

Labour and Social Problems :

1. The Welfare State—Meaning nature and objectives.
2. Poverty—Nature and causes, Measures to remove it.
3. Unemployment and underemployment—Types, Causes and various measures to remove unemployment.
4. Standard of living of labour—Causes of low standard of living of labour in India.
5. Housing—Importance of housing facilities, Causes of bad housing condition in India. Slums and slums removal.
6. Problem of Beggary—Causes, Types and Cures.
7. Alcoholism—Causes, effects, measures to remove it.
8. Comes—Nature and causes, Types, Crimes against women and children. Measures to remove crimes.
9. Inequality in distribution of Wealth and Income; causes and measures to remove it.
10. Indusrial peace—Causes of labour unrest, types of strikes, measures toensure industrial peace.
11. Industrial Relations—Collective bargaining.

Books Recommended :

1. श्रीधर पाण्डेय—व्यवसाय, संगठन और औद्योगिक अर्थशास्त्र
2. श्रीधर पाण्डेय—श्रम समस्याएं और समाज कल्याण
3. श्रीधर पाण्डेय—श्रम अर्थशास्त्र और सामाजिक सुरक्षा
4. श्रीधर पाण्डेय—सार्वजनिक अर्थशास्त्र
5. पी॰ आर॰ एन॰ सिन्हा एवं इन्दुबाला—श्रम और समाज कल्याण।

स्नातक खंड-II श्रम एवं समाज कल्याण (सहायक)
द्वितीय-पत्र

One Paper of 100 Marks.

Labour and Social Problems and Legislation :

1. The Welfare State—Meaning nature and objectives.
2. Poverty—Nature and causes, Measures to remove it.
3. Unemployment and underemployment—Types, Causes and various measures to remove unemployment.
4. Standard of living of labour—Causes of low standard of living of labour in India.
5. Housing—Importance of housing facilities, Causes of bad housing condition in India. Slums and slums removal.
6. Problem of Beggary—Causes, Types and Cures.
7. Alcoholism—Causes, effects, measures to remove it.
8. Comes—Nature and causes, Types, Crimes against women and children. Measures to remove crimes.
9. Inequality in distribution of Wealth and Income; causes and measures to remove it.
10. Industrial peace—Causes of labour unrest, types of strikes, measures to ensure industrial peace.
11. Industrial Relations—Collective bargaining.
12. Factory Act, 1948.
13. Mines Act.
14. Provident Fund Act.
15. Payment of Wages Act.
16. Workers Compensation Act.
17. Marriage and Dowary Acts
18. Maternity Benefits Act.

Books Recommended :

As in General Paper.

स्नातक खंड-II श्रम एवं समाज कल्याण (प्रतिष्ठा)
तृतीय-पत्र

Organisation and Management :

1. Management—Concept & Nature of management. Nature & Scope of Personnel Management, Role to orgazine, Problems of management, Social responsibilities of management. Principles of management, Functions of personnel management. Qualities of personnel management concept in India.

2. Scientific management—Meaning, Nature, Methods, Objectives, Position in India.
3. Rationalisation—Meaning and significance methods, development problems of Rationalisation in India.
4. Social and Human relation in Industries—Significance and growth of human relations in Industries.
5. Industrial Psychology—Objectives, Nature, Methods, Principles.
6. Incentives and Motivations—Nature, Objectives and Types.
7. Man Power Planning—Meaning, Steps, Techniques.
8. Man Power development—Meaning, Steps, Techniques, Training—Types, Principles and Methods.
9. Grievances and handling of grievances.
10. Problems of Monotony and fatigue.
11. Employees Morale—Methods and principles of ensuring employees moral.
12. Communications—Meaning, Purpose, effects, barriers, effective communications.
13. Service Conditions and recruitment procedure—Transfer and promotions.
14. Conflict Management.

Books Recommended :

1. श्रीधर पाण्डेय—श्रम अर्थशास्त्र और सामाजिक सुरक्षा।
2. श्रीधर पाण्डेय—व्यवसाय, संगठन और औद्योगिक अर्थशास्त्र।
3. R. S. Dwivedi—Human Relations in Organizational Behaviour
4. C.B. Mamoria—Personal Management
5. श्रीधर पाण्डेय—श्रम समस्याएँ और समाज कल्याण।

स्नातक खंड-II श्रम एवं समाज कल्याण (प्रतिष्ठा)

चतुर्थ-पत्र

LABOUR RELATIONS AND TRADE UNIONISM

1. Concept of industrial relations—Subject matter and scope, approaches to industrial relations.

2. Types and causes of conflict—Conflict resolution, Role of State in industrial relations, evolution of industrial relations in India.

3. Industrial peace and industrial disputes—Significance of industrial peace, forms of industrial unrest. Strikes—Types, causes and measures to solve the problem. Methods of prevention of industrial disputes. Workers participation in management. Position in India. Settlement of industrial disputes—Existing machinery in India. Industrial disputes in public sector in India. Causes of disputes and machinery to solve the problem—Essential Services Maintenance Act, 1981. Prevention and settlement of industrial disputes in U.K. and U.S.A.

4. Collective Bargaining—Nature, features, methods, functions, significance. Principles, Scope, factors hinderin collective bargaining in India. Adjudication Vs collective bargaining in India.

5. Trade Unionism—Nature and causes of Trade Unionism, theories of trade unionism; Forms and methods of trade unionism, objective of trade unionism, functions in Trade unionism—Characteristics of strong trade Unionism. Trade Unionism in India. Strength and weaknesses of trade unionism in India. Recommendations of National Laboule Commission and Labour Union Commission.

Books Recommended :

1. C.B. Mamoria—Industrial Relations in India.
2. V. Agnihotri—Industrial Relations in India.
3. T. N. Bhaoliwal—Industrial Relations in India.
4. श्रीधर पाण्डेय—श्रम अर्थशास्त्र और सामाजिक सुरक्षा।
5. श्रीधर पाण्डेय—श्रम समस्याएँ और समाज कल्याण
6. श्रीधर पाण्डेय—पिछड़ा देशों का आर्थिक विकास।

स्नातक खंड-II भूगोल (पास तथा सब्सिडियरी)

द्वितीय-पत्र

[पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे]

भारत का भूगोल

इस पाठ्यक्रम में पाँच यूनिट है। प्रत्येक ग्रुप से दो प्रश्न निर्धारित है। प्रत्येक यूनिट से एक उत्तर अनिवार्य है।

पेपर (अ)

यूनिट 1. भू-आकृति, बनावट, मानसून, मिट्टी एवं वनस्पति।

यूनिट 2. मुख्य फसलें—चावल, गेहूँ, चाय, गन्ना।

यूनिट 3. मुख्य खनिज उद्योग—कोयला, पेट्रोलियम, लौह अयस्क, मैंगनीज, अबरख।

यूनिट 4. जनसंख्या—विकास, वितरण, समस्याएँ तथा नीति, ग्रामीण बसाव के प्रकार।

यूनिट 5. बिहार—प्राकृतिक बनावट, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, कृषि, बाढ़, जनसंख्या।

यूनिट 6. मुख्य उद्योग—लोहा एवं इस्पात, रूई, सूती वस्त्र तथा चीनी।

भूगोल प्रायोगिक

द्वितीय-पत्र

[पूर्णांक : 25

समय : 2 घंटे]

पेपर (ब)

यूनिट 1. मानचित्र प्रक्षेप—सिलेन्ड्रिकल इक्वल एरिया तथा कोनिकल प्रोजेक्शन, स्टैण्डर्ड एक या दो स्टैण्डर्ड पारलल के साथ।

यूनिट 2. सांख्यिकी—मीन, मेडियन, मोड, क्वारटाइल्स तथा स्टैण्डर्ड डेविएशन।

यूनिट 3. प्रैक्टिकल कार्य का रिकार्ड तथा मौखिक।

भूगोल (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र

खंड (क) भारत तथा बिहार

[पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे]

पाँच युनिट से 2-2 प्रश्न रहेंगे। एक उत्तर अनिवार्य है।

1. प्राकृतिक बनावट—जलवायु, मानसून, प्राकृतिक वनस्पति।
2. कृषि—सिंचाई, भारतीय कृषि के प्रकार, मुख्य फसलें, कृषिगत उद्योग।
3. उद्योग—लोहा तथा इस्पात, सूती वस्त्र, चीनी, सीमेन्ट तथा उर्वरक उद्योग। उपरोक्त उद्योगों का ऐतिहासिक तथा क्रमबद्ध विकास एवं क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
4. जनसंख्या—विकास, वितरण, जनसंख्या की समस्या तथा नीति; ग्रामीण बसाव के प्रकार तथा नगरीय बसाव के विकास की समस्याएँ।
5. बिहार—प्राकृतिक बनावट—मुख्य नदी घाटी योजना, कृषि क्षेत्र, खनिज (कोयला, लोहा, अयस्क, बॉक्साइट, अभ्रक), बिहार के मुख्य औद्योगिक क्षेत्र, बिहार के सुखाड़ एवं बाढ़ की समस्या।

चतुर्थ-पत्र

(आर्थिक एवं संसाधन भूगोल)

[पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे]

आर्थिक भूगोल

यूनिट (अ)

1. कृषि—प्रकार, विस्थापित, व्यापारिक खद्यान, वृक्षारोपण एवं दुग्ध उत्पादन; विश्व के मुख्य कृषि क्षेत्र।
2. उद्योग—मुख्य उद्योग—लौह तथा इस्पात, सूती वस्त्र चीनी। विश्व के मुख्य औद्योगिक क्षेत्र, उद्योग स्थापना के कारण तथा क्षेत्र, वेबर तथा वीन थेन्स के सिद्धान्त।
3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार—गेहूँ, कपास, लौह अयस्क, खनिज तेल।
   मुख्य व्यापारिक मार्ग—उत्तरी अटलांटिक, स्वेज तथा पनामा।

खंड (ख) संसाधन भूगोल (RESOURCE GEOGRAPHY)

4. संसाधन के विचार—मिट्टी, जल, जंगल, उसका वितरण, उपयोग, विश्व का मत्स्य उद्योग।
5. खनिज उद्योग—कोयला, लोहा, बॉक्साइट, खनिज तेल, मैगनीज ताँबा।
   उपरोक्त खनिजों का उत्पादन, वितरण, उपयोग।

खंड (ग) भूगोल प्रायोगिक

समय : 2 घंटे]

[पूर्णांक : 25

1. क्रेटाग्राम के प्रकार, स्फरिकलन डाइग्राम, क्लामोग्राफ, हाइदर ग्राफ विडरोज, आइसोप्लेथ तथा कोरोप्लेथ, एज ऐण्ड सेक्स पिरामिड—15 अंक
2. जोन्स, पोलीकोनिक, सिलेन्ड्रिकल, मारकोट—15 अंक
3. सांख्यिकी—मीन, मीडियन, मोड, क्वारटाईल्स, स्टेन्डर्ड डेविएशन—10 अक
4. रेकार्ड—प्रैक्टीकल वर्क तथा मौखिक—10 अंक

■■■

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

CONTENTS

B. A. PART-III

GENERAL, SUBSIDIARY AND HONOURS

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 2
2.	English Honours & General	 9
3.	संस्कृत प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 13
4.	प्राकृत प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 15
5.	Urdu Honours & General	 17
6.	Persian Honours & General	 19
7.	इतिहास प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 21
8.	राजनीति शास्त्र प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 23
9.	गृहविज्ञान प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 26
10.	लोक प्रशासन प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 29
11.	समाजशास्त्र प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 32
12.	Economics Honours & General	 35
13.	Philosophy Honours & General	 39
14.	भूगोल प्रतिष्ठा एवं सामान्य	 42
15.	Labour and Social Welfare General & Honours	 46
16.	Ancient History Honours & General	 48
17.	Psychology Honours & General	 51
18.	General Studies & Environmental Studies	 56

...र कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा B. A. PART-III

स्नातक खण्ड-3

प्रधान हिन्दी

(सामान्य छात्रों के लिए)

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं

हिन्दी भाषा तथा लिपि का सामान्य अध्ययन

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

अंक विभाजन :

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास में आलोचनात्मक प्रश्न तीन प्रश्न	:	20x3=60 अंक
(ख) हिन्दी भाषा और भोजपुरी भाषा से परिचयात्मक प्रश्न-दो प्रश्न	:	10x2=20 अंक
(ग) देवनागरी लिपि पर दो प्रश्न	:	10x2=20 अंक
		कुल 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास की रूप रेखा–विभिन्न कालों का नामकरण प्रवृत्ति और उपलब्धि, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता का सामान्य अध्ययन एवं भारतेन्दु-युग, द्विवेदी-युग का सामान्य अध्ययन।

आधार ग्रंथ–(1) हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

(2) हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास डॉ० नामवर सिंह ।

(ख) भाषा और बोली तथा देवनागरी लिपि–

हिन्दी भाषा–स्वरूप एवं विशेषताएँ ।

भोजपुरी–भाषा का परिचय, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ ।

आधार ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा का इतिहास–डॉ० धीरेन्द्र वर्मा ।
2. आधुनिक साहित्यिक निबंध–डॉ० त्रिभुवन सिंह ।
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना–डॉ० वासुदेव नन्दन प्रसाद भारती भवन, पटना ।
4. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि–डॉ० भोलानाथ तिवारी ।

हिन्दी प्रतिष्ठा

पंचम पत्र

इतिहास एवं काव्य

(हिन्दी साहित्य का इतिहास-छायावाद से लेकर अद्यतन साहित्य तक)

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

अंक विभाजन :

(क) इतिहास	:	20 x 2 = 40 अंक

(ख) काव्य	:	15 x 2 = 30 अंक
(ग) व्याख्या	:	10 x 2 = 20 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ	:	10 x 1 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

आधार ग्रंथ :

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
2. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग-1, 2–आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास–सम्पादक, डॉ० नगेन्द्र ।
4. वृहद साहित्यिक निबन्ध–सं० डॉ० त्रिभुवन सिंह ।
5. आधुनिक साहित्यिक निबंध–सं० डॉ० त्रिभुवन सिंह ।

(ख) काव्य :

निर्धारित ग्रंथ : छायावादोत्तर काव्य-संग्रह–सं० डॉ० रामनारायण शुक्ल एवं डॉ० श्री निवास पाण्डेय, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी ।

पाठ्यांश :

अज्ञेय	– कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, यह द्वीप अकेला ।
नागार्जुन	– बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद ।
केदारनाथ अग्रवाल	– चन्द्रगहना, मैंने उसको जब जब देखा, माझी न बजाओ वंशी ।
धर्मवीर भारती	– कविता की मौत, समुद्र स्वप्न ।
मुक्तिबोध	– चकमक की चिंगारियाँ, एक भूतपूर्व विद्रोही ।
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	– सौन्दर्यबोध, पिछड़ा आदमी ।
श्रीकान्त वर्मा	– हस्तिनापुर का रिवाज, धर्मयुग, तीसरा रास्ता ।

अभिस्तावित ग्रंथ :

छायावाद–डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ–डॉ० नामवर सिंह ।

आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ–डॉ० नगेन्द्र ।

आधुनिक साहित्य–डॉ० नन्द दुलारे वाजपेयी ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास–सम्पादक–डॉ० नगेन्द्र ।

हिन्दी साहित्य-संवेदना का विकास–डॉ० राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती इलाहाबाद।

हिन्दी प्रतिष्ठा

षष्ठ पत्र

साहित्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) भारतीय साहित्य शास्त्र (काव्यशास्त्र)	:	15x3=45 अंक

(ख) साहित्यालोचन के सिद्धान्त : 15x2=30 अंक
(ग) लघुत्तरी प्रश्न : 15x1=15 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न–साहित्यालोचन से : 10x1=10 अंक
कुल 100 अंक

पाठ्य विषय :

1. **भारतीय साहित्यशास्त्र-काव्यशास्त्र :**
(क) काव्य का स्वरूप, काव्य प्रयोजन,काव्य हेतु काव्य के प्रकार, शब्द शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष, रस के स्वरूप एवं प्रकार, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण।
(ख) 1. छन्द स्वरूप एवं महत्त्व ।
2. छन्दों के लक्षण–उदाहरण–दोहा, चौपाई, रोला, उल्लाला, मत्तगयंद, गीतिका, हरिगीतिका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, लावनी, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्र वज्रा, छप्पय, कवित्त, सवैया, कुण्डलियाँ ।
(ग) 1. अलंकार–स्वरूप एवं महत्त्व ।
2. अलंकारों के लक्षण व उदाहरण–यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक अनुप्रास उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, संदेह, विभावना, भ्रान्तिमान, अपह्नुति, विशेषोक्ति, असंगति, विरोधाभास, प्रतीप, तुल्ययोगिता ।

2. **साहित्यालोचना के सिद्धान्त :**
काव्य एवं गद्य साहित्य के प्रमुख रूपों एवं विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन यथा–महाकाव्य खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, चम्पूकाव्य, नाटक, एकांकी, गीतिनाट्य, रेडियो रूपक, काव्य रूपक, दूरदर्शन रूपक, कहानी, परिभाषा–तत्व एवं प्रकार, उपन्यास-तत्व–परिभाषा एवं भेद, निबंध–स्वरूप एवं प्रकार, समालोचना एवं उसके मान्य रूप । गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ–जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र फिल्मी कथा-पट एवं अभिनय, संवाद-लेखन ।

अध्ययन हेतु निर्दिष्ट आधार-ग्रंथ :

1. साहित्यलोचन – डॉ० श्याम सुन्दर दास
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ० जितराम पाठक
3. काव्यदर्पण – पं० रामदहिन मिश्र
4. अलंका मुक्तावली – प्रोफेसर देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ० भगीरथ मिश्र
6. काव्यशास्त्र : आचरण – डॉ० बद्रीनाथ तिवारी

हिन्दी प्रतिष्ठा
सप्तम पत्र
भाषा विज्ञान एवं संस्कृत

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) भाषा विज्ञान से आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45 अंक
(ख) लघुत्तरी प्रश्न : 5x3=15 अंक
(ग) संस्कृत से आलोचनात्मक प्रश्न : 10x2=20 अंक
(घ) संस्कृत के निर्धारित पाठों से हिन्दी में अनुवाद : 5x2=10 अंक
(ङ) संस्कृत के शब्द रूपों तथा धातु रूपों का लेखन : 5x2=10 अंक
कुल 100 अंक

निर्धारित पाठ्यांश :

1. **भाषा विज्ञान :** भाषा का स्वरूप, भाषा के प्रकार, प्राचीन, मध्य और आधुनिक आर्य भाषाएँ, भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के प्रकार, भाषा विज्ञान और व्याकरण में सम्बन्ध, भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि प्रयुक्त अन्य भारतीय भाषाएँ । (इन्हीं अंशों से लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे।)

2. **संस्कृत :**
अमरभारती–सम्पादक–आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा ।

निर्धारित पाठ :
(i) पंचतंत्रम – सम्पूर्ण
(ii) गीता के प्रथम – 20 श्लोक
(iii) मनुस्मृति के प्रथम – 20 श्लोक
(iv) नीतिशतकम् के प्रथम – 10 श्लोक

संस्कृत के शब्द-रूप : देव, कवि, फल, माता, पिता, वारि, नदी, लता, भवन, (आप), अस्मद्, युष्मद्, अयम (यह) सः (वह-पुरुष) सा: (वह स्त्री) ।
संस्कृत के धातु रूप : सभी विभक्तियों कालों एवं वचनों में पठ, गम, दृश, वद्, हँस, ज्ञा, पा, ह (हरना अर्थ में) ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान–डॉ० भोलानाथ तिवारी ।
2. भाषा विज्ञान की भूमिका–प्रो० देवेन्द्र नाथ शर्मा ।
3. भाषा विज्ञान : सिद्धान्त और स्वरूप : डॉ० जितराम पाठक ।

संस्कृत-संदर्भ ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ० बलदेव उपाध्याय ।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ० वचनदेव कुमार ।
3. संस्कृत व्याकरण–डॉ० कपिलदेव द्विवेदी ।
4. संस्कृति व्याकरण–प्रदीप ।

हिन्दी प्रतिष्ठा
अष्टम् पत्र
विशेष अध्ययन

- निम्नलिखित खण्डों में से किसी एक का अध्ययन अनिवार्य होगा ।

खण्ड-क : सगुण भक्ति काल

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : 15x1=15 अंक
(ग) लघुत्तरी प्रश्न-इतिहास के भक्तिकाल से : 15x1=15 अंक
(घ) पठित काव्य के लिए दिये गये दो पद्यांशों का भावार्थ : 5x2=10 अंक
कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. सुर पंचरत्न – सं० लालाभगवान दीन ।
पाठ्यांश – बाललीला के पद एवं भ्रमर गीत ।

2. कवितावली – तुलसीदास ।
पाठ्यांश – बाल काण्ड के प्रथम–10 छंद और अयोध्याकाण्ड के प्रथम 20 छंद।

संदर्भ ग्रंथ :

सूरदास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।
महाकवि सूरदास–आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी ।
सूर साहित्य की भूमिका–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
सूर की काव्य चेतना–सं० : डॉ० रत्नाकर पाण्डेय ।
तुलसीदास–डॉ० माता प्रसाद गुप्ता ।
गोसाईं तुलसीदास–आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ।
गोस्वामी तुलसीदास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

खण्ड-ख : रीति काव्य-विशेष अध्ययन

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	:	15x3=45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	:	10x3=30 अंक
(ग) लघुतरी प्रश्न-इतिहास के रीतिकाल से	:	05x3=15 अंक
(घ) पठित काव्य के लिए दिये गये दो छंदों का भावार्थ	:	5x2=10 अंक
		कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. रीति काव्य-संग्रह–सं० डॉ० जगदीश गुप्त ।
निर्धारित पाठ्यांश–बिहारी प्रारम्भ से 20 दोहे तक घनानन्द के 10 छंद तक ।

देव	–	प्रारम्भ से 10 छंद
मतिराम	–	प्रारम्भ से 10 छंद
पद्माकर	–	प्रारम्भ से 10 छंद
सेनापति	–	प्रारम्भ से 5 छंद
ठाकुर	–	प्रारम्भ से 6 छंद
जगन्नाथ दास रत्नाकर	–	उद्धवशतक 9 छंद

2. जगद नोद पद्माकर–सम्पूर्ण ।

संदर्भ ग्रंथ :

रीतिकाव्य की भूमिका डॉ० नगेन्द्र ।
रीति साहित्य डॉ० भगीरथ मिश्र ।
पद्माकर पंचामृत–पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ।
बिहारी आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ।
हिन्दी साहित्य का अतीत भाग–2–आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ।

खण्ड-ग : छायावाद – विशेष अध्ययन

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	:	15x3=45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	:	10x3=30 अंक
(ग) लघुत्तरीय प्रश्न-छायावाद की रचनाओं पर आधारित	:	5x3=15 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न छायावाद के इतिहास पर आधारित)	:	1x10=10 अंक
		कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

छायावाद-काव्यार्णव : डॉ० बद्रीनाथ तिवारी

निर्धारित काव्यांश :

जयशंकर प्रसाद	: कविताएँ–लहर की प्रारम्भिक 10 कविताएँ, प्रलय की छाया, निर्वेद (कामायनी से), हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, और आँसू–बस गई एक बस्ती है...खेल खेल का मन का।
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	: कविताएँ–प्रार्थना, नयन, देवी सरस्वती, तुम और मैं, रेखा, कैलाश में शरद्, जागो फिर एक बार–(सम्पूर्ण), स्नेह निर्झर बह गया है, शेफाली, तुलसीदास–प्रारम्भिक-20 छंद।
सुमित्रानन्दन पंत	: कविताएँ प्रथम रश्मि, उच्छ्वास की बालिका मौन निमंत्रण, बादल, पर्वत प्रदेश में पावस, चाँदनी, एक तारा, अनित्यजग निष्ठुर परिवर्तन, ताज, कहारों का रुद्र नृत्य ।
महादेवी वर्मा	: कविताएँ–निशा को धो देता राजकेश, घोर तम छाया चारो ओर, जिस दिन नीरव तारों से, मधुरिमा के मधु के अवतार चुभते ही तेरा अरुण बान, प्राणों के अंतिम पाहुन, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, प्रिय सान्ध्य गगन, चिर सजग आँखें उनींदी कह दे माँ क्या देखूँ ।
हरिवंश राय 'बच्चन'	: कविताएँ–प्राण सन्ध्या झुक गई, तुम गा दो मेरा गान, इस पार-उस पार अँधेरी रात में, पथ की पहचान, लहरों का निमंत्रण, स्वप्न में तुम हे, तुम्हीं हो जागरण में, मधुशाला को प्रारम्भिक–10 रूबाइयाँ ।
माखन लाल चतुर्वेदी	: कविताएँ–कैदी और कोकिला, जवानी, गीतों के राजा, उन्मूलित वृक्ष, प्राण का शृंगार ।
बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	: कविताएँ–प्रिय ! लो डूबा चुका है सूरज, ओ हिरनी की आँखोंवाली, जग चुकी है वर्तिका, पराजयगीत ।
रामधारी सिंह 'दिनकर'	: कविताएँ–हिमालय, वन फूलों की ओर, गीत-अगीत, प्रभाती।
राम कुमार वर्मा	: कविताएँ–जागरण की ज्योति, तिरस्कार मौन करुणा ।
नरेन्द्र शर्मा	: कविताएँ–चाहना नहीं था, युग बदला, प्यासा निर्झर, मोती मस्जिद से ताज महल ।

सहायक-ग्रंथ :

छायावाद–डॉ॰ नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी–नन्द दुलारे वाजपेयी, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।

सुमित्रानंदन पंत–नन्ददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, दिल्ली ।

जयशंकर 'प्रसाद'–नन्द दुलार वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद ।

छायावादी काव्य–एक दृष्टि–डॉ॰ चौथी राम यादव, किताब महल, इलाहाबाद ।

प्रसाद का काव्य–डॉ॰ प्रेम शंकर ।

खण्ड-घ : नाटक – विशेष अध्ययन

समय : तीन घंटे] **[पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45 अंक

(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : 10x3=30 अंक

साख्य शिल्प :

(ग) लघुतरी प्रश्न-छायावाद : 5x3=15 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ : 1x10=10 अंक

कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. अम्बपाली – रामवृक्ष बेनीपुरी
2. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
3. एकांकी और एकाकी – सम्पादक–डॉ॰ दीनानाथ सिंह, अनुपम, प्रकाशन, पटना

निर्धारित पाठ :

डॉ॰ राम कुमार वर्मा – एक तोले अफीम की कीमत

भुवनेश्वर प्रसाद मिश्र – स्ट्राइक

उदय शंकर भट्ट – पर्दे के पीछे

उपेन्द्रनाथ अश्क – लक्ष्मी का स्वागत

जगदीश चन्द्र माथुर – रीढ़ की हड्डी

विष्णु प्रभाकर – तीसरा आदमी

मोहन राकेश – अंडे के छिलके

श्री लक्ष्मी नारायण लाल – वरुण वृक्ष का देवता

सहायक ग्रंथ :

हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास–डॉ॰ दशरथ ओझा

हिन्दी नाट्य साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन–डॉ॰ वेदपाल खन्ना

प्रसाद के नाटक–डॉ॰ सिद्धनाथ ठाकुर

हिन्दी एकांकी–डॉ॰ महेन्द्र कुमार

हिन्दी नाटक–डॉ॰ बच्चन सिंह राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।

खण्ड-ङ : कथा-साहित्य

(उपन्यास एवं कहानी)

विशेष अध्ययन

समय : तीन घंटे] **[पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45 अंक

(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : 10x3=30 अंक

(ग) लघुतरी प्रश्न (उपन्यास और कहानी शिल्प पर आधारित) : 5x3=15 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ : 1x10=10 अंक

कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

उपन्यास :

गुनाहों के देवता–धर्मवीर भारती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

पुनर्नवा–हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

निर्धारित ग्रंथ :

हिन्दी की श्रेष्ठ कहानियाँ-सम्पादक–डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी एवं डॉ॰ नीरज सिंह

उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

बूढ़ी काकी – प्रेमचंद

जनेन्द्र कुमार – पाजेब

सुदर्शन – हार की जीत

अज्ञेय – शरणदाता

फणीश्वरनाथ रेणु – ठेस

सहायक ग्रंथ :

हिन्दी उपन्यास–डॉ॰ राम दरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद–डॉ॰ त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।

कहानी आन्दोलन की भूमिका–डॉ॰ बलराम पाण्डेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।

कहानी : नई कहानी–डॉ॰ नामवर सिंह लोकभारती, इलाहाबाद ।

कवियों की कहानियाँ–एक मूल्यांकन, डॉ॰ मृत्युंजय सिंह, अनुराग प्रकाशन-1/1073, डॉ॰ महरौली, नई दिल्ली ।

ENGLISH : HONOURS

PAPER-V

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Course Content :

1. History of Literary Criticism : Dryden to T.S. Eliot
2. Practical Criticism

Scheme of Exams :

1. Three critical questions out of six choices — 3 x 25 = 75 marks
2. Critical appreciation of one unseen passage — 1 x 15 = 15 marks
3. Five objective type questions on critical terms — 5x2= 10 marks

Total = 100 marks

Books Recommended :

1. Cleanth Brooks — A History of Literary Criticism
2. Saintsbury — A History of Criticism
3. David Daiches — Critical Approaches to Literature (Orient Longman)
4. Scott James — The Making of Literature

PAPER - VI

Course content:

1. W.B. Yeats — Among School Children, Tower, The Coat, The Second Coming
2. T. S. Eliot — Prufrock, Gerontion
3. G B. Shaw — Pygmalion
4. Johan Osborne — Look Back in Anger
5. D. H. Lawrence — Sons and Lovers
6. GrahamGreene — Heart of the Matter

Scheme of Exams :

1. Three passage for expiration of six choices 3 x 20 = 30 marks
2. Three critical questions out of six choices 3 x 20 = 60 marks
3. Five objective type questions on Modern age 5 x 2 = 10 marks

Total = 100 marks

Books Recommended :

1. Bullough — Trends in Modern poetry
2. Pelican Guide — The Modern Age
3. Wilson Knight — The Golden Labrinth
4. Joseph Warre Beach — The Twentieth century Novel : studies in technique
5. Cleanth Brooks — Understanding Fictins

PAPER - VII

(Indian Writing in English)

Written Exams - 80 marks

Course content:

1. Indian English Poetry — Orient Longman
   - *ToruDutt — Lotus
   - * Aurobindo — The Tiger and the Deer
   - * Derozio — The Hero of India
   - * Sarojini Naidu — Caprice, The Queen's Rival
   - * Shiv K. Kumar — Indian Women Pilgrimage
   - * Nissim Ezekiel — Philosophy, Enterprise
   - * Jayanta Mahapatra — The Whorehouse in Calcutta
   - * Kamala Das — The Dance of the Eunuchs A Request
2. R. K. Narayan — The Guide
3. Narayan Tara Sahgal — Plan for Departure

Scheme of Exams :

1. Two passages for explanation out of four choices — 2 x 10 = 20 marks
2. Three critical questions out of six choices — 3 x 20 = 60 marks

Total = 80 marks

Viva-voce Exams : — 20 marks

Total = 100 marks

Books Recommended :

1. KRS Iyengar — Indian Writing In English
2. P.P. Mehta — Indo Anglican Period

PAPER-VII

Or, Written Exams - 80 marks

Course content

1. Communicative Grammar of English
   - — Time, Tense and aspect
   - — Mood, emotion & attitude
   - — Meanings in connected discourse
2. Business correspondence & Report - writing
3. Reading comprehension
4. Elementary Phonetics

Scheme of Exams :

1. Two questions on grammar out of four choices — 2 x 10 = 20 marks
2. Two questions on correspondence & Report-writing out of four choices — 2 x 10 = 20 marks
3. One passage for R. C. out of two choices — 1 x 20 = 20 marks
4. Phonetic terms & symbols — 5 x 2 = 10 marks
   + Phonetic transcription of words/ Small simple sentences — 5 x 2 = 10 marks

Total = 80 marks

Viva-Voce Exams : — 20 marks

Total = 100 Marks

Books Recommended :

1. Leech and Swartvik — A Communicative Grammar of English
2. John Mitchell — How to Write Report
3. R. K. Bansal & J.B. Harrison — Spoken English (Orient Longman)

PAPER-VIII

Group A : Essays

1. One literary essay (or major trends, authors, genre/literary form) out of four choices — 1 x 60 = 60 marks
2. One long essay on general/topic isues Out of four choices — 1 x 40 = 40 marks

Total = 100 marks

Group B : Translation

Course Content :

1. Bilingualism, Grammar and Linguistic equivalence at different levels, Devices of simplification and parapharasing. Theories and types of meaning, Language and culture, Translation, Translation and Adaptation, Problems and perspective of translation from English and to English.

2. Different types of Translation-Prose, Poetry, fiction & drama, Administrative Legal, Scientific and special subjects, Translating scientific and technical documents.

3. Practical Translation

Scheme of Exams :

1. Three questions on principles/concepts/approaches to translation out of six choices : 3 x 20 = 60 marks
2. One passage in Hindi or Urdu to be translated in English : 1 x 20 = 20 marks
3. One passage in English to be translated in Hindi or Urdu : 1 x 20 = 20 marks

Total = 100 marks

Books Prescribed :

1. N. Eugene — Toward's a Theory of Translation
2. S. Theodore — The Art of Translation
3. Alexancder Taylor — One the Principle of Translation
4. George Steiner — After Babel

B.A. Degree Level Exams
General English Courses
B.A. III (General English)

Course Content :

1. Jane Auston — Pride and Prejudice
2. Speciment of English Prose — Orient Longman Ltd.
3. Precise-writing
4. Essay-writing
5. Correction of sentences

Scheme of Exames :

1. One passage for expalanation out of two choices — 1 x 10 = 10 marks
2. Two critical questions out of four choices — 2 x 20 = 40 marks
3. One passage press-writing — 1 x 15 = 15 marks
4. One essay on general topic out of four choices — 1 x 25 = 25 marks
5. Five sentences for correction — 5 x 2 = 10 marks

Total = 100 marks

स्नातक खंड-III संस्कृत (प्रतिष्ठा)
पंचम पत्र
वेद, उपनिषद, वैदिक साहित्य का इतिहास

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100.

1. पुक्सूक्तनिकर–व्याख्याकार : डॉ० उमा शंकर 'ऋषि'–40 अंक
   प्रकाशक–चौखम्भ भेटबलिया, वाराणसी ।
   ऋग्वेद के पाठ्यसूक्त–अग्नि, सवितृ, मरूत, सूर्य, विष्णु, उषस्
   देवता का परिचय–एक–12 अंक
   अनुवाद दो–6 x 2 = 12 अंक
   संस्कृत में व्याख्या–एक–8 अंक
2. कठोपनिषद्–प्रथम अध्याय तीन वल्लियाँ–20 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न–12 अंक
   संस्कृत में व्याख्या–8 अंक
3. वैदिक व्याकरण–(क) लट् लकार का परिचय–10 अंक
   (ख) तुमर्थ एवं क्त्वार्थ प्रत्ययों का सामान्य परिचय–5 अंक
   (ग) शब्दरूप एवं धातुरूप–5 अंक
   देव, शुचि, मति, पशु, राजन, युष्मद्, अस्मद् ।
   धातुरूप–दो–भू, ग्रह, दा, कृ, गम (केवल लट् एवं लृट लकार)
4. वैदिक साहित्य का इतिहास–
   पाठ्यांश : ऋग्वेद का रचना काल, संहिताओं का वर्ण्य-विषय, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषदों का
   सामान्य परिचय–आलोचनात्मक प्रश्न (दो)—15 x 2 = 30 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति–आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ० पारसनाथ द्विवेदी ।

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
षष्ठ पत्र

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

व्याकरण एवं भाषा विज्ञान :

1. व्याकरण–70 अंक
   (क) पारिभाषिक शब्दावली–4x 5 = 20 अंक
   गुण, वृद्धि, प्रगृह्य, प्रकृतिभाव, पूर्णरूप, पररूप, पद, भ, घु, टि, संयोग, उपधा, प्रतिपादिक, सार्वधातुक, अर्धधातुक, सर्वनाम स्थान, घि, आत्मनेपद, परस्मैपद, नदी, उपसर्जन, उपपद, निष्ठा, कृत्यधातु, अनुक्त ।
   (ख) समास प्रकरण–सिद्धान्त कौमुदी (समासाश्रय विधि को छोड़कर)–50 अंक
   चार सूत्रों की व्याख्या – 5 x 4 = 20 अंक
   पाँच रूपसिद्धियाँ–4 x 5 = 20 अंक

समस्त पद से विग्रह वाक्य–पाँच–1 x 5 = 5 अंक
विग्रह से समस्त पद–पाँच–1 x 5 = 5 अंक
30 अंक

2. भाषा विज्ञान :
भाषा की परिभाषा, भाषा और बोली, भाषा की उत्पत्ति, स्वर और व्यंजन, ध्वनियों का वर्गीकरण।
वर्णेन्द्रियों का परिचय।
आलोचनात्मक प्रश्न–(2) 15 x 2 = 30 अंक

संस्कृत (प्रतिष्ठा)

सप्तम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

काव्य शास्त्र एवं छंद

काव्यशास्त्र : 85 अंक

1. काव्यदीपिका सम्पूर्ण।
   आलोचनात्मक प्रश्न–तीन–15 x 3 = 45 अंक
   तीन कारिकाओं की व्याख्या–8 x 3 = 24 अंक
   चार अलंकारों का परिचय–4 x 4 = 16 अंक
2. छंद : अनुष्टुप, आर्या वंशस्थ, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्र वज्रा, उपजाति, वसन्ततिलका, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, द्रुतविलम्बित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात, स्रग्धरा।
   किन्हीं तीन छन्दों के सोदाहरण लक्षण 5 x 3 = 15 अंक

संस्कृत (प्रतिष्ठा)

अष्टम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

काव्य शास्त्र एवं छंद

1. निबन्ध (संस्कृत में) एक–20 अंक
   प्रस्तावित पुस्तक–
   संस्कृत निबंध कौमुदी– डॉ॰ श्यामानन्द झा, आचार्य एवं अध्यक्ष
   ह॰ प्र॰ दा॰ जैन महाविद्यालय, आरा
2. अनुवाद–संस्कृत से हिन्दी–20 अंक
   हिन्दी से संस्कृत–20 अंक
3. पदों का वाक्यों में प्रयोग–4 x 5 = 20 अंक
4. अशुद्ध वाक्यों का संशोधन (पाँच)–4 x 5 = 20 अंक

बी॰ ए॰ तृतीय वर्ष संस्कृत पाठ्यक्रम (सामान्य)

तृतीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100 अंक

1. काव्य :
   किरातार्जुनियम–प्रथम सर्ग–35 अंक
   अंक विभाजन–प्रश्न (एक)–15 अंक
   अनुवाद (एक)–9 अंक
   व्याख्या (एक)–11 अंक

2. गद्य
   कादम्बरी शुकनासोपदेश–35 अंक
   अंक विभाजन–प्रश्न (एक)–15 अंक
   अनुवाद–9 अंक
   व्याख्या (एक)–11 अंक
3. व्याकरण :
   समास (लघुसिद्धांत कौमुदी)–30 अंक
   अंक विभाजन–सूत्र व्याख्या–2 x 5 = 10 अंक
   रूप सिद्धि–4 x 5 = 20 अंक

B.A. PART-III PRAKRIT HONOURS

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

There shall be four papers in B.A. Part-III Honours course. Each paper shall be of three hours duration and shall carry 100 marks.

PAPER-V

Jain Philosophy :

1. द्रव्य संग्रह-संपूर्ण–60 अंक
2. तत्वार्थ सूत्र (प्रथम अध्याय)–40 अंक

Marks Alloted :

(a) Explanatin—40 Marks
(b) Translation from prescribed Lesson—20 Marks
(c) Critical Questions—40 marks.

सहायक ग्रन्थ :

द्रव्य संग्रह–कुन्दकुन्द भारती, दिल्ली प्रकाशन
तत्वार्थ सूत्र–सुखलाल संघवी, पार्श्वनाथ विद्याश्रम, वाराणसी
तत्वार्थ सूत्र–संपादक: पं॰फूलचंद सिद्धान्त शास्त्री, गणेशवर्णी संस्थान प्रकाशन, वाराणसी।

B.A. PART-III PRAKRIT HONOURS

PAPER-VI

PHILOGY & GRAMMAR

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

A. Philogy :

भाषा का अर्थ, भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र तथा अन्य शास्त्रों से संबंध, भाषा विज्ञान के अध्ययन से लाभ, भाषा की उत्पत्ति, भाषा और बोली में अन्तर, प्राकृत के भेद तथा विशेषता, बिहार की आधुनिक भाषाएँ प्राकृत।

निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी–स्वरागम, स्वरलोप, समीकरण, विषमीकरण, वर्णविपर्यय, सादृश्य, समाक्षरलोप एवं अपश्रुति।

B. Grammar :

समास–आचार्य हेम प्रकृत व्याकरण के सूत्र के आधार पर व्याख्या।

C. Prosody :

छंद–गाथा, दोहा, अडिल्ल, द्रुत विलंबित, शिखरिणी, धत्ता, पद्धकुलक, कडवक, पुष्पदिका।

अलंकार–उपमा, रूपक, श्लेष, अतिशयोक्ति, उत्प्रेक्षा तथा अनुप्रास ।

सहायक ग्रंथ :

1. प्राकृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री
2. भाषा विज्ञान	डॉ० भोलानाथ तिवारी
3. अभिनव प्राकृत व्याकरण	डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री
4. भाषा विज्ञान	डॉ० कर्ण सिंह
5. प्राकृत दीपिका	डॉ० सुदर्शन लाल जैन
6. प्राकृत पैंगलम्	डॉ० भोलाशंकर व्यास
7. प्राकृत व्याकरण	श्री आत्माराम जैन, मॉडल स्कूल, 29डी कमला नगर, देहली ।
8. सिद्ध हेम शब्दानुशासन	डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री
9. Prakrit Grammer	P. L. Vaida
10. Bhasha Vigyan	Max-Mullar

B.A. PART-III PRAKRIT HONOURS

PAPER-VII

PROSE

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. समराइच्च कहा–प्रथम भव–(राजा गुणसेन तथा अग्निशर्मा चरित)–40 अंक
2. आरामसोहा कहा–विरहिणी । आरामसोहा कापुत दर्शन तथा पाटलिपुत्र आगमन।
3. शब्दालपुत्त कुम्हकार–(उपासक दशाओं सातवाँ अध्ययन)–20 अंक

Marks Alloted :

(a) Explanation — 40 Marks

(b) Translation from Prescribed Lesson (Two) — 20 Marks

(c) Critical Questions—40 Marks

सहायक ग्रन्थ :

1. समराइच्च कहा	डॉ० छगन लाल शास्त्री
2. समराइच्च कहा	डॉ० रमेश चन्द्र जैन
3. आरामसोहा कहा	डॉ० राजाराम जैन
4. कहाण्य अट्ठ्म	डॉ० राजाराम जैन एवं डॉ० चन्द्रदेव राय

B.A. PART-III PRAKRIT HONOURS

PAPER-VIII

POETRY

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. समणसुत्त–स्वीकृत पाठ –अहिंसा सूत्र, शिक्षा-सूत्र, प्रमाण, नय एवं स्याद्वाद–50 अंक
2. समयसार–(जीवाजीवाधिकार मात्र)–50 अंक

Marks Alloted :

(a) Explanation	—	40 Marks
(b) Translation from Prescribed Lesson	—	20 Marks
(c) Critical Questions	—	40 Marks

सहायक ग्रन्थ :

1. समणं सुत्त–सर्व सेवा संघ प्रकाशन, राजघट, वाराणसी संस्करण 1986
2. समयसार–कुन्द कुन्द भारती, दिल्ली संशोधित संस्करण
3. समयसार–संपादक : डॉ० जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, सुभाष बाजार, मेरठ-2
4. समयसार–कुन्दकुन्दाचार्य विरचित–संपादक : पन्ना लाल जैन, श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद राजचंद्र आश्रम, आगरा ।

B.A. PART-III PRAKRIT GENERAL

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

There shall be one paper in B.A. General course. The paper shall be of three hours duration and shall carry 100 Marks.

Hostory of Prakrit Literature : inscriptions and translation.

(a) History of prakrit Literature—40 Marks.

अर्धमागधी अगम का अंग साहित्य, शौरसेनी प्राकृत साहित्य में आचार्य कुन्द कुन्द बट्टकेरि, नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती का परिचय ।

महाराष्ट्रीय प्राकृत साहित्य का सामान्य परिचय–उमा स्वाति, पुष्पदन्त, डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री, सामान्य परिचय ।

(b) Inscription :

1. अशोक स्तम्भ लेख–1,2,3	–	15 अंक
2. कुन्कुल अभिलेख	–	10 अंक
3. खारवेल अभिलेख	–	15 अंक

(c) Translation :

1. प्राकृत से हिन्दी	–	10 अंक
2. हिन्दी से प्राकृत	–	10 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. प्राकृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास		डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री
2. प्राकृत साहित्य का इतिहास	-	डॉ० जगदीश चन्द्र जैन
3. प्राकृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	-	डॉ० चन्द्रदेव राय
4. प्राचीन प्राकृत अभिलेख माला	-	डॉ० हरेन्द्र प्रताप सिंह
5. प्राकृत व्याकरण एवं रचना	-	डॉ० चन्द्रदेव राय एवं डॉ० रामजी

B.A. PART-III URDU HONOURS

PAPER-V

HISTORY OF URDU LITERATURE AND ISLAMIAT

The Examiner is requested to set EIGHT questions. in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours Full Marks : 100

This paper aims to give information of chronicle evolutionof Urdu language and literature; also to make the students aware of the history of Islam of early period. Books Prescribed :

1. Urdu Ki Ibtedai Nashw-o-Numan Mein Sufiya-e-karam Ka Kam : Maulvi Abdul Haque
2. Tanvir-e-Adab : Saghir Ahmad Jan
3. Tarikhul Ummah I & II : Aslam Jairajpuri

PAPER VI

CRITICISM AND LINGISTICS

The Examiners is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours Full Marks : 100

This paper aims to give introduce tothe students the success of linguistic and criticism with especial reference to the prescribed books.

Books Prescribed :

1. Moquadma Sher-o-Shairi : Maulana Altaf Hussain Hali
2. Urdu Tanqeed Par Ek Nazar : Kalimuddin Ahmad
3. Hindustain Lisaniyat : Mohiyuddin Q. Zor
4. Lisaniyat Kiya Hai : David Crystal translated by Naseer A. Khan

PAPER-VII

RHETORIC PRASODY AND TRANSLATION

This paper will be in four groups (A, B, C & D). The examinees will be have to answer one question from each group carrying 25 marks.

Time : 3 Hours Full Marks : 100

A. ILMULBALAGHAT : Definition of rhetorical terms and explanation of verses.

B. ILMUL UROOZ : Definition of terms and scausicm

C. PERSIAN : Translation from Persian to Urdu & Vise-versa

D. HINDI/ENGLISH : Translation from Hindi/English to Urdu & Vise-Versa

Books Prescribed :

1. Ilmul Balaghat : Prof. A Majeed
2. IlmulUrooz : Prof. A Majeed

PAPER-VIII

LITERARY MAQUALA

This paper will be in two Sections. First will be of the value of 60 marks and based on the Literary Maquala on any one topics, whereas the Second Section of 40 marks will be based on Oral Examination.

Section-I

Time : 2 Hours Full Marks : 60

The following topics (Only five topics will be asked)

1. Nazir Akbarabadi Aur Unki Hindustani Shairi
2. Md. Quli Qutub Shah Ki Shairi Mein Hindustani Anasir
3. Aligarh Tahreek
4. Taraqqi Pasand Tahreek
5. Ghalib Ki Khutoot Nigari
6. Urdu Ki Tanziya Wa Mazahiya Shairi
7. Shad Azimabadi
8. Qazi Abdul Wadood
9. Prof. Wahab Ashrafi
10. Kalimuddin Ahmad
11. Bihar Mein Urdu Mohsaire Ki Rewayat
12. Tasawwufaur Urdu Shairi.

B.A. PART-III PERSIAN HONOURS

PAPER-V

Time : 3 Hours] **[Full Marks : 100**

CLASSICAL PROSE

Text—80 Marks, Rhetoric—20 Marks

Books Prescribed:

1. Chahar Maqurala— By Nazami Aroozi (Five twoMaqules Only)—20 Marks
2. Aklaq-e-Jalali—byDawwani—25 Marks
3. Nasab-e-Jadeed-e-Faris
   The following pieces only
   intekhab Az Marvan Mama—25 Marks
4. Ilmul Balaghat—by M.A. Majid—25 Marks

B.A. PART-III PERSIAN HONOURS

PAPER VI

Time : 3 Hours] **[Full Marks : 100**

MODEN ROSE AND POETRY

Books Prescribed

1. Hakeem-e-Nabatal—Published by Jafari Press—30 Marks
2. Nasabe-e-Jadeed-e-Farsi-30 Marks
   Published by Jaye Press Delhi.

The following pieces only : (i) Khanna-e-Pedari (ii) Roz-e-Nau (iii) Khudkhushi

3. Ashaare Baraquzidai Farsi Vol. I—by Dr M. Rahman Ahgarh

The following poems—40 Marks

(a) Bahar (i) Sukoot-e-Shab ;.ii) Dukot-e-faqr (iii) Pand Shaneeda

(b) Lahuti (i) Dkhtname-e-Iran, (ii) Irane-e-Man, (iii) Kodkan-e-Qalibafa-Iron

(c) Pareween-e-Ehteshmi, (i) Zan Dar Iran, (ii) Gul-O-Shabnam, (iii) Ashk-e Yateen

B.A. PART-III PERSIAN HONOURS

PAPER VII

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

1. Unseen Passage for translation from Persian into Urdu — 20 Marks
2. Simple Urdu Passage for Translation into Persian — 20 Marks
3. Substance writing of unseen passage in Persian — 40 Marks

B.A. PART-III PERSIAN HONOURS

PAPER VIII

Time: 3 Hours] [Full Marks : 100

History of Isla & History of Persian Language & Literature

(a) History of Islam (The prophet and first four aliphs)—30 Marks

(b) History of Persian Language & Literature (Ghaznavi & Safawi Periods)—30 marks

Books Recommended:

1. Tarikhe Islam Vol. — by Akbar Shah Najbabadi

(a) Tarkihu Ummet — by Aslam Jaraipuri

(b) (i) Tarikhe Adabivet-e-Iron — by Raza Jada Shafaq

(ii) Sanadeede Ajam — by Mahdi Narari

(iii) Tankhe Adabivete Iran Vol. I, II & III — by Dr. J Safa

B.A. PART-III PERSIAN GENERAL

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

The distribution of Marks will be as follows :

1. Translation from Persian text into Urdu — 25 Marks
2. Critical Questions — 30 Marks
3. Explanations — 30 Marks
4. Unseen Prose passage for Translation into Urdu — 10 Marks

The following text Books are prescribed :

1. Zindagi-e-Man 2. Sarzamin-e-Hind, 3. Jahangir nama

4. Dastan-e-Kotah—(a) Khana-e-Pedari, (b) Janayate-Man, (c) Azan-e-Mahrib, (d) Idi, (e) Khudkhushi.

इतिहास (प्रतिष्ठा)

पत्र-V

भारत का इतिहास (1206-1764)

1. भारत में तुर्की शासन–कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमीश ।
2. बलबन द्वारा सल्तनत कालीन शासन का केन्द्रीय रूप ।
3. खिलजी वंश–अलाउद्दीन खिलजी, उसकी उपलब्धियाँ और सुधार।
4. तुगलक वंश–मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक, सल्तनत का प्रारम्भिक विश्लेषण ।
5. विजयनगर और बहमनी साम्राज्य का उदय तथा इसके राजनीतिक और सांस्कृतिक योगदान ।
6. दिल्ली सल्तनत के अधीन सूफीवाद और भक्ति आंदोलन ।
7. सल्तनतकालीन, प्रशासन, कला और वास्तुकला ।
8. बाबर के द्वारा मुगल साम्राज्य की स्थापना ।
9. मुगल-अफगान विवाद, हुमायूँ और शेरशाह ।
10. शेरशाह का शासन ।
11. राजपूत दक्षिणी अकबर की धार्मिक नीति दीन-ए-इलाही के संदर्भ में, मनसबदारी प्रथा का अच्छाइयाँ तथा बुराइयाँ ।
12. मुगल राजनीति पर नूरजहाँ का प्रभाव ।
13. उत्तराधिकार के लिए शाहजहाँ के समय में युद्ध ।
14. औरंगजेब–सिक्खों के साथ संबंध, मराठों और दक्षिणी राज्यों के संबंधों एवं नीति, धार्मिक नीति, मुगल साम्राज्य के पतन के लिए उत्तरदायी ।
15. मुगल साम्राज्य की विशेषताएँ–कला, साहित्य और शिल्पीशस्त्र ।
16. बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन, पलासी और बक्सर का युद्ध ।

पत्र-VI

भारत का इतिहास (1765-1950)

1. बंगाल में दोहरी शासन तथा बंगाल पर इसका प्रभाव ।
2. वारेन हेस्टिंग्स के दौरान कंपनी के नियमों का विस्तार ।
3. वेलेस्ली की सहायक संधि, भारतीय राज्यों पर इसके प्रभाव ।
4. विलियम बेंटिक के सुधार ।
5. ईस्ट इंडिया कम्पनी की भू-राजस्व नीति, स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी और महलवाड़ी व्यवस्था ।
6. कंपनी की आर्थिक नीति तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव ।
7. 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में अंग्रेजी शिक्षा का विकास ।
8. भारत में सामाजिक तथा धार्मिक जागरण, राजाराम मोहन राय, स्वामी विवेकानन्द तथा सर सैयद अहमद खान के विशेष संदर्भ में ।
9. 1857 की क्रांति के स्वरूप, कारण तथा प्रभाव । बाबू वीर कुँवर सिंह की भूमिका तथा क्रांति के असफलता के कारण ।
10. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में सहायक कारक ।

11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना : नरम दल की भूमिका।
12. भारत में उग्रवादी, राष्ट्रीय आंदोलन का विकास और द्वितीय विश्व युद्ध तक विदेशों में विस्तार।
13. स्वदेशी तथा बहिष्कार आंदोलन–इसका प्रभाव।
14. भारतीय राजनीति में मुस्लिम लीग का उदय तथा पाकिस्तान की माँग।
15. महात्मा गाँधी के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन, असहयोग आंदोलन तथा भारत छोड़ो आंदोलन।
16. 1919 तथा 1935 के भारत सरकार एक्ट की विशेषताएँ।
17. भारत का विभाजन, कैबिनेट मिशन, माउन्टबेटन योजना।
18. स्वतंत्र भारत के संविधान की विशेषताएँ।

पत्र-VII

मध्य-पूर्व और दुरस्त पूर्व का इतिहास (19वीं से 20वीं शताब्दी)

1. तुर्की में अब्दुल हमिद द्वितीय की भूमिका तथा युवा तुर्क आंदोलन।
2. मुस्तफा कमाल पाशा के सुधार तथा विदेश नीति।
3. सीरीया में फ्रांसिसी अधिदेश तथा इराक में ब्रिटिश अधिदेश के कारण तथा महत्व।
4. रजाशाह पहलवी के सुधार।
5. फिलिस्तीन की समस्याएँ और उसके प्रभाव।
6. मध्य पूर्व में तेल नीति और इसका प्रभाव।
7. चीन में यूरोपियन का आगमन और इसके परिणाम।
8. चीन में टेपींग और बॉक्सर विद्रोही–इसके कारण और परिणाम।
9. 1911 के चीनी क्रांति के कारण, प्रकृति और परिणाम।
10. चीन के इतिहास में सनयात सेन और चैंग काई शेक की भूमिका।
11. चीन में साम्यवादी सरकार के गठन और इसकी उपलब्धियाँ।
12. विदेश शक्ति के रूप में जापान का उदय।
13. मेइजी सुधार और इसके परिणाम।
14. जापान का आधुनिकीकरण।
15. 1902 का ऐंगलो-जापानी संधि।
16. द्वितीय विश्वयुद्ध तक जापानी साम्राज्यवाद का उदय।

पत्र-VIII

(यू० एस० ए० और रूस का इतिहास)

खण्ड-(क) यू० एस० ए०

1. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के कारण, प्रकृति तथा महत्व।
2. यू० एस० ए० के संविधान की संरचना तथा इसकी खूबियाँ।
3. जॉर्ज वाशिंगटन, जेफरसन और जैक्सन के कार्यों का वर्णन।
4. अमेरिकी गृह युद्ध के कारण तथा महत्व।
5. प्रथम विश्व युद्ध में अमेरिका की भूमिका।
6. रूजवेल्ट की न्यू डील नीति।

खण्ड-(ख) : रूस

1. जार अलेक्जेंडर-II की उपलब्धियाँ।
2. 1904-05 के जापानी-रूसी युद्ध के कारण और परिणाम।
3. प्रथम विश्व युद्ध में रूस की भूमिका।
4. 1917 के रूसी क्रांति की प्रकृति, कारण तथा प्रभाव।
5. लेनिन की नई आर्थिक नीति।
6. द्वितीय युद्ध में रूस की भूमिका।
7. शीत युद्ध की शुरूआत–कारण और प्रकृति।

स्नातक खण्ड-III (सामान्य)

पत्र-III

विश्व का इतिहास (1789-1945)

1. फ्रांस की क्रांतिके कारण, परिणाम और प्रकृति।
2. नेपोलियन के उत्पत्ति और पतन तथा उसके कार्यों का आलोचना।
3. औद्योगिक क्रांति के कारण, प्रभाव और प्रकृति।
4. इटली का एकीकरण।
5. जर्मनी का एकीकरण।
6. प्रथम विश्व युद्ध के कारण और परिणाम।
7. लीग ऑफ नेशन्स की संरचना, कार्य तथा इसकी असफलता के कारण।
8. 1917 का रूसी क्रांति, लेनिन के कार्यों की व्याख्या।
9. इटली में मुसोलिनी तथा जर्मनी में हिटलर का उदय।
10. द्वितीय विश्व युद्ध के कारण, परिणाम तथा प्रकृति।

स्नातक खण्ड-III राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)

पंचम-पत्र

लोकप्रशासन

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं विकास।
2. लोक प्रशासन, अध्ययन के विभिन्न स्रोत।
3. सार्वजनिक एवं निजी प्रशासन।
4. विकासशील देशों में लोक प्रशासन की भूमिका।
5. लोक प्रशासन का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध।
6. संगठन–परिभाषा, अर्थ एवं सिद्धांत।
7. विभागीय संगठन का आधार
8. लोक निगम।
9. स्वतंत्र नियामक आयोग।
10. स्टाफ सूत्र (Staff Line) और सहायक अभिकरण (Auxiliary Agencie
11. निजी प्रशासन–(i) भर्ती (ii) प्रशिक्षण (iii) पदोन्नति एवं (iv) नैतिकता (M
12. वित्तीय प्रशासन–बजट एवं ऑडिट (अंकेक्षण)

13. प्रशासन पर नियंत्रण—(i) वैधानिक, (ii) प्रशासकीय, (iii) न्यायिक ।
14. क्षेत्र (Field)—मुख्यालय, फील्ड ।
15. जनसम्पर्क एवं संचार ।
16. भारत में लोक प्रशासन की समस्याएँ—भ्रष्टाचार । (Generalist Vrs. Specialist Controversy in Administration)

सहायक पुस्तकें :

1. लोक प्रशासन — वीरकेश्वर प्रसाद सिंह
2. लोक प्रशासन के सिद्धान्त — अवस्थी एवं माहेश्वरी ।

राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)
षष्ठ-पत्र
राजनीतिक विचारधारा

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. प्लूटो—न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, दार्शनिक, आदर्श राज्य एवं फासिज्म ।
2. प्लूटो—न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, दार्शनिक, आदर्श राज्य एवं फासिज्म ।

1. प्लूटो—न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, दार्शनिक, आदर्श राज्य एवं फासिज्म ।
2. अरस्तू—राज्य की प्रकृति एवं उद्देश्य, वात्सल्य नागरिकता, प्लूटो का खंडन, विकासवाद, राज्य परिवर्तन, वर्गीकरण का सिद्धान्त ।
3. कौटिल्य—सप्तांग, राजतंत्र, मंडल, वैदेशिक नीति ।
4. थामस हॉब्स—सामाजिक संविदा-संप्रभुता, महत्त्व ।
5. जॉन लॉक—सामाजिक संविदा महत्त्व, राज्य संबंधी विचार ।
6. जे० के० रूसो—सामाजिक संविदा, सार्वजनिक इच्छा, महत्त्व ।
7. जे० एस० मील—यूटीलिटेरिज्म का सिद्धान्त, स्वतंत्रता, महत्त्व ।

सहायक पुस्तकें :-

1. प्रमुख राजनीतिक विचार—पुखराज जैन
2. प्लूटो, अरस्तू, कौटिल्य, थामस, हॉब्स, जॉन लॉक—भारती भवन, पटना

सप्तम-पत्र
राजनीतिक समाजशास्त्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. राजनीतिक समाजशास्त्र—उत्पत्ति, विकास, अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र ।
2. राजनीतिक समाजशास्त्र—अध्ययन के विभिन्न स्रोत ।
3. राजनीतिक अभिजन (Elite) के तत्व ।
4. राजनीतिक संस्कृति ।
5. राजनीतिक विकास एवं आधुनिकीकरण ।
6. राजनीतिक समाजीकरण ।
7. राजनीतिक संचालन ।
8. राजनीतिक भागीदारी ।
9. राजनीतिक भर्ती ।
10. राजनीतिक संवाद ।
11. भारत में राजनीति ।

12. भारत में चुनावी व्यवहार ।
13. राजनीतिक पार्टी, लोक राय एवं दबाव-समूह ।

पुस्तकें :

1. राजनीतिक समाजशास्त्र—डॉ० गाँधीजी राय
2. राजनीतिक समाजशास्त्र—डॉ० वीरकेश्वर प्रसाद सिंह

राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)
अष्टम-पत्र
राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारत में संवैधानिक विकास

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. भारत में राष्ट्रीय जागरण—प्रकृति, कारण, सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलन ।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म एवं Moderates की आय ।
3. उग्रवादी एवं नरमपंथी—कार्यप्रणाली, सिद्धांत एवं आन्दोलन ।
4. प्रथम विश्वयुद्ध एवं इसका भारतीय राजनीति पर प्रभाव 1909 से 1919 ।
5. मान्टेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट और 1919 का भारत सरकार अधिनियम ।
6. असहयोग आन्दोलन और महात्मा गाँधी ।
7. साइमन कमीशन ।
8. सविनय अवज्ञा आन्दोलन ।
9. भारतीय सरकार एक्ट—1935
10. क्रिप्स मिशन, कैबिनेट मिशन, माउन्टबेटन योजना, भारत का विभाजन ।
11. भारत की स्वतंत्रता—कारण, भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947

स्नातक खण्ड-III राजनीतिशास्त्र (सामान्य)
राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारत की राजनैतिक व्यवस्था

प्रत्येक ग्रुप में कम-से-कम दो प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है ।

GROUP A
राष्ट्रीय आन्दोलन

1. राष्ट्रीय जागरण
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म
3. उग्रवादी एवं नरम दलीय
4. सांप्रदायिकता का उदय
5. भारत छोड़ो आन्दोलन
6. नागरिक अवज्ञा आन्दोलन
7. असहयोग आन्दोलन
8. भारतीय स्वातंत्र्य अधिनियम, 1947 में भारत का विभाजन ।

GROUP B
भारत की राजनीतिक व्यवस्था

1. भारतीय संविधान के सामाजिक, आर्थिक आधार एवं दर्शन ।
2. मौलिक अधिकार

3. निर्देशक तत्व
4. केन्द्र-राज्य सम्बन्ध
5. केन्द्रीय कार्य-कारिणी
6. संसद
7. सर्वोच्च न्यायालय
8. राजनैतिक पार्टियाँ
9. क्षेत्रीयतावाद एवं राष्ट्रीयता

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारतीय राजनीतिक व्यवस्था–बीरकेश्वर प्रसाद सिंह
2. राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारतीय शासन–सी० पी० शर्मा, शशिप्रभा शर्मा

स्नातक खण्ड-III गृह विज्ञान (प्रतिष्ठा) तृतीय वर्ष

इस प्रश्न-पत्र में 75 अंक के 4 सैद्धान्तिक पत्र हैं । 50 अंक के दो प्रायोगिक हैं । सभी का समय 3 घंटा है ।

पंचम-पत्र
वस्त्र एवं परिधान

1. वस्त्र का महत्त्व ।
2. रेशे एवं उसके आवश्यक गुण ।
3. रेशों का वर्गीकरण ।
4. रेशों की पहिचान ।
5. यार्न का निर्माण, बुनाई एवं रेशों की कार्यक्षमता पर प्रभाव ।
6. इतिहास–उत्पत्ति, विभिन्न प्रकार के रेशों की विशेषताएँ ।
7. परिष्कृत रेशों का प्रकार, उद्देश्य एवं रंगों की जाँच ।
8. वस्त्रों को जमा करना एवं ध्यान देना ।
9. ड्रेस मेटिरियल एवं घरेलू कपड़ों का चुनाव ।

षष्ठ-पत्र
बाल मनोविज्ञान

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 10(

1. बाल मनोविज्ञान–परिचय, परिभाषा एवं क्षेत्र, विषय-वस्तु ।
2. बाल अध्ययन वृत्तियाँ, उनका इतिहास एवं महत्त्व, अवलोकन विधि ।
   प्रयोगात्मक विधि–जीवन इतिहास विधि, जीवन वृत्तांत लेखन विधि ।
3. विकास के सिद्धान्त–आनुवांशिकता और वातावरण के विकास के कारण ए
   सिद्धांत आनुवांशिकता तथा वातावरण का प्रभाव ।
4. सीखना–सीखने के सिद्धान्त, गलती से अनुभव, वार्ता एवं सीखने के सामाजि
   सिद्धांत ।
5. सामाजिक विकास समाजीकरण के प्रकार, सामाजिक विकास की प्रक्रि
   सामाजिक अभिवृत्तियाँ, निर्माण और विकास ।
6. बौद्धिक विकास–बौद्धिक विकास पर बौद्धिक परिपक्वता, प्रतिभा सम्पन्न ए
   मन्द बुद्धि (मानसिक न्यूनता) के बच्चे ।

7. खेल सिद्धांत, महत्त्व, खिलौने एवं खेल की सामग्री ।

सप्तम-पत्र
प्रसार शिक्षा

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. प्रसार शिक्षा–अर्थ, आवश्यकता, महत्त्व एवं क्षेत्र ।
2. प्रसार शिक्षा–उद्देश्य, दर्शन और सिद्धांत ।
3. प्रसार शिक्षण विधियाँ, प्रसार विधियों के संयोजक के प्रभावक तत्व एवं प्रयोग की कला ।
4. दृश्य श्रव्य शिक्षण सहायक सामग्री (Audio Video Aids)
5. ग्रामीण समाजशास्त्र एवं ग्रामीण जीवन में प्रसार कार्य की विशेषताएँ तथा ग्रामीण विकास के कार्यक्रम के क्षेत्र, सामाजिक जीवन में महत्त्व ।
6. ग्रामीण नेतृत्व, परिभाषा, गुण, सिद्धान्त, पहचान, कार्य और भूमिका ।
7. कार्यक्रम नियोजन–सिद्धांत, अर्थ, आवश्यकता एवं क्षेत्र ।
8. व्यस्क शिक्षा ।

अष्टम-पत्र
पारिवारिक संबंध

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. पारिवारिक सम्बन्ध : परिवार एक आधारभूत सामाजिक इकाई, परिवार के सदस्यों का स्थान एवं सामाजिक परिवर्तन में उनका योगदान ।
2. परिवार–परिवार का प्रकार, पूर्व एवं वर्तमान, संयुक्त एवं एकाकी परिवार के गुण-दोष ।
3. विवाह–कार्य एवं उद्देश्य, वैवाहिक परिपक्वता एवं विवाह के लिए वैध आयु ।
4. वैवाहिक सामन्जस्य, विवाह-विच्छेद एवं तलाक ।
5. परिवार का सामाजिक और आर्थिक स्तर ।
6. पारिवारिक आकार ।
7. कानून में संबंधियों के साथ संबंध ।
8. वृद्धों का मनोविज्ञान–परिवार में वृद्धों का स्थान और परिवार वालों का वृद्धों के साथ सामंजस्य ।

B.A. PART-III HOME SCIENCE HONOURS PRACTICAL

PAPER I

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

1. Needle work and Tailoring Equipment, Their use and Care.
2. Preparing the following Garments.
   Petticot, Blouse, Salwr-Kurta, Frock for Girls.
3. Enbroidered Dressing Table Set-3 Pieces.

PAPER-II

Time : 1.30 Hours] [Full Marks : 50

A. 1. Hand and Soft Water, Water Softness, Soap and Detergrants, Other cleaning and Bleaching Materials.

2. Methods of Laundering different fabrics.
3. Stain removing, rust, Greese, Nail Polish, Paint, Lipstik, Turmeric, Tea, Coffee.

B. Extension Education

1. Methods of lettering simple and ornamental.
2. Preparation of Charts and Postors—2
3. Preparation of Stencies—2

स्नातक खण्ड-III गृह विज्ञान (सामान्य)

तृतीय-पत्र

यह पाठ्यक्रम तीन वर्षों का है । प्रत्येक वर्ष में 75 अंक सैद्धांतिक एवं 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा होगी । प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में दो वर्ग होंगे । उम्मीदवारों को प्रत्येक ग्रुप में से 2 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है । सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा 3 घंटों की होगी।

तृतीय वर्ष–प्रसार शिक्षा ।

पारिवारिक सम्बन्ध–75 अंक, प्रयोगिक–25 अंक ।

(A) प्रसार शिक्षा

1. प्रसार शिक्षा–महत्व, अर्थ, आवश्यकता, क्षेत्र, दर्शन एवं प्रसार शिक्षा का सिद्धांत।
2. प्रसार शिक्षा का वर्गीकरण, शिक्षण विधियाँ, शिक्षण सहायता, ग्रामीण समाज शास्त्र एवं उसका महत्व, ग्रामीण जीवन की प्रकृति, ग्रामीण विकास कार्यक्रम के क्षेत्र।
3. भारत में सामुदायिक विकास कार्यक्रम, ग्रामीण सामुदायिक संगठन, सामुदायिक संगठनके सिद्धांत एवं विधियाँ ।
4. भारत एवं दूसरे देशों में प्रसार-शिक्षा का इतिहास ।

(B) पारिवारिक सम्बन्ध :

परिवार–प्रारम्भ एवं कार्य, संयुक्त एवं एकल परिवार, उसके लाभ एवं हानि ।

विवाह–प्रकार, कार्य एवं उद्देश्य वैवाहिक सामन्जस्य, बालक सम्बन्ध, भारतीय समाज वृद्धों का स्थान ।

मनोवैज्ञानिक एवं आर्थिक सामन्जस्य, वृद्धों की समस्याएँ, वैवाहिक शिक्षा एवं जीवन सम्बन्धी शिक्षण ।

प्रयोग :

1. चित्र-लेखन, पोस्टर एंव चार्ट का निर्माण ।
2. विभिन्न प्रकार के लेटरिंग ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. कृषि प्रसार के सिद्धांत – दुर्गा प्रसाद शर्मा, बी० के० प्रकाशन, मेरठ
2. प्रसार शिक्षण – बी० के० चौबे
3. गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा – डॉ० प्रमिला वर्मा, बि०हि०ग्र० अकादमी

प्रायोगिक :

प्रायोगिक गृह विज्ञान – डॉ० प्रमिला वर्मा एवं डॉ० कान्ति पाण्डेय (बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना)

लोक प्रशासन (प्रतिष्ठा)
HONOURS COURSE
PAPER-V
URBAN LOCAL ADMINISTRATION

(With Special reference to Bihar)

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR- Question No, ONE will be of objective type and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours — Full Marks : 100

Nature, Scope and importance of urban local self-government Institutions, Urban local self Government syste'm in India-Structure, process and functions, Finance and Personnel system, Machinery for urban Development in Bihar-Patna Municipal Corporation (P.M.C.), Patna Regional Development Authority (P.R.D.A.), Municipalities, Notified Area Committees, Bihar State Housing Board; Relation between urban local Government and state Government, Financial resourcesof urban local Government in Bihar, Process of urban planning and policies for urban Development (a) Housing (b) Water supply (c) Sewerage (d) Transport and (e) Environment.

Selected Readings :

1. S. R. Maheshweari : Local Government in India.
2. Mohit Bhattacharya : Urban local Government in Perspectives, Supplement to the Indian Journal of Public Administration, October-December, 71, pp. 108-132.

PAPER-VI
PUBLIC-PERSONNEL ADMINISTRATION IN INDIA

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective type and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours — Full Marks : 100

(a) Growth and Development of Public Personnel Administration as a discipline, Public Personnel Administration in developed and developing societies.
(b) Structure of Civil Services in India—All India services. Central Services, and state Civil Service; Position classification in Public Personnel Administration.
(c) Recruitment of Higher Civil Services in India
(d) Methods of Training in India
(e) Promotion ; Principles of Promotion, and promotion system in India
(f) Conditions of Services

(g) Integrity and Morale in Civil Services

(h) Employees-Employers relation, Redressal of Employees Grievances, whitely council in England, Joint consultative Machinery in India.

(i) Political rights and right, to organise and right to strike of civil servants in India.

(j) Problems of Public Personanel : Neutrality and commitment in civil service,s Relations between politicians and civil services, Politicization of bureaucracy, Corruption in Civil Services in India, Reservation in Civil Services, Generalist Vs Specialists, Motivation toCivil Services in India.

(k) Performance and appraisal of civils ervants in India.

SELECTED READGINS :

1. O. G Stahi : Public Personnel Administration (VIIth ed., Oxford & B.H. Publishing CO., 1977)
2. R. B. Jain : Aspects of Personnel Adminsitration
3. V. M. Sinha : Public Personnel Administration
4. Kuldeep Mathur : Bureaucratic responses to Development

PAPER-VII

ADMINISTRATIVE LAW

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective type and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours Full Marks : 100

1. Origin, nature, scope and growing importance of Administrative Law, Salient features of common Law, Rule of Law, Droit Administrative, Doctrine of Separation of powers, Principle of checks and Balance, Relations between constitutional Lw and Administrative Law; Limitations of Administrative Law and Judicial relief.
2. Delegated Legislation, Its meaning, and causes for its growth, importance and safeguards.
3. Administrative Adjudication
4. Judicial Control over Administration, Judicial Review, Doctrineof Ultra Virus, Writs.
5. Administrative Tribunals, Reasons for their growth, General structure and procedure.
6. (a) Principles of natural Justice
   (b) Public Interest Litigation
   (c) Lok Adalat
7. Commission of Enquiry
8. Relationship between Executive and Judiciary
9. Judicial Reforms at Panchayat Level

Selected Readings :

1. Griffith and Street : Principles of Administrative Law
2. B. Ganguli : Administrative Legislation in Modern India
3. M. P. Jain & S. N. Jain : Principles of Administrative Law

PAPER-VIII

FINANCIAL ADMINISTRATION

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective type and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours Full Marks : 100

1. Concept, nature and scope of Financial Administration, network of financial administration in India.
2. Centre-State Financial relations, Finance commission and Distribution of resources/revenues between centre and the states, Relations between finance commission and planning commission, Financial relationship between state and Local bodies.
3. Principles of Budgeting, performance Budgeting, Zero base udgeting, Preparaetion and Implementationof Budget in India, Budget as a avehile of fiscal policy and tool of management.
4. Principles of Taxation
5. Agencies of Financial Control : Finance Ministry and Treasury System in India. Aduit and Account with special reference to comptroller and Auditor General of India.
6. Treasury system in India.
7. Reserve Bank of India, its organisation, functions and role.

Selected Readings :

1. Premchand : Control of Public Expenditure in India (New Delhi, 1963)
2. G.S. Lall : Financial Administration in India Delhi, 1976
3. B. N. Gupta : Indian Federal Finance and Budgetary Policy (Allahabad, 1970)
4. Sundram K.P.M. : Indian Public Finance and Finance Administration (Delhi, 1973)

GENERAL

PAPER-III

DEVELOPMENT ADMINISTRATION

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective type and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours Full Marks : 100

Concept of Development Administration, Scope and Significance of Development Administration, Role of Development Administration, Social, Political and Economic context of Development Administration, Bureaucracy and Development Administration, Administrative Capability, Policy making,

Developmental approach of Dr. Amartya Sen. Wholistic approach to Development Administration, Development, Formulation and Implementation of developmen programmes and projects with setting of Development Administration at the national, state and local levels, population-planning audit impact on poverty alleviation programmes; major issues in present day Development Administration in India (a) Population Planning, (b) Poverty alleviation (c) Employment generation (d) Women Empowerment (e) Infrastructural develpment. Relationship betwee Executive and local bodies, Salient characteristics of development ind eveloped and developing countries Information technology and Devleopment Administration.

Selected Readings :

1. P. D. Sharma : Development Administration
2. Birkeshwar Pd. Singh : Development Administration
3. Preeta Joshi : Vikasatmak Prashasan
4. Umesh Kumar : Vikasatmak Prashasan

स्नातक खण्ड-III समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा)

पंचम-पत्र

सामाजिक विचारों का इतिहास

वर्ग 'अ'

पाश्चात्य सामाजिक विचारधारा

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. **अगस्ट कामटे**–(अ) पॉजिटीस्म, (ब) तीन चरणों का नियम, (स) सामाजिक पुनर्सरचना।
2. **हर्बर्ट स्पेन्सर**–(a) सामाजिक विकास, (b) समाज की संगठनात्मक परिकल्पना।
3. **मोर्गन**–परिवार का सांस्कृतिक विकास ।
4. **मैक्स वेबर**–(a) आदर्श प्रकार, (b) श्रम का धर्म का समाज विज्ञान, (c) सामाजिक क्रियाकलाप ।
5. **दुर्खीम**–(a) आत्महत्या का सिद्धान्त, (b) श्रम का विभाजन, (c) धनात्मक मेथोलाजी ।
6. **कार्लमार्क्स**–वर्ग संघर्ष का सिद्धांत, डाइलेक्टिकल मेटेरियलिज्म, इतिहास का मार्क्सिस्ट विश्लेषण, आर्थिक उपाय ।
7. **वी० पैरेटो**–प्रायोगिक विधि–बुद्धिमानों का चक्रज, रिसिड्युस एवं डेरिवेशन ।
8. **टी० पार्सन्स**–सामाजिक कार्यकलाप का सिद्धांत, सामाजिक संरचना ।
9. **आर० के० मौर्टन**–कार्यवाद, एनोमिक ।

वर्ग 'ब'

10. राजाराम मोहन राय ।
11. विवेकानन्द ।
12. महात्मा गाँधी–ट्रस्टीशीप का सिद्धांत, गणराज्य का सिद्धांत, सर्वोदय, अहिंसा एवं सत्याग्रह।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. सामाजिक विचारधारा–रवीन्द्रनाथ मुखर्जी
2. सामाजिक विचारों का इतिहास–फूलचन्द गोयल
3. सामाजिक विचारों का इतिहास–शम्भूदत्त त्रिपाठी ।

समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा)

षष्ठ-पत्र

ग्रामीण समाजशास्त्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. परिभाषा एवं क्षेत्र ।
2. ग्रामीण समुदाय–सिद्धांत, गुण, शहरी एवं ग्रामीण अन्तर ।
3. भारतीय जाति प्रथा–सिद्धांत, उद्भव, कार्य, जाति प्रथा में बदलाव, ऊँची जाति संस्कृतिकरण, पाश्चात्यीकरण, अन्तरजातीय सम्बन्ध, जजमानी प्रथा ।
4. ग्रामीण परिवार–परिभाषा, मुख्य बातें, कार्य, परिवार की समस्याएँ ।
5. ग्रामीण शक्ति संरचना–गुण, पारम्परिक एवं बदलाव ग्रामीण नेतृत्व ।
6. ग्रामीण भारत की समस्याएँ–सामाजिक, आर्थिक ।
7. ग्रामीण भारत में बदलाव–सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक, औद्योगिकरण की भूमिका, ग्रामीण सामाजिक बदलाव में शहरीकरण का प्रभाव ।
8. ग्रामीण सामाजिक संस्थाएँ–विवाह, ग्रामीण धर्म एवं ग्रामीण शिक्षा ।
9. ग्रामीण विकास कार्यक्रम–ग्रामीण, पुनर्निर्माण, विभिन्न संस्थाओं के उद्देश्य, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, पंचायत, प्रौढ़ शिक्षा, सर्वोदय, बीस सूत्री कार्यक्रम, भूदान ।

निर्धारित पुस्तकें :

1. ग्रामीण समाजशास्त्र–अग्रवाल एवं पाण्डे ।
2. भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र–गुप्ता एवं शर्मा ।
3. ग्रामीण समाजशास्त्र–रवीन्द्रनाथ मुखर्जी ।

समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा)

सप्तम-पत्र

सामाजिक विघटन

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. ..जिक विघटन
2. ..सा–हिंसा का सिद्धांत, कारक, प्रकार, नियंत्रण की स्थिति ।
3. बाल अपराध–कारक एवं नियंत्रण के उपाय ।
4. सामाजिक संगठनों का विघटन–पहचान, कारण, भारत में सामाजिक संगठनों का विघटन ।
5. सामाजिक विघटन के प्रकार, वेश्यागमन, दरिद्रता, नशाकरण, गरीबी एवं बेरोजगारी, बेकारी ।

निर्धारित पुस्तकें :

1. सामाजिक विघटन–अग्रवाल ।
2. सामाजिक विघटन–गुप्ता एवं शर्मा ।

अष्टम-पत्र (समाजशास्त्र)

GROUP A

नगरीय समाजशास्त्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. नगरीय समाजशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र, आधारभूत सिद्धांत ।
2. नगरों में उदय का इतिहास ।
3. आधारभूत संस्थाओं का शहरी स्वरूप–परिवार, धर्म ।
4. नगरीय विघटन–गन्दी बस्तियाँ एवं सामाजिक समस्याएँ ।
5. नगर योजना ।
6. नगर परितंत्र–पड़ोसी समुदाय, शहरी ग्रामीण सम्पर्क ।
7. नगरीय जीवन की मुख्य बातें ।
8. नगरीयकरण का अध्ययन, विकासशील देशों में नगरयीकरण का तरीका, नगरयीकरण का भविष्य, शहरवाद की पहुँच ।
9. नगरीय समुदाय–उद्योगपूर्व, औद्योगिक आधुनिक नगरीय समुदाय, सामाजिक संरचना।
10. भारत में नगरीयकरण, ग्रामीण भारतीय समाज पर शहरीकरण का प्रभाव ।

निर्धारित पुस्तक :

भारत में नगरीय समाजशास्त्र–डॉ० रामनाथ शर्मा ।

निर्धारित पुस्तकें :

1. औद्योगिक समाजशास्त्र–खरे
2. औद्योगिक समाजशास्त्र, भारतीय परिवेश में–मुन्शी

GROUP-B

SOCIAL PSYCHOLOGY

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective type and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours Full Marks : 100

1. Definition and Scope, Relationship with other Social Sciences.
2. Motivation : Concept Types and Role in Development of Human Personality.
3. Socialization : Cocnept, Stages, Process, Agencies, Theories-Mead, Cooley and Freud.
4. Attitude : Concept, Formation, Determinants and Change in attitude.
5. Culture and personality concept and Inter-relationship.
6. Leadership : Concept, Types, Functions and Emergence of Leader.
7. Group : Concept, types and group dynamics
8. Propaganda : Concept, tyeps techniques and Principles.
9. Public Opinion : Concept, Formation, Measurement and Role in democracy
10. Ground-Concept, Characterstics, Theories of Crowd behaviour.

Book Recommended :

1. P. V. Young : Social Psychology
2. Kretch and Cruatch Field : Theories and Problems of Social Psychology
3. Akuppuswamy : Social Psychology
4. राम बालेश्वर सिंह : सामाजिक मनोविज्ञान
5. मोहम्मद सुलेमान : आधुनिक समाज विज्ञान
6. रविन्द्र नाथ मुखर्जी : सामाजिक मनोविज्ञान

समाजशास्त्र (सामान्य)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सामाजिक मानवशास्त्र

1. सामाजिक मानवशास्त्र की परिभाषा एवं क्षेत्र एवं सामाजिक मानवशास्त्र का उपयोग।
2. वंश एवं वंशवाद का सिद्धांत, परिगणना, वर्गीकरण, भारतीय जनसंख्या में वंश तत्व।
3. सामाजिक संगठन–(a) परिवार एवं विवाह सिद्धांत, प्रकार, अनुसूचित जाति में सहकर्मी प्राप्त करने की विधि । (b) राज्य का सिद्धांत, परिभाषित शब्द एवं उपयोग। (c) युवा संगठन–संरचना एवं कार्य ।
4. आर्थिक संगठन–सिद्धांत, गुण एवं विकास के मुख्य चरण ।
5. जादू-टोना, धर्म एवं विज्ञान–सिद्धांत, जादू-टोना का महत्व एवं जनजातीय समाज में धर्म, धर्म एवं जादू में अन्तर, विज्ञान एवं जादू में अन्तर ।
6. क्रीमियम नियम एवं न्याय ।
7. विकास का सिद्धांत, विकासवाद एवं क्रमवाद ।
8. भारत में जनजातीय समस्याएँ एवं जनजातीय कल्याण ।
9. बिहार की जनजातियाँ–संथाल, मुंडा एवं उराँव । उनके सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक जीवन ।
10. बिहार की जनजातियों पर औद्योगिकरण एवं शहरीकरण का प्रभाव ।

निर्धारित पुस्तकें :

1. सामाजिक मानवशास्त्र की रूपरेखा – रवीन्द्रनाथ मुखर्जी
2. सामाजिक मानवशास्त्र – जी० के० अग्रवाल
3. सामाजिक मानवशास्त्र – गुप्ता एवं शर्मा
4. बिहार के आदिवासी – डॉ० जियाउद्दीन अहमद ।

B.A. PART - III ECONOMICS HONOURS

PAPER-V

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

PRINCIPLE OF ECONOMIC : GROWTH & PLANNING

(आर्थिक विकास एवं नियोजन)

1. Meaning of Economic Growth, Distinction between growth and development, measurement of Economic Growth.
2. Factors of Economic growth—Economy growth, Economic and non-Economic.
3. Characteristics of Developing Economy.

4. Role of State in Economic Growth.
5. Capital Formation & Economic Growth.
6. Foreign Capital and Economic Growth.
7. Population and Economic Growth.
8. Knowledge & Technology of Economic Growth.
9. Rostow's Stages of Economic Growth.
10. Planning—Need for Planning, Objective & Planning.
11. Types of Planning—Planning by inducement and planning by directions. Physical and financial Planning, Capitalistic and Socialistic Planning.
12. Planning in India—Strategy and technology of Indian Planning Indian Planning Commission. National Development Council.
13. Five year plan in India 9th–10th. Resource Mobilization for five year plan in India.

Books Recommended :

1. Arthik Vikas ke Siddhant Aur Niyojan—Dr. L. M. Raoy
2. Arthik Viaks Aur Niyojan—Dr. S. N. P. S. Suman
3. The Economics of Development and Planning—M.L. Jhingan.

ECONOMICS HONOURS

PAPER-VI

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

History of Economic Development of U.K., U.S.A., US.S.R. and Japan

(महान देशों का आर्थिक विकास)

1. Agriculture since 1850. Commerical Revolution Decline of U.K.'s Economic Power in the 20th Century.
2. U.S.A.—American Economy since 1914. Great depression and New Deal Measures American Agriculture since 1914. Tariff Policy since, 1914.
3. U.S.S.R.—State Capitalism, War-communism, New Economic Policy before 1485. Scissor's crisis, industrial Development during post-war period, 10th and 11th Five Year Plan of U.S.S.R.
4. Japan—Meiji Restoration, Industrial Development of Japan after 2nd World War, Agricultural Development of Japan after 2nd World War, Rise of Japan as great Economic Power in the 20th Century, Small Scale Industries in Japan after 2nd World War.

Books Recommended :

1. Mahan Rastro ka Arthik Vikas—L.M. Roy
2. महान देशों का आर्थिक विकास—श्रीधर पाण्डेय ।

सांख्यिकी एवं फिल्ड वर्क

सप्तम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

इस पत्र के दो भाग प्रत्येक 20 अंकों के हैं । ग्रुप A सांख्यिकी का सिद्धांत होगा । यह दो घंटे का होगा, छात्रों को चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

Definition and Scope of Statics, Measures of Central Tendency — Mean, Median and Mode.

Messres of Dispersion — Mean deviation & Standard Deviation, census and sampling.

Methods of Investigation Primary and Secondary data, Index Number, Correlation.

GROUP B : MATHEMATICAL ECONOMICS

Set Theory — vectors and matrices, determinants, solution of equation, differents & simple rules at Integrated monopoly.

Books Recommended :

1. सांख्यिकी—एस॰ पी॰ सिंह ।
2. सांख्यिकी एलहास ।

अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)

अष्टम-पत्र

This will be following of be optional papers/ Students will have to answer one of the following papers at Integrated monopoly.

GROUP A

Labour Economics :

Nature and Scope of labour economics, labour market, Characteristics and peculirities of labour, Migration, Recuirtment and working conditions of Indian Labour, Demand & Supply of labour wage determination, collective bargaining. Trade Unionism : Nature and function and their role, in economic development with reference to India. Labour welfare measures in India, Social Security measures in India. Industrial disputes—causes and measures to solve industrial disputes in India. Workers purification in management.

Books Recommended :

1. Labour Problems in India Industry—V. V. Giri
2. Labour problems and social welfare—P.C. Saxena
3. Economics of Labour & Social Welfare—T. N. Bhagoliwal.

GROUP B

Agricultural Economics :

Nature and scope of Agricultural Economics, Role of Agriculture in developing economy, Land use pattern, Land References, Type of farming—Collective and co-operate farming, Agriculture finance, role of Institutional finance in agricultural development with special reference to India. Marketing structure, Marketing Agencies, The Problems of Marketable surplus and the problem of price, Market regulation. Farm Productivity—Factors affecting productivity. Technology and Productivity. Technology in farm productivity. Measures for stablisation of Agricultural productivity. Agricultural prices—Annual Seasonal, Regional and cyclical variation in prices instablity and income instability. Measures of prices and income stablisation, Role of state

in agricultural development. New strategy in agricultural development Agriculturla development programmes in India.

Books Recommended :

1. Agricultural Economics — Chauhan
2. Agricultural Problems in India — C. B. Benwana
3. Trends in Agricultural Prices — B. N. Verma
4. Economics of Agriculture — Cohen
5. Principles of Agricultural Economics — B. N. Lal

GROUP C

BUSINESS ORGANISATION AND INDUSTRIAL ECONOMICS

1. Principles of Modern Industry, Division of labour, Standardisation Relationaisation, Integration, Horizontal and vertical. Factors Governing the size of business Unit, Concept of optimum, firm Combinations. Factors leasing to Combinations. Trusts, Cartel Syndicates, Holding companies, Multinationals Organisation of Marketing and role of Merchant. Forms of business organisation Industrial ownership—Partnership and Joint Stock Company, Managing Agecy system, Location of Industries, Monopoly sources of Growth, Effects and Control of monopoly, Institutional study of Capitalism and socialism—Their features, Evils of capitalism, Allocation of resources and capitalism and socialism. Problems of incentives—workers control and joint control.

2. Industrial Organisation in India—Key industries, Development of important industries during the plan period, Industries in private, Public and joint sectors. The Structure of public enterprises in India, Management of industries. Industrial Finance—State Policy towards industries in India.

Books Recommended :

1. Business Organisation & Management — M.C. Shukla
2. Industrial Organisation — Bencham
3. Business Organisation — Sarkar
   Business Organisation — Mukherjee
4. Business Organisation — M. R. Sharma
5. Audyogik Arthasastr Aur Byavasaya Sangathan — Shreedhar Pandey

GROUP D

MATHEMATICAL ECONOMICS & STATISTICS

Equation, Function, Limit, Differential co-efficient, Determinant, Matrix, elasticiy of demand supply, Price theory and Mathematical Analysis, Business Organisation, Definition and Scope of Statistics. Classification and Tabulation of data. Diagramatic classification of data. Measures of Central Tendency Mean Median, Mode, Harmonic Mean & Geometric Mean. Measures of dispersion Range. Mean deviation and standard deviation. Analysis of Time Correlation Regression. Series. Index Number. Interpolation and Extrapolation

1. Mathematical Economics — Allen
2. Macro Economic Theory — Allen
3. Fundamental of Mathematical Economics — Alpha Chi
4. Basic Mathematics — Allen
5. Mathematics for Economics — Game, Taro
6. Elements of Mathematical Statistics — Gupta and Kapoor
7. Basic Statistics — N. Nagar

ECONOMICS GENERAL

PAPER-III

ECONOMIC PROBLEMS OF INDIA SINCE INDEPENDENCE

(भारत की आर्थिक समस्याएँ)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. Basic characteristics of Indian Economy.
2. Size and Growth of population, population policy.
3. Agriculture— Causes of its backwardness. "Causes of Low Productivity." New Strategy of Agricultural development, Green Revolution.
4. Land Reforms.
5. Agricultural Credit— Co-operatives and commercial banks.
6. Industrial Policy— 1988, 1990, 1991, New Economic Policy.
7. Large Scale Industries— Iron & Steel, Sugar, Cement and Cotton Textiles.
8. Small Scale Industries— Importance and Problems
9. Foreign Trade— Nature & Compositions
10. India Five Year Plans with Special Reference to 7th and 8th Plan.
11. Poverty and underemployment and their eradication.

Books Recommended :

1. Bhartiya Arthasastra — L.M. Roy
2. Bhartiya Arthasastra — Sridhar Pandey

B.A. PART-III PHILOSOPHY HONOURS

PAPER-V

PHILOSOPHY OF RELIGION (धर्मदर्शन)

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Philosophy of Religions :

1. Nature of religion. Relation of religion to Science, Morality and Theology.
2. Religious Consciousness.
3. Foundation of religious belief of Reason, Faith, Revelation, Mystic experience.
4. Primitive Religion. Its characteristics and forms of-Manaism, fetimism Animism Fetishism and spiritism.

5. God—Proff's for the existence of God, Cosmological, Ontological Technological and Moral Attributes and personality of God.
6. Problems of Evil—Natural and Moral evil, Theistic solutions of the problem of evil.
7. Proofs for the immortality of soul.
8. Religious language and the problem of its meaning, fairness.
9. Unity of religions and religious tolerance.
10. Conversion and Secularism.
11. Inter Religious dialogues and conflict resolutions.

Books Recommended :

1. धर्म दर्शन की रूपरेखा — हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
2. धर्म दर्शन : प्राच्य और पाश्चात्य — या० मसीह

PAPER VI

GROUP A

SOCIAL AND POLITICAL PHILOSOPHY (समाज एवं राजनीति दर्शन)

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Social Philosophy :

Social Philosophy—Its nature and relation to sociology, civic duties, Individual and society, Social change, and Tradition and Modernity, Problems of obligation, Social Stratification, Caste and Class, Marriage and divorce, Private Property and Doctrine of Trusteeship.

GROUP B

Political Philosophy :

Political Philosophy—Its nature and distinction from Political Science Political concepts—rights and duties, Liberty, Equality, Justice, Power, influence and Authority Political Obligation. Political ideologies—Democracy, Socialism Marxism, Monarchy Anarchism, Sarvodaya and Satyagraha, Politics and religion, their mutual relationship.

Books Recommended :

1. समाज एवं राजनीति दर्शन — अशोक कुमार वर्मा
2. समाज दर्शन — लेन प्रसाद सिंह
3. समाज दर्शन — आर० पी० सिन्हा
4. The Great Issues of Politician — Lipson
5. Society — McIver

HONOURS

PAPER-VII

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

SYMBOLIC LOGIC AND INDIAN EPISTEMOLOGY

(प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र)

GROUP A

Symbolic Logic :

1. What is Logic ?
2. Symbolic Logic.

3. Truth and Validity.
4. Proposition and Prepositional forms.
5. Argument and Argument forms.
6. Truth functional propositions and determination of truth value.
7. Truth tables and the validity of arguments.

GROUP B

INDIAN LOGIC AND EPISTEMOLOGY

Pratyaksha, Anumana, Upamana & Sabda.

Books Recommended :

1. प्रारंभिक तर्कशास्त्र — केदारनाथ तिवारी
2. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र — आर० एस० सिंह
3. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र (प्रथम भाग) — अशोक कुमार वर्मा
4. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र — केदार नाथ तिवारी

PAPER-VIII (HONOURS)

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

MODERN INDIAN PHILOSOPHY (समकालीन भारतीय दर्शन)

I. Mahatma Gandhi :

1. God is Truth.
2. Moral Teaching of the six virtues.
3. Satyagraha—Its application.
4. Religion in Gandhi's Philosophy.
5. Gandhi's Concept of Secularism.

II. Rabindra Nath Tagore :

1. Tagore's conception of the absolute.
2. God and creation, World and its status. The Proble of evil.
3. Human Self—its finite Nature, bondage and liberation.
4. The Religion of Man.

III. Sri Aurobindo :

1. The Conception of Sachidanand.
2. The World—Process and its triple transformation.
3. The Supermind, its triple status.
4. Nature of ignorance.
5. Divine life and Gnostic Being.

IV. Swami Vivekanand :

1. God and the world.
2. Nature and the Destroy of Man.
3. Ideals of Universal Religion.
4. Different kinds of Yoga.
5. Unity of Religions.

Books Recommended :

1. समकालीन भारतीय दर्शन — बसंत कुमार लाल
2. समकालीन भारतीय दर्शन — रमेश सिन्हा एवं विजय श्री

3. समकालीन भारतीय दर्शन – लक्ष्मी सक्सेना (सं०)
4. महात्मा गाँधी का नैतिक दर्शन – वेद प्रकाश शर्मा

B.A. PART-III PHILOSOPHY GENERAL

PAPER-III

ETHICS (नीतिशास्त्र) .

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Ethics :

1. Nature of Ethics.
2. Ethical concept—Right, Good, Duty and Obligation.
3. Moral and Non-Moral actions.
4. Analysis of Voluntary Action,
5. Postulates of Morality.
6. Nature of Pora; Kidge amt—nature of Moral Judgement.
7. Object of Moral Judgement, Motive and Induction.
8. Standards of Morality—External Laws, Intuitionism, Hedonisim, Rationalism and Perfectionism.
9. Theories of Punishment—Retributive, Deterrent and Reformative.
10. Indian Ethics—Purusartha, Varnasrama Dharma, Ethics of the Geeta

Books Recommended :

1. आचारशास्त्र के मूल सिद्धान्त–अनिरूद्ध झा एवं रामनन्दन मिश्र
2. नीतिशास्त्र–बद्रीनाथ सिंह
3. प्रारंभिक आचारशास्त्र–अशोक कुमार वर्मा
4. नीतिशास्त्र की भूमिका–पी० पी० विद्यार्थी

B.A. PART-III GEOGRAPHY HONOURS

PAPER-V

GEOGRAPHICAL THOUGHT AND THREE SN. CONTINENTS

(भौगोलिक विचारधारा एवं तीन दक्षिणी महाद्वीप)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

The Course has been divided into five units. There shall be ten questions Two from each units. Students will have to answer one questions from each units. The examination shall be of three hours duration and shall carry 100 marks.

SECTION A

Geographical Though :

Unit I. Definition of Geography and its relation with other science contribution of Hunbolt Riter, Ratvel, Mackinder, Vidal de la Blache.

Unit II. Determinism, Verses Possibilism, Neoclermins, Dualism in Geography Physical Verses Human, Regional verses systematic, Quantitative revolution in Geography.

SECTION B

Three Southern Continents :

Unit III. Stucture, Physiografy, Climate Natural and Vegetation of Africa Australia and South America.

Unit IV. Geographical account of Nile Basin, S. Africa, Murray Darling Basin, New South Wales, region and Brazil pumpa.

Unit V. Comparative study of Three southern continents regarding structure, climate pastoral activities and agriculture.

PAPER-VI (GEOGRAPHY)

(मानव भूगोल)

Human Geography:

The course has been divided into five units. Ten questions will be set two from each units. Students will have to answer one question from each unit. Examination will be of three hours duration.

SECTION A

Unit I. Environmental control of human activity. Human activities in Mountain, Desert, Equatorial, Manson and temperate grass land.

Unit II. Pattern of population distribution, Tends of population growth, Demographic transitions and optimum population, factors of population monality-internal international.

Unit III. Evolution of Men. Study of the following races—Oraon, Santhal Bushman Polynasian, Eskino, Major cultural regions of the world.

SECTION B

Unit IV. Evolution, Rural settlements, Types and patterns in India : Causes and effects at Migrathes International regional Rural urban migration, Causes and effects with particular reference to India.

Unit V. Trends of urbanisation, Locational and Functional Classification of towns Urban growth in India, Problems of urbanisation with special reference to India.

PAPER-VII

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

This is optionbal paper. Candidates are required to select one of the following groups.

GROUP A

POPULATION GEOGRAPHY (जनसंख्या भूगोल)

Out of five units 10 (ten) questions will be set and students have to answer five questions selecting one from each unit.

Unit I. Meaning and scope of Population Geography, Science and Demography, Recent trend population growth with special reference so developed and undeveloped countries. Source of population data. Methods of population forecasting.

Unit II. Dynamics of population Change fertility, Mortality, national & International migration. Demographic transitions, optimum population.

Unit II. Dynamics of population Change ferbility Mortality, National & International migrations, Demographic transitions, optimum population.

Unit III. Distribution and growth pattern of world population, problems, causes differential population pressure, population policies in India.

Unit IV. Population composition – occupation, literacy, Age and Sex Unemployment, Rural Urban Composition.

Unit V. Growth of Indian Population, Distribution and density, Rural-Urban] movement of population, problem of urbanization, Urban population characteristics in; India.

GROUP B

GEOLOGY OF INDIA (भू-विज्ञान)

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Out of five units ten questions will be set. Students are required to answer five questions selecting one from each units.

Unit I. Scope and function of Geology, Standard Strati graphical scale. Indian stratigraphical scale, Chronological history of Indian Stratigraphy.

Unit II. Mineral—Classification, Mode of occurrence and distribution of iron, Copper, Mid Maganese, Coal and Petroleum, Atomic minerals.

Unit III. Petrological Characteristics, Classification, Distribution and Economic Important Dharwar, Vindhya, Gondwana, Deccan and Tertiary systems.

Unit IV. .Classification of igneous Sedimentry & Metamorphic rocks. Metamorphism.

Unit V. Geological evolution of Himalayas, Chotanagpur, Rajmahal, High lands, Deccan lavem, Aravali.

GROUP D

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

POLITICAL GEOGRAPHY (राजनीति भूगोल)

There will be five units in the Paper. Ten questions will be set, two form each unit. Students have to answer one question from each unit. Examination shall be of Three hours duration.

Unit I—Meaning and scope of geopolital geography, Contribution of Ratzel, Houshof, Mackinder Mohan, Spylemen.

Unit II. Concept of state and Nation, Location, Shape and size of the state, Capital and core area. Population growth and size, language and religion.

Unit III. Distinction between frontiers and boundaries. Evaluation of Boundaries, Functions of boundaries. Delimitation of the territorial water and problems involved. Right to passage across straits and narrow area.

Unit IV. Federation, Unitary system, Power blocs, Economic groupings Political groupings.

Unit V. Tension of Middle East South Africa India's Boundary problem. Political Geography of Indian Ocean, National Integration in India.

GROUP C

URBAN GEOGRAPHY (नगरीय भूगोल)

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

There will be five units in the paper. Ten questions will be set. Two from each unit. Students will have to answer one questions from each unit. Examination shall be of three hours duration.

Unit I. Concept and Scope of Urban Geography, Origin and Evolution of towns. Site and Situation, Locational Classification of towns.

Unit II. Urban population growth, Structure and characteristics of Indian towns, Urban growth concept. Theories of Burgees. Hot. and Harns all man.

Unit III. Urban landuse, Urban function and functional classification of towns. Theories of Nelson, Webb Thpompson and Ashok Mitra.

Unit IV. Inter town-country relationship city region & Unland concept, Core & Frings area concept, Metropolitan region.

Unit V. Urban and Regional Survey planning concept. Urban unit planning Metropolitan planning and regional planning towns and cities as central places and growth poles Master plans.

PAPER-VIII

PRACTICAL

Time : 3 Hours] [Full Marks ; 100

The courses has been divided into five units. There shall be five questions one from each unit and the Examinees shall be required to answer all questions, the examination shall be of four hours duration and shall carry 100 marks.

Unit I. Surveying : Plans Table, Survey, Resection with Plans Table, Open and closed Traverse Prismatic compass level—25 Marks.

Unit II. Geological Section and Interpretation of Geological sheets—15 Marks.

Unit III. Project Report—A Short analysis with maps based on field 'study and collection of data on any topic approved by the plead of Department—10 Marks.

Unit IV. Identification of Rock and Minerals and Tour Report—20 + 10 Marks.

Unit V. Record of Practical Work and Viva-Voice—20 Marks.

Books Recommended :

1. Prayogik Bhugol (Hindi) — Jagdish Singh & Others
2. प्रायोगिक भूगोल – जी० पी० शर्मा

स्नातक खण्ड-III भूगोल (सामान्य)

पूर्णांक–सैद्धान्तिक : 75 प्रायोगिक : 25

एशिया का भूगोल

पाठ्यक्रम पाँच यूनिटों में विभाजित किया गया है । प्रत्येक यूनिट से दो एवं कुल दस प्रश्न से किये जायेंगे । परीक्षार्थी को समूचे में से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं । तीन घंटों की परीक्षा होगी और प्रश्न-पत्र 75 अंक का होगा ।

इकाई 1. भौतिक भूगोल–बनावट, जलवायु एवं एशिया का प्राकृतिक जीवन ।

इकाई 2. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन–जनसंख्या और सम्बन्धित समस्याएं, कृषि जलवायु क्षेत्र ।

इकाई 3. चीन की कृषि, खनिज एवं उद्योग ।

इकाई 4. जापान की कृषि, खनिज एवं उद्योग ।

इकाई 5. श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल एवं बांग्लादेश की जलवायु, कृषि उद्योग एवं जनसंख्या ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. मानसून एशिया – शशिनाथ सिंह एवं अन्य
2. एशिया का प्रादेशिक भूगोल – मेमोरियल और अग्रवाल

प्रयोग (25 अंक)

पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभाजित हैं। प्रत्येक इकाई में एक अर्थात् कुल तीन प्रश्न दिये जायेंगे और परीक्षार्थियों को दो प्रश्न के उत्तर करने होंगे। परीक्षा दो घंटों की होगी और 25 अंक होंगे।

इकाई 1. प्रिज्मेटिक कम्पास एवं प्लेटेबुल की सहायता से सर्वेक्षण।

इकाई 2. लेवल और क्लिनोमीटर की सहायता से सर्वेक्षण।

इकाई 3. प्रायोगिक कार्यों का रिकार्ड, भ्रमण रिपोर्ट एवं वाइवा–5 अंक।

निर्धारित पुस्तकें :

1. प्रायोगिक भूगोल – जगदीश सिंह एवं अन्य
2. प्रायोगिक भूगोल – जे० पी० शर्मा।

B.A. PART-III LABOUR AND SOCIAL WELFARE (GENERAL)
PAPER-III

Time: 3 Hours] [Full Marks : 100

Labour and Social Legislation :

1. Welfare State—Concept, Objectives, Causes of the rise of welfare state.
2. Labour and social legislation—Meaning and rates—Role of State intervention in Labour social problems. Principles of labour legislation.
3. International Labour Organization—Objective and function. Role of I.L.O. in Labour Legislation I.L.D. and India.
4. Some important labour and social legislations in India with Particular Reference to—1, Factories. 2. Mines, 3. Social Security, 4. Pension and Oldage, 5. Child Labour, 6. Women labour, 7. Agriculture labour, 8. Wages Payments, 9. Plantation, 10. Wage regulation—Minimum Wages Act, 11. Trade disputes, 12. Trade Unions, 13. Gratuity, 14. Bonus, 15. Maternity Benefits, 16. Sickness, 17. Unemployment, 18. Injuries and Death Compensation.

Books Recommended :

As in paper-I & II.

B.A. PART-III LABOUR AND SOCIAL WELFARE HONOURS

There shall be four papers of 100 Marks each, the paper being called as paper V, VI, VII & VIII.

PAPER V
SOCIAL SECURITY AND LABOUR AND SOCIAL WELFARE WITH REFERENCE TO INDIA

1. **The Welfare State**—Meaning, Nature, Scope and Functions.
2. **Social Welfare** : Meaning and Scope of Social Welfare—Various approaches to agencies for the promotion of social welfare. Role of state and voluntary agencies, relationship between public and private social agencies. Problems of coordination, Central social welfare Board All India Women's conference, Indian council child welfare.
3. Problems arising out of (a) Poverty, (b) Old age, (c) Unemployment
4. Special Programmes for the welfare of (a) Women, (b) Children, (c) Scheduled Castes and Scheduled Tribes, (d) Agricultural Labour

5. Labour Welfare — Scope, Approach to Labour welfare, Role of Govt, employee's and other agencies.
6. Social Security — Meaning Scope, Types — Social insurance and social assistance.
7. Social Security benefits available to Indian Workers particularly — (i) Maternity benefits, (ii) Employment injury, (iii) Sickness, (iv) Old age, (iv) Unemployment.
8. Buggary — Types, Causes, Measures to remove the evil.
9. Crimes — Cases and effect, Measures.
10. Housing — Nature and significance, Slums and slum removal, housing position in India.
11. Alcoholism and Drug — Addition, Causes and Effect, Measures to remove the evil.
12. Prostitution — Nature, Types, Causes and Effect, Measures to remove the evil.

Books Recommended :

1. श्रम समस्याएँ और समाज कल्याण – श्रीधर पाण्डेय
2. श्रम अर्थशास्त्र और सामाजिक सुरक्षा – श्रीधर पाण्डेय

PAPER-VI
LABOUR AND SOCIAL LEGISLATION

1. Role of Social and Labour legislation, Necessity and signifiance of Govt. regulation.
2. Principles and Problems of Labour and Social legislation.
3. Indian Constitution and labour, Growth of labour legislation in India.
4. International Labour Organization — Objectives and functions, role of I.L.O. in labour legislation I.L.O. and India.
5. Existing labour and social laws in India particularly — (a) Factories Act, 1948, (b) Plantation Labour Act, 1951, (c) Mines Act 1952, (d) Employment of Children Act, 1938, (e) Payment of Wages, Act, 1936, (f) Minimum Wages Act, 1948, (g) Bihar shops and Establishment Act, 1953, (h) Equal Remuneration Act, 1975, (i) Bonus Act, 1965, (j) Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952, (k) Payment of Gratuity At, 1923, (l) Workmen's Compensation Act, 1923, (m) Employee's State Insurance Act, 1948, (n) Child Marriage Act, (o) Prevention of Dowry Act, (p) Hindu Marriage and Succession Act
6. Labour Administration in India.
7. Labour and Co-operation.

Books Recommended :

1. Principles and Problems of Labour Legislation — R. K. Das
2. Industrial Relation and Labour Legislation — G.P. Sinha and P.R.N. Sinha
3. Labour Relations Laws in India — S. L. Agrawal
4. Labour year Book — Govt. of India

5. श्रम समस्याएँ और सामाज कल्याण — श्रीधर पाण्डेय
6. श्रम अर्थशास्त्र और सामाजिक सुरक्षा — श्रीधर पाण्डेय

PAPER-VII

ECONOMIC GROWTH AND PLANNING

1. Growth and Development—Meaning of growth and development development and Undevelopment. Indicators of Economic development and backwardness. Causes of Backwardness, Factors in Economic development. State and Economic Development. Position of India—Causes of Economic backwardness in India—Economic growth, income distribution—inequality in the distribution of income and wealth.
2. Economic Planning—Meaning, Objectives, Types, Need for planning, case for and against planning.
3. Social Planning—Concept, Need and Scope with reference to India.
4. Planning in India—Objectives, Planning Machinery in India, Different Five Years plans.
5. New Economic Policy of India—Liberalization and Globalization Advantages and Disadvantages.

Books Recommended :

1. An Outline of Growth, Development of Planning — K. N. Prasad
2. आर्थिक विकास सिद्धांत, समस्याएँ और नीतियाँ — श्रीधर पाण्डेय
3. आर्थिक आयोजन–सिद्धांत और समस्याएँ — श्रीधर पाण्डेय
4. आर्थिक विकास और आयोजन — श्रीधर पाण्डेय
5. सार्वजनिक अर्थशास्त्र — श्रीधर पाण्डेय
6. भारतीय अर्थशास्त्र — एल० एम० राय

PAPER-VIII

This paper will consist of two groups of 50 marks each.

GROUP A

Field Survey concerning labour. Society and welfare.

Or, Dissertation on any L.S.W. topic approved by the Head of Deptt.

GROUP B

Oral Examination on the basis of performance in all papers including field survey and or dissertation and industrial tour and diary.

B.A. PART-III ANCIENT HISTORY HONOURS

PAPER-V

Setting 10 Questions Answer 5 Questions. Full Marks : 100

Political and Cultural History of Ancient Asia.

1. Sources of study of the Ancient History of south east Asia.
2. Indian Culture in Yunan.
3. Rise and fall of Sailendra Empire.
4. History of Java—(a) Kadiri Dynasty, (b) Sinhasani Dynasty, (c) Rise of Mayapalita Empire, (d) Cultural life of Java—(i) Society, (ii) Literature (iii) Religion, (iv) Arts and Architecture.

5. History of Kambuya
(a) Ankar empire
(b) Culture of Kambuya—(i) Society, (ii) Religion, (iii) Asrama, (iv) Art and Architecture
6. History of Champa
(a) Kambuya-Champa Struggle, (b) Khampa-Anam Struggle, (c) Culture of Champa
7. Indian Culture in Siam.
8. Burma
(a) Spread of Buddhism in Burma, (b) Impact of Indian Culture in Burma
9. Ceylon
(a) Spread of Buddhism in Burma, (b) Impact of Indian Culture in Burma.
10. Expansion of Indian Culture in
(a) Central Asia, (b) China, (c) Korea, (d) Japan, (e) Tibet, (f) Mangolia

Books Recommended :

1. History of Hindu Colonies in far East — R. C. Majumdar
2. Hindu Colonies in S.E. Asia — R. C. Majumdar
3. Sudur Purba Men Bharat — B. N. Puri
4. History of South East Asia — G.O. Hale.

PAPER-VI

PRE AND PROTO-HISTORY OF INDIA

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Five Questions to be answered out of ten.

1. Importance and methods of prehistory of India.
2. Relation of Pre-History with science subjects.
3. Histonography of Pre-History of India.
4. Problems of the Periodination of Prehistory
5. Palaeolithic Culture of India in brief
(a) Lover Palaeolithic Culture, (b) Middle Palaeolithic Culture, (c) Post-Harappan Chalcolithic culture.
6. Misolithic or Middle stone age of India.
7. Neolithic culture of India in brief
8. Caleolithic Culture of India.
(a) Pre-Harappan culture. (b) Harappan or urban culture, (c) Post Harappan chalcolithic culture
9. Copper-Heards.
10. Megalithic Culture of India.
11. Ancient Indian Potteries
(a) Harappan Potteries. (b) Black and Red Ware, (c) P.O. Ware, (d) NBP Ware

Books Recommended :

1. An Introduction to Archaeology — S. K. Dekohit

2. Early India and Pakistan — R.E.M. Wheeler
3. Puratatva Parichaya — B. N. Puri
4. पुरातत्व की रूपरेखा — एम० एम० सिंह
5. भारतीय संस्कृति की प्रागैतिहासिक पृष्ठभूमि — माइर्न
6. प्राचीनतमक सभ्यता पर नया प्रकाश — चाइल्ड

PAPER-VII

ANCIENT INDIAN RELIGION AND PHILOSOPHY

Time ; 3 Hours] [Full Marks : 100

Five questions to be answered out of ten.

1. Hinduism—(a) Vedic religion and upanishadic philosophy, (b) System of Indian philosophy—Charvak, (c) Vaishnavism and Sajvism upto 647 A.D.

2. Buddhism—(a) Life and teachings of Buddha, (b) Buddhist Councils, (c) Hina Yana, Mahayana Vajrayan, (d) Contribution of Buddhism.

3. Jainism—(a) Life and teachings of Mahavira, (b) Sects of Jainism, (c) Contribution of Buddhism.

PAPER-VIII

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Five questions to be answered out of ten.

Early Indian Epigraphy and Nurtismatics.

1. Origin of the Brahmi Script.
2. Asokan Edicts—Rock Edict II, III, V, VIII, Pillor Edict-VII, Lumbini Pillar Edict.
3. Resnagar Pillar Inscription of Heliodorus.
4. Junagarh Rock Inscription of Rudradaman.
5. Allahabad Pillar Inscription of Samudragupta.
6. Mehrauli Iron Pillar Inscription of King Chandra Gupta.
7. Banskhera Copper Plate Inscription of Harsavardhana.

Numismatics :

8. Importance of the study of Numismatics.
9. Origin and antiquity of coins in Ancient India.
10. Punch-Marked coins.
11. Coins of the Yaudhuga and the Malaras.
12. Coins of Demetrius and Menandir.
13. Coins of Wima Kadplises and Kainiska-I
14. Coins of (a) Chandragupta, (b) Samudragupta, (c) Chandragupta-II

Books Recommended :

1. गुप्तकालीन मुद्राएँ — ए० एस० अल्टेकर
2. प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन — वासुदेव उपाध्याय
3. प्राचीन भारतीय लिपिमाला — ओझा
4. Select Inscriptions — D.C. Sircar
5. Punćh Marked Coins — PL. Gupta

B.A. PART-III ANCIENT HISTORY GENERAL

PAPER-III

Ancient Indian Polity

1. Sources for the study of ancient Indian Polity.
2. Origin of State.
3. Saptanga Theory of State.
4. Aims and functions of State.
5. Origin of Kingship.
6. Sabha and Samiti
7. Republics —(a) Strong and weak points of republics, (b) Lichchhavi Constitution.
8. Coronation Ceremony.
9. Council of Ministers in Ancient India.
10. Village Administration in Ancient India.
11. Judicial Administration in Ancient India.
12. Mandal Theory of State.
13. Satavahan Policy.
14. Kushana Policy.
15. Gupta Policy.
16. Taxation —(a) Principles, (b) Income and Expenditure of State.

Books Recommended :

1. प्राचीन भारतीय राजनीति और शासन व्यवस्था — राधाकृष्ण चौधरी
2. प्राचीन भारतीय शासन पद्धति — ए० एस० अलतेकर
3. प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ — रामशरण शर्मा
4. प्राचीन भारत में राजनीति एवं शासन — सत्यकेतु विद्यालंकार

B.A. PART-III PSYCHOLOGY HONOURS

Part-III examination shall consist of 4 papers carrying 100 Marks.

PAPER-V

(समाज मनोविज्ञान)

Time : 4 Hours] [Full Marks : 100

One questions to be set for each chapter. Five to be answered out of ten.

1. Introduction — Subject matter and scope, Relation of social psychology with sociology and anthropology.
2. Methods — Observation Lab & Field Experiment and Survey, Merits and Limitations.
3. Socialisation — Process, Factor Influencing Socialization, Culture and Personality.
4. Attitudes — Meaning, Attitude and related concepts, belief, opinion and motive, formation of attitude, Change of attitude, Method of attitude measurement, Likert and Thurstone's Scale.
5. Prejudice— Meaning, Prejudice and attitude, Steretypes, Origin of Prejudice — Sociological and Psychological correlates of Prejudice Reduction of Prejudice.

6. Group—Group Individuals Vs Group, Kinds of Group—Structure and function.
7. Leadership—Nature and emergency of leadership, Types, Trains and functions of leader, Leadership training.
8. Propaganda—Meaning, Propaganda and Education, Principles, Techniques and Media of Propaganda.
9. Public Opinion—Meaning formation, Media and roles of public Opinion in democracy.
10. Social Tension—Kinds, Caste, Communal and regional cases and reduction of social tension in India, National Integration.

Book Recommended :

समाज मनोविज्ञान — रविन्द्रनाथ मुखर्जी

PAPER-VI
GROUP A

Time : 4 Hours] [Full Marks : 100

SYSTEM OF PSYCHOLOGY & EDUCATIONAL PSYCHOLOGY
(मनोविज्ञान का इतिहास एवं शिक्षा मनोविज्ञान)

One questions to be set from each chapter. Five to be answered not more than 3 or any group.

1. Structuralism and Functionalism.
2. Behaviourism—Watson and Post-Watson, Gestalt.
3. Psychoanalytic Schools—freud, Jung and Alder.
4. Non Freudians—Kardiner, Honrey, Karen, Benedict.
5. Humanistic Psychology of Rogers and Marlow.

EDUCATIONAL PSYCHOLOGY
GROUP B

1. Definition—Difference between education and educational Psychology Method-Rating and Ranking, Case study and Interview.
2. Measurement of Intelligence, Aptitude and Achievement.
3. Learning—Programmed Learning Formal and Non-formal education : Role of motivations in Learning Incentives.
4. Examination—Essay Type and Objective Type.
5. Education of special types of children—Physically handicapped, Dull Backward and Giterd.

Books Recommended :

GROUP A

1. Manovigyan Ka Itihas — Sharma J. D.
2. Manovigyan Ka Itihas — Sharma Ram Nath
3. Manovigyan Ka Itihas — Jaiswal, Sitaram

GROUP B

1. Siksha Manovigyan — Mathur
2. Siksha Aur Manovigyan — Pandey, Jagtanand

PAPER-VII

Time : 4 Hours] [Full Marks : 100

INDUSTRIAL PSYCHOLOGY & CLINICAL PSYCHOLOGY

Ten questions to be set out of which five to be answered taking not more than three from any one group.

GROUP A : INDUSTRIAL PSYCHOLOGY (औद्योगिक मनोविज्ञान)

1. Problems—Scope and Foundation of Industrial Psychology.
2. Physical environment at work illumination—Temperature, Humidity and Ventilation, Noise.
3. Fatique and Monotony—Nature difference between fatigue and monotony, Causes of fatigue and monotony. Methods of reducing fatigue monotomy in Industries.
4. Scientific Management—Principles, Contribution of Taylor and Gillberts.
5. Accident—Accident Pronness, Causes and Prevention of accidents.

GROUP B
CLINICAL PSYCHOLOGY (नैदानिक मनोविज्ञान)

1. Nature of Clinical Psychology. A brief historical review distinction between clinical and abnormal Psychology.
2. Clinical Problems—Psychasomatic problems, Psychopathic problems and criminal behaviour genesis & remedial measures.
3. Diagnosis—Function of diagnosis, Diagnostic case studies, Diagnostic interview, overview of use of psychological test for clinical purposes.
5. Psychotherapetic techniques—Psychoanalytic technique, behaviour therapy group, Non directive therapy and psychodrama.

Books Recommended :

GROUP A

1. Audiyogik evam Sangathan Manovigyan — Kochar D.C.
2. Audyogik Manovigyan — Ojha R.K.

GROUP B

1. Clinical Psychology — Verma R.M.
2. Naidanik Manovigyan — Hassan

PAPER-VIII
EXPERIMENTS

Time : 4 Hours] [Full Marks : 100

Two experiments to be conducted out of four set in the examination. Experiments—45 + 45 Marks. Note Book—10 Marks.

1. Aestheiometric Index—by Methods of Limits and constant Stimuelimits.
2. D.L. and verification of Wever's law by the methods of limits and constant stimulus, difference for visual lengths and lifted weights.
3. Reaction time—Smile Sensorial and Muscular Complex. Choice and Discrimination.
4. Erogography—Work and Fatigue.

Effect of fatique and rest on mental work.
Fluctuation of attention.
Colour preference—Method of paired Comparison.
8. Phonmography.

Books Recommended :

1. मनोविज्ञान में प्रयोग, परीक्षण एवं सांख्यिकी – आर० आर० पी० सिन्हा एवं मिश्रा
2. मनोविज्ञान में प्रयोग एवं परीक्षण – अरुण कुमार सिंह

स्नातक खण्ड-III मनोविज्ञान (सामान्य)
तृतीय-पत्र
समाज मनोविज्ञान (सामान्य)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 50

एक प्रश्न प्रत्येक पाठ से सेट किये जायेंगे । 6 प्रश्नों में से 3 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. परिचय, समाजशास्त्र एवं गृहविज्ञान के साथ समाज मनोविज्ञान का सम्बन्ध ।
2. विधियाँ–परीक्षण, प्रयोग एवं साक्षात्कार, गुण एवं सीमाएँ ।
3. व्यवहार (बर्ताव)–परिभाषा, बर्ताव का बनाना एवं सुझाव में बदलाव ।
4. नेतृत्व–प्रकृति, कार्य, प्रकार–प्रजातांत्रिक एवं अधिकारिक ।
5. जनता की मान्यता एवं प्रचार–जनता की मान्यता–अर्थ, बनावट एवं मीडिया प्रचार–अर्थ सिद्धांत एवं तकनीकी ।
6. सामाजिक तनाव–प्रकार, जातिगत, साम्प्रदायिक एवं क्षेत्रीय कारण, भारत में सामाजिक तनाव दूर करने के उपाय ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. समाज मनोविज्ञान – रवीन्द्रनाथ मुखर्जी
2. समाज मनोविज्ञान – राम बालेश्वर सिंह
3. समाज मनोविज्ञान – नगीना प्रसाद

मनोविज्ञान सामान्य प्रायोगिक परीक्षा
प्रयोग एवं सांख्यिकी

समय : 4 घंटे] [पूर्णांक : 50

प्रश्न-पत्र में दो समुच्चयों में से एक प्रयोग को परीक्षा में करना है ।

प्रायोगिक नोट बुक–10 अंक

अलग-अलग परीक्षाएँ–1. सांख्यिकी–1 घंटा, 2. प्रयोग–3 घंटा ।

प्रयोग (20 + 20)

प्रायोगिक :

1. मौखिक जानकारी–सामान्य पुनरावृत्ति की विधि और श्रेणी में जानकारी, प्रेरणा एवं पूर्वानुमान ।
2. मोटर शिक्षण–द्विपक्षीय स्थानान्तरण, स्वाभाविक (आदती) हस्तक्षेप ।
3. मूलर की गणना–औसत गलती की विधि से लेयर इलूजन ।
4. मनोयोग कार्य, रुचि पर मनोयोग की अन्यमनस्कता ।
5. कार्य अभिरुचि–युग्मीत तुलनात्मक विधि द्वारा ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. मनोविज्ञान में प्रयोग, परीक्षण एवं सांख्यिकी – आर० आर० पी० सिन्हा
2. मनोविज्ञान में प्रयोग एवं परीक्षण – अरुण कुमार सिंह ।

General एवं HONOURS के सभी छात्रों को पढ़ना अनिवार्य है

GENERAL HONOURS
GENERAL AND ENVIRONMENT STUDIES (GES)
सामान्य अध्ययन एवं पर्यावरण अध्ययन

Time : 3 Hours] [Marks : 100

GENERAL STUDIES
सामान्य अध्ययन

50 Marks

Group-A

1. Social Reform movements in the 19th and 20th Century.
   19वीं एवं 20वीं शताब्दी में सामाजिक सुधार आन्दोलन ।
2. National Freedom Struggle since 1857 A.D. and Attainment of Independence.
   1857 ई० से स्वाधीनता प्राप्ति तक राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम ।
3. National Cultural Heritage
   राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत ।
4. General Awareness about important provisions of Indian Consitution.
   भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण प्रावधानों का परिचय ।
5. Planning for Development in Post-Independent India
   भारत की स्वतंत्रता के पश्चात् विकास हेतु योजना
   (i) Agricultural and Industrial Development
   कृषि एवं औद्योगिक विकास ।
   (ii) Problems of Paverty and unemployment
   गरीबी एवं बेरोजगारी की समस्याएँ ।
   (iii) Problems of Reconstruction of Bihar.
   बिहार के पुनर्निर्माण की समस्याएँ ।
   (iv) Priority of Reconstruction of Bihar
   बिहार के पुनर्निर्माण की प्राथमिकता ।
   (v) Role of Gram Panchayat in eradication of poverty.
   गरीबी उन्मूलन में ग्राम पंचायत की भूमिका ।
6. टिप्पणी लिखें :
   (i) United nations and its major agencies
   संयुक्त राष्ट्रसंघ एवं उसके प्रमुख अंग
   (ii) Human rights
   मानवाधिकार ।
   (iii) Value Education and
   मूल्यपरक शिक्षा ।
   (iv) Consument awareness
   उपभोक्ता जागरूकता ।
7. Fascinating World of Living being
   सजीव जगत का आश्चर्यजनक संसार ।
8. Elementary knowledge of Physics
   भौतिक विज्ञान का प्रारम्भिक ज्ञान ।
9. Chemistry in Action.
   रसायनशास्त्र : एक दृष्टि में ।

10 Modern achievements in Science and Technology
विज्ञान एवं प्रौद्योगिक में आधुनिक उपलब्धियाँ ।

ENVIRONMENTAL STUDIES
पर्यावरण अध्ययन

50 Marks

Group-B

1. National resources-Land Water, Forest and Mineral resources.
प्राकृतिक संसाधन : भूमि, जल, वन एवं खनिज सम्पदा ।
2. Concept of an Ecosystem-An elementary idea of major ecosystems.
पारिस्थितिकी-कुछ प्रमुख पारिस्थितिकियों का प्रारम्भिक ज्ञान ।
3. Biodiversity and its conservation-Hot spots and threats to biodiversity.
जैव विविधता एवं उनका, संरक्षण, महत्वपूर्ण जैव-स्थल एवं जैव विविधता को खतरे के कारण ।
4. Pollution causes, effects and control measures.
प्रदूषण के कारण, कुप्रभाव एवं रोकथाम के उपाय ।
5. Relevance and Sustainable development, water Conservation and Water Land Reclanation.
जीवन धारण करने योग्य विकास की प्रासंगिकता, जल संरक्षण एवं अवशिष्ट भूमि पुर्नप्राप्ति।
6. Public awareness about Environment issue, Population growth & its impact on Environment-Woman and Child Development-AIDS.
पर्यावरण सम्बन्धी विषयों के बारे में जनता की जागरूकता, जनसंख्या वृद्धि एवं उसका पर्यावरण पर प्रभाव-(i) महिला एवं बाल विकास, (ii) एड्स रोग ।

■■■